आइए, पंजाब और हिमाचल प्रदेश.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ईशा रिखी ने बताई बिग बॉस... 11

वर्ष - 02, अंक - 161 | गाजियाबाद / रविवार 13 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

ब्रिक्स समिट में 'ब्रांड बिहार' का बज रहा डंका!

● विदेशी मेहमानों को तोहफे में मिलेगा सत्तू और मखाना ● मिथिला पेंटिंग्स ने जीता दिल,स्थानीय उत्पादों की धूम

पटना/दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर धूम देखने को मिल रही है। सम्मेलन में शामिल हुए विदेशी प्रतिनिधियों और मेहमानों को एक खास 'गुड्डी बैग' गिफ्ट में दिया जा रहा है। इस बैग में बिहार का प्रसिद्ध सत्तू और मखाना, केले के चिप्स, ओडिशा की खास कॉफी और गुजरात का ब्लॉक प्रिंटेड दुपट्टा (स्टोल) शामिल है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विदेशी मेहमानों को भारतीय संस्कृति,विविधता और अलग-अलग राज्यों के पारंपरिक स्वादों से परिचित कराना रहा।

सत्तू-मखाना और मिथिला पेंटिंग को शामिल करने से गदगद संजय झा

सोशल मीडिया एक्स पर जेडीयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने लिखा, बिहार की शान, सत्तू-चोखा के जरिए दुनिया के सामने आ रही है। यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स समिट में भारतीय और विदेशी पत्रकारों के लिए तैयार किए गए गिफ्ट हैम्पर्स में बिहार के मखाने और हमारे सुपरफूड सत्तू को जगह मिली है। ये हमारे किसानों के लिए एक बेहतरीन सम्मान है। बिहार के खेतों से लेकर ग्लोबल मंच तक, हमारे मखाने और सत्तू राज्य की समृद्ध विरासत और अनोखे उत्पादों को दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं। इसके अलावा संजय झा ने ब्रिक्स समिट की गैलरी में मिथिला पेंटिंग्स को जगह मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा,ब्रिक्स गर्व का पल! ब्रिक्स समिट में छाई मिथिला की चित्रकला, विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने सराहा! हमें खुशी है कि मिथिला की प्राचीन चित्रकला और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए इसे लाया गया।

ब्रिक्स के मेहमानों को गिफ्ट में सत्तू-मखाना सीएम सम्राट खुश

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में विदेशी मेहमानों को बिहार का सत्तू और मखाना भी परोसा गया। सीएम सम्राट चौधरी ने भी इस पर खुशी जताई है। सीएम ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन में वेलकम किट में सत्तू और मखाना को शामिल किया जाना हमारे प्रदेश के स्वाद, परंपरा और उद्यमिता की पहचान है। सीएम ने इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी का आभार भी जताया है। कहा कि प्रधानमंत्री लोकल टू ग्लोबल के संकल्प को साकार किया है। लिखा है कि नए बिहार की नई पहचान, बिहार का स्वाद अब दुनिया के सामने है।

टीएमसी के बागी गुट की ममता बनर्जी को चुनौती

कहा-नंदीग्राम से उपचुनाव लड़ें,हम नहीं उतारेंगे उम्मीदवार

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न के लिए जारी लड़ाई अब नंदीग्राम उपचुनाव तक पहुंच गई है। बागी गुट ने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी से वहां से चुनाव लड़ने को कहा है और वादा किया है कि वे उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। बुधवार को सार्वजनिक रूप से दिया गया यह प्रस्ताव एक अपील भी है और एक चुनौती भी। 2021 में नंदीग्राम में बनर्जी को अपने करियर का सबसे बड़ा चुनावी झटका लगा था। उन्होंने इस सीट को बीजेपी के खिलाफ अपने अभियान का मुख्य केंद्र बनाया था, लेकिन वह अपने ही पूर्व सहयोगी और बीजेपी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से हार गईं। इसके अलावा, टीएमसी का बागी गुट अपनी चुनावी साख साबित करने की होड़ में लगा है, जबकि पार्टी के नाम और 'घास पर दो फूल' वाले चुनाव चिह्न पर उसका दावा अब भी निर्वाचन आयोग के पास लंबित हैं।

बागी टीएमसी गुट के प्रवक्ता रिजु दत्ता ने दी चुनौती- पश्चिम बंगाल विधानसभा के बाहर बागी टीएमसी गुट के प्रवक्ता रिजु दत्ता ने कहा कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम से चुनाव लड़ती हैं, तो हम अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। हम चाहते हैं कि वह चुनाव लड़ें, जीतें और विधानसभा लौटें। इस साल हुए विधानसभा चुनावों में, अधिकारी ने नंदीग्राम से जीत हासिल की और साथ ही बनर्जी को उनके गढ़ भवानीपुर में भी हराया। उन्होंने भवानीपुर की सीट अपने पास रखी और दूसरी सीट छोड़ दी, जिससे उपचुनाव की जरूरत पड़ी। टीएमसी के एक और बागी विधायक मदन मित्रा ने कहा कि इस फैसले का मकसद भाजपा-विरोधी वोट के बंटवारे को रोकना और बनर्जी को नंदीग्राम में आसानी से जीत दिलाना था। मित्रा ने कहा कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम से चुनाव लड़ती हैं, तो हम अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। इससे यह साबित होगा कि हमने बीजेपी को विपक्ष के वोट बांटने का मौका नहीं दिया है।

संक्षिप्त

बेंगलुरु से लापता लड़की 7 महीने बाद ओटीपी से मिली

● सरकारी योजना के लिए पति के नंबर से रजिस्ट्रेशन कराया था, पुलिस ने ट्रैक किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में जनवरी से लापता 18 साल की छात्रा को पुलिस ने करीब 7 महीने बाद ओटीपी की मदद से खोज निकाला। वह 31 जनवरी को नाबालिग सहेली के साथ कॉलेज जाने का कहकर घर से निकली थी। दोनों मोबाइल फोन और सिम कार्ड घर पर छोड़ गई थीं। उनके पास सिर्फ आधार कार्ड और कॉलेज बैग था। काफी

समय तक पुलिस को दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। बाद में छात्रा ने आधार कार्ड से एक सरकारी स्वास्थ्य योजना के लिए आवेदन किया। इसमें उसने अपने पति का मोबाइल नंबर दिया था। आवेदन के दौरान इसी नंबर पर ओटीपी आया। पुलिस ने नंबर को ट्रेस किया और छात्रा तक पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक, छात्रा ने शादी कर ली है और वह गर्भवती है। हाईकोर्ट में पेश करने के बाद उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। हालांकि, उसके साथ घर से निकली नाबालिग लड़की का अभी तक पता नहीं चला है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

उत्तरप्रदेश चुनाव से पहले मायावती की 'सरप्राइज एंट्री'

● दीपिका आनंद संभालेंगी बीएसपी की कमान!

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी के भीतर चल रहा राजनीतिक विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बसपा प्रमुख मायावती ने पहले बड़े भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया। उन्हें राजनीतिक उत्तराधिकारी तक घोषित कर दिया। लेकिन, पिछले तीन वर्षों में तीन बार बसपा प्रमुख ने आकाश आनंद को तीन बार तमाम पदों से हटाया। दूसरी बार पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। दूसरे भतीजे ईशान आनंद को वह राजनीति में एंट्री दे चुकी हैं। उन्हें पार्टी में नॉर्थ

इंडिया का प्रभारी बनाया गया। अब मायावती ने राजनीति उत्तराधिकारी के मसले पर स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने साफ किया है कि उनके भाई आनंद कुमार के बेटों में किसी को अब बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। इस मामले में उन्होंने आनंद कुमार की इकलौती बेटी दीपिका आनंद के नाम का प्रस्ताव उनको राजनीतिक मदद के लिए दिया है। साथ ही, आनंद कुमार के बेटों के लिए नो-एंट्री की बात कही गई है। कुमारी दीपका आनंद बसपा प्रमुख मायावती की भतीजी और छोटे भाई आनंद कुमार की इकलौती बेटी हैं। आनंद कुमार बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और उनकी गिनती पार्टी के ताकतवर नेताओं में से होती है। वह पर्दे के पीछे से हमेशा मायावती के साथ रहे।

किसी के खिलाफ नहीं हैं ब्रिक्स के देश

मोदी ने कहा-हमारी सोच सबको साथ लेकर चलने की

पीएम बोले-पिरामिड की तरह है वैश्विक शासन की संरचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 18वें ब्रिक्स समिट को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ नहीं है, बल्कि सबको साथ लेकर चलने का मंच है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुए सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत सदस्य देशों के नेता मौजूद रहे। ब्रिक्स देशों के बीच संयुक्त बयान जारी करने पर सहमति बन गई है। यह सहमति ऐसे समय में बनी है, जब पश्चिम एशिया में तनाव है और ईरान, सऊदी अरब और यूएई के कई मुद्दों पर अलग-अलग रुख हैं। भारत ने लगातार बातचीत के जरिए इन मतभेदों को दूर करने और सदस्य देशों के बीच सहमति बनाने में अहम भूमिका निभाई।

शक्ति और निर्णय लेने की शक्ति शीर्ष पर केंद्रित

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वैश्विक शासन की वर्तमान संरचना एक पिरामिड की तरह है, शक्ति और निर्णय लेने की शक्ति शीर्ष पर केंद्रित है, जबकि निचले स्तरों में वे राष्ट्र शामिल हैं जो इन निर्णयों से प्रभावित होते हैं लेकिन उन्हें आकार देने में असमर्थ हैं। हमें वैश्विक दक्षिण को नियम मानने वालों से नियम बनाने वालों में बदलने के लिए काम करना होगा।

ब्रिक्स देश किसी के खिलाफ नहीं

पिछले 20 सालों में ब्रिक्स ने वैश्विक मंच पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यह शिखर सम्मेलन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। ब्रिक्स किसी के खिलाफ नहीं है। पीएम मोदी ने इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक शासन के लिए एक 10-सूत्रीय रोडमैप का प्रस्ताव रखा है। अब यूएन सुरक्षा परिषद के सुधारों में और देरी नहीं की जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत में सभी मेहमानों का स्वागत करना उनके लिए बेहद खुशी की बात है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता पूरी तरह से मानवता-प्रथम और जन-केंद्रित सोच पर आधारित रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि हाल के वर्षों में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंधों में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देश अब और ऊंचे लक्ष्य तय कर रहे हैं तथा रक्षा, एआई पर काम कर रहे हैं।

प्रज्जवल रेवन्ना के मोबाइल में पोर्न वीडियो की पुष्टि

● जेल से जब्त हुआ था,रेप केस में काट रहा उम्रकैद

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में कई पोर्न वीडियो और पेन ड्राइव में वेब सीरीज मिलने की बात सामने आई है। शनिवार को फोन और अन्य डिवाइस की फोरेंसिक जांच में इसका पता चला। क्राइम ब्रांच ने 11 अगस्त को परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में छापा मारा था। इस दौरान रेवन्ना को जेल की कोठरी में मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़ा गया। अधिकारियों ने मोबाइल, चार्जर, पेन ड्राइव और नोटबुक जब्त की थी। प्रज्वल, जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। वह नौकरानी से रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। जेल में मोबाइल, पेन ड्राइव या नशीली चीजें मिलने पर कैदी की सुविधाएं कम की जा सकती हैं या उसे अलग सेल में रखा जा सकता है। उसके खिलाफ नया केस दर्ज हो सकता है और अतिरिक्त जेल की सजा भी हो सकती है। जांच में सामने आया कि जेल के अंदर फोन 75 हजार से 2 लाख रुपए तक में बेचा जाता था।

इतिहास में पहली बार रॉयल एयर फोर्स के पायलटों के गुरु बने अफसर

ब्रिटिश पायलटों को ट्रेनिंग देंगे वायुसेना के तीन जांबाज पायलट

लंदन (एजेंसी)। आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब भारतीय वायु सेना के तीन पायलट ट्रेनर के तौर पर रॉयल एयर फोर्स में शामिल हुए हैं। वे वेल्स में रायल वैली में युवा ब्रिटिश पायलटों को ट्रेनिंग देंगे। यह घटना 1932 में औपनिवेशिक भारत में अंग्रेजों की तरफ से शुरुआती वायु सेना स्थापित किए जाने के लगभग एक सदी बाद हुई है। आईएएफ के तीन पायलट क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर के तौर पर शामिल हुए हैं। यह पहली बार है जब भारतीय एयरफोर्स को यूके में रॉयल पायलटों को फ्लाइंग ट्रेनिंग देने के लिए भेजा गया है। उनकी तैनाती शुरू में दो साल के लिए होगी। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में तीनों पायलटों की एक तस्वीर शेयर की और कहा फोर्स के तीन अफसर रॉयल एयर फोर्स के पायलटों को ट्रेनिंग देने के लिए पहुंचे हैं।

एकेडमी में ट्रेनर बने भारतीय वायुसेना के 3 पायलट

इस टीम की अगुवाई स्क्वाड्रन लीडर रैंक के एक अधिकारी कर रहे हैं। भारतीय इंस्ट्रक्टर पायलटों को एयरक्राफ्ट पर ट्रेनिंग देंगे। इस एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल आईएएफ भी अपने फाइटर पायलटों की आखिरी ट्रेनिंग के लिए करती है। हॉक, सेना का एडवांस्ड जेट ट्रेनर है। यह पायलटों की ट्रेनिंग का आखिरी चरण होता है जिसके बाद वे फ्रंटलाइन, भारी और तेज रफ्तार वाले एयरक्राफ्ट उड़ाने के लिए तैयार हो जाते हैं। पायलटों को यूके भेजने का फैसला इस साल फरवरी में लिया गया था। यह फैसला नई दिल्ली में 19वीं यूके-इंडिया एयर स्टाफ बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच मिलिट्री ट्रेनिंग में सहयोग बढ़ेगा।

पीए के घर छापे के बाद संकट में हरीश रावत

● उत्तराखंड के पूर्व सीएम बोले-कांग्रेस के सारे पद छोड़ दूंगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शनिवार को पार्टी के सभी पदों को छोड़ने की पेशकश की है। इसको लेकर रावत ने सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखी है। रावत फिलहाल कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य और कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। ऐसे समय में मेरे किसी मामले से अगर पार्टी के संघर्ष को नुकसान पहुंचता है तो मैं ऐसा नहीं चाहूंगा। इसलिए मैं पार्टी में मिली दोनों जिम्मेदारियों से हटना चाहता हूं। 10 सितंबर को रावत के पूर्व पीए चंदन सिंह जीना के घर प्रवर्तन निदेशालय की रेड हुई थी। इसमें 1.28 करोड़ की संपत्तियां जब्त की गई थीं। जीना वर्तमान में रावत के पर्सनल असिस्टेंट हैं। रावत ने कहा कि मैं इस समय किसी सरकारी पद पर नहीं हूं, इसलिए वहां से इस्तीफा देने का सवाल नहीं है। चंदन सिंह जीना को लेकर रावत ने कहा कि वह मेरे ओएसडी रह चुके हैं। मेरे मुख्यमंत्री रहने के दौरान पार्टी और सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालते थे।

यूपी में उफान पर नदियां, मकान-पेड़ घाघरा में समाए

● लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद नदी में लटकी,60 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। पीलीभीत में शारदा नदी का कटान तेज हो गया है। तेज बहाव में किनारे पर बने मकान और विशाल पेड़ नदी में समा गए। लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद का आधा हिस्सा सरयू नदी में लटका हुआ है। कभी भी मस्जिद नदी में समा सकती है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है। प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। संगम के प्रमुख घाट पानी में डूबे हैं। लेटे हनुमान जी 14 दिन से जलमग्न हैं।

बलिया में गंगा खतरे के निशान से 1.5 मीटर ऊपर

बलिया में गंगा और सरयू का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। इससे सदर, बैरिया और बांसडीह तहसील के कई गांवों और शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। शनिवार सुबह 8 बजे गायघाट गेज पर गंगा का जलस्तर 59.16 मीटर दर्ज हुआ। यह खतरे के निशान 57.615 मीटर से 1.545 मीटर ऊपर है। वहीं, चांदपुर गेज पर सरयू का जलस्तर 59.25 मीटर रहा, जो खतरे के निशान 58 मीटर से 1.25 मीटर अधिक है। हालांकि, सरयू का जलस्तर अब स्थिर हो गया है। सोनभद्र के रेणुकूट-पिपरी स्थित रिहंद बांध में पानी की आवक कम होने के बावजूद जलस्तर में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बुधवार रात 871.1 फीट पहुंचने के बाद बांध के सभी फाटक बंद कर दिए गए थे। शनिवार सुबह जलस्तर बढ़कर 871.4 फीट दर्ज किया गया। फिलहाल पानी की निकासी सिर्फ टरबाइनों के जरिए हो रही है और सभी छह टरबाइन चालू हैं।

डोडा में पाकिस्तानी आतंकी का सड़ा शव हुआ बरामद

एम 4 राइफल भी मिली,1980 में अमेरिकी सेना ने किया था इस्तेमाल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी आतंकी का शव सुरक्षाबलों ने शनिवार को बरामद किया। इसके पास से नाइट विजन क्षमता वाली एम 4 राइफल भी बरामद हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को सर्च के दौरान आतंकी के अवशेष बरामद किए। पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। 1980 के दशक की एम 4 असॉल्ट राइफल का इस्तेमाल अफगानिस्तान युद्ध के दौरान नाटो और अमेरिकी सेना करती थी। युद्ध और शहरी संघर्ष के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक हल्की, गैस-संचालित राइफल है। अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो बलों के निकलने के बाद, इन राइफलों पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था।

हवा में फेल हुआ अलायंस एयर का इंजन, दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग, सभी सवार 40 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलायंस एयर की एक फ्लाइट का इंजन हवा में खराब हो जाने के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर उसकी आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। इस घटना में विमान में सवार क्रू मेंबर्स सहित सभी 40 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। अलायंस एयर की फ्लाइट संख्या ने दोपहर करीब 12:33 बजे प्रयागराज से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान, जब विमान मेरठ के आसपास था, पायलट को एक इंजन में तकनीकी खराबी का पता चला। स्थिति की गंभीरता को देखकर पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को इसकी सूचना दी और दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। सूचना मिलते ही आईजीआईए पर तत्काल आपातकाल घोषित किया। टर्मिनल-1 के रनवे-4 पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की गईं। लगभग 30 मिनट तक रनवे को पूरी तरह से खाली रखा गया। विमान ने अपने दूसरे इंजन की मदद से दोपहर करीब 2:15 बजे सफलतापूर्वक और सुरक्षित लैंडिंग की। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गंभीर तकनीकी खराबी की जांच के आदेश दे दिए हैं। यह वहीं विमान था जो सुबह बिलासपुर से प्रयागराज पहुंचा था और कुछ देर बाद दिल्ली के लिए रवाना हुआ था।

गोमती पुस्तक महोत्सव शुरू : सीएम योगी बोले– किताबें देती हैं दुनिया समझने की ताकत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ हुआ। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोत्सव का उद्घाटन कर कहा कि डिजिटल युग में भी युवाओं का किताबों से जुड़ाव बना हुआ है। उन्होंने कहा कि युवा पढ़ना चाहते हैं, आवश्यकता सिर्फ किताबों को उन तक सुगमता से पहुंचाने की है। मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक एग्जाम वॉरियर्स पढ़ने की अपील भी की। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बढ़ती स्क्रीन टाइम पर चिंता व्यक्त कर कहा कि स्क्रीन हमें दुनिया दिखाती है, लेकिन पुस्तकें हमें दुनिया को समझने की वास्तविक शक्ति देती हैं। उन्होंने किताबों को ज्ञान, विचार, संस्कार और कल्पनाशक्ति विकसित करने का माध्यम बताया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। विरोध प्रदर्शन की आशंका के चलते समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई के कुछ सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया। नौ दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में 121 प्रकाशक करीब 250 स्टॉलों पर हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अवधी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं की हजारों पुस्तकें उपलब्ध करा रहे हैं। 20 सितंबर तक चलने वाले पुस्तक महोत्सव में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है।

किसानों का अनोखा विरोध : सर्वेक्षकों को पेटीकोट पहनाकर लिपस्टिक लगा पूरे गांव में घुमाया

-सर्वे के नाम पर कथित अवैध वसूली से आक्रोशित थे किसान

महोबा (एजेंसी)। महोबा में फसल बर्बादी के सर्वे के नाम पर कथित अवैध वसूली से आक्रोशित किसानों ने अनूठा विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए किसानों ने सर्वे करने पहुंचे कुछ लोगों को पकड़ा और उन्हें ब्लाउज-पेटीकोट पहनाकर, गले में जूतों की माला डालकर, लिपस्टिक लगा पूरे गांव में घुमाया। बाद में इन व्यक्तियों को पुलिस के हवाले किया। घटना के बाद, बीजेपी विधायक बृज भूषण राजपूत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने पूरे मामले को नया मोड़ दिया है। वायरल वीडियो में विधायक कथित तौर पर ग्रामीणों से वीडियो कॉल पर बात करते हुए सुनाई दे रहे हैं। वे स्पष्ट रूप से कहते हैं कि पैसे लेने वालों को पेटीकोट और चूड़ियां पहनाओ, लिपस्टिक लगाओ, गले में जूतों की माला डालकर मुंह काला करो व पूरे गांव में घुमाओ। उन्होंने पुलिस के हवाले करने से पहले उन्हें न मारने की सलाह दी। यह घटना तब हुई जब महोबा में बर्बाद हुई फसलों के नुकसान का सर्वे चल रहा था। इसी दौरान, किसानों ने आरोप लगाया कि कुछ लोग सर्वे के नाम पर अवैध वसूली कर रहे थे। विधायक का वीडियो सामने आने के बाद उनकी भूमिका पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि यह दावा किया जा रहा है कि ग्रामीणों ने विधायक के निर्देशों पर ही यह कार्रवाई की। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि और पूरे घटनाक्रम की पुलिस जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस द्वारा कथित अवैध वसूली के आरोपों की भी गहनता से जांच की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वास्तव में किसानों से पैसे मांगे गए थे या नहीं।

सर्पदंश के इलाज में भारतीय वैज्ञानिकों को मिली बड़ी सफलता

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु के वैज्ञानिकों ने सर्पदंश के इलाज की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। वैज्ञानिकों ने ऐसा रीकॉम्बिनेंट एंटीवेनम विकसित किया है. जो भारत में पाये जाने वाले कई जहरीली कोबरा प्रजातियों के घातक विष को निष्क्रिय करने में सक्षम है। यह शोध ढ्ढस्ष्ट के वैज्ञानिकों ने टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क के सहयोग से किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कांग्रेस के सभी पदों से दिया इस्तीफा

मेरे ओएसडी रहे चंदन पर आरोप सही हैं तो मेरे शर्मिंदगी होगी

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड कांग्रेस में जारी अंदरूनी कलह के बीच पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अचानक कांग्रेस पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया है। उन्होंने यह बड़ा फैसला शनिवार को लिया है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके ओएसडी रहे चंदन सिंह जीना के ठिकानों पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में नकदी और सोना बरामद किया था।

रावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट लिखकर अपने इस्तीफे की वजह बताई। उन्होंने कहा कि टीवी पर उनके सहयोगी के घर से भारी मात्रा में कैश और जूलरी मिलने की खबरें चल रही हैं, जिसकी सच्चाई जल्द सामने आ जाएगी। रावत ने स्वीकार किया कि चंदन सिंह जीना उनके ओएसडी रहे हैं, और यदि ग्राम सेवक भर्ती परीक्षा या ओएमआर शीट से छेड़छाड़ में उनके खिलाफ कोई गड़बड़ी या सबूत पाए जाते हैं, तो यह उनके लिए बहुत बड़ी शर्मिंदगी होगी। हालांकि, उन्होंने जीना पर लगे आरोपों पर अविश्वास भी जताया।

अपने इस्तीफे का कारण बताते हुए रावत ने कहा, उत्तराखंड के चुनाव में भारी स्टेक्स हैं। मुझसे जब भी कोई व्यक्ति पूछता था कि चुनाव कब हो रहे हैं? तो मैं हंसी में उनसे कहता था कि भई चुनाव तब होंगे, जब सीबीआई मेरे दरवाजे पर दस्तक देने आएगी। यदि अभी नहीं आई है तो इसका अर्थ है कि चुनाव अगले वर्ष मार्च-अप्रैल में ही होंगे। लेकिन इस बार मेरे घर पर नहीं, मेरे एक सहयोगी के घर पर दस्तक देकर एक नरेटिव बनाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ रहे हैं, और राहुल गांधी राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। ऐसे में हरीश रावत के किसी भी कृत्य से यदि पार्टी के संघर्ष में कोई कमजोरी आती है, तो वह ऐसा बिल्कुल नहीं चाहेंगे। इसी भावना से प्रेरित होकर उन्होंने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी सदस्यता और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य पद से विनम्रतापूर्वक हटने का निर्णय लिया है, ताकि उनकी वजह से पार्टी के संघर्ष में कोई कमजोरी न आए।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इसका गठन राज्य के नौजवानों के भविष्य को ध्यान में रखकर किया गया था। उन्होंने अपने कार्यकाल में पब्लिक सर्विस कमीशन को समय पर परीक्षाएँ लेने के लिए बाध्य किया और 42,000 से अधिक सरकारी पदों पर भर्तियां हुईं। उन्होंने स्वीकार किया कि यदि नियुक्तियों में कोई एरर ऑफ जजमेंट हुआ है, तो वह उत्तराखंड के लोगों से क्षमा प्रार्थी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यूकेएसएसएससी के चेयरमैन की नियुक्ति पिछली सेवा रिकॉर्ड और तत्कालीन पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूरी की सलाह पर की गई थी, जिन्हें शिकायत मिलने के बाद उन्होंने ही हटाया था। रावत ने यह भी कहा कि कौन व्यक्ति कहां गलती कर दे, कोई नहीं जान सकता, ठीक वैसे ही जैसे किसी को नहीं पता होता कि आरएसएस का कोई पदाधिकारी भ्रष्ट निकल सकता है। चंदन सिंह जीना 2014 से 2017 तक हरीश रावत के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके ओएसडी रहे थे। ईडी ने उनके आवास से 32 लाख रुपये नकद, 12 लग्जरी घड़ियां और 200 ग्राम सोना बरामद करने की जानकारी दी थी, ये बरामदगी उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा में गड़बड़ी की जांच के संबंध में हुई थी।

जोधपुर में गरजे जापानी फाइटर जेट-वीर गार्जियन युद्धाभ्यास का पाकिस्तानी कनेक्शन

जोधपुर(एजेंसी)। जोधपुर एयरबेस पर जापानी शक्तिशाली एफ-2ए फाइटर जेट पहुंच चुके हैं, जहाँ वे भारतीय वायुसेना के सुखोई-30एमकेआई विमानों के साथ संयुक्त हवाई युद्धाभ्यास वीर गार्जियन में हिस्सा ले रहे हैं। 9 से शुरू होकर 22 सितंबर तक चलने वाला अभ्यास हवा से हवा में मुकाबला, डॉगफाइट, रात्रि अभियान और हवा में ईंधन भरने जैसी जटिल तकनीकों पर केंद्रित है। इसका प्राथमिक लक्ष्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हवाई-समुद्री अभियानों में सहयोग बढ़ाना है, साथ ही पाकिस्तानी वायुसेना के एफ-16 फाइटर जेट्स से निपटने की भारतीय क्षमता को मजबूत करना महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इस युद्धाभ्यास में जापान के एफ-2ए फाइटर जेट की भूमिका विशेष रूप से अहम है। मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज और अमेरिकी लॉकहीड मार्टिन के सहयोग से विकसित यह विमान अमेरिकी एफ-16 के डिज़ाइन पर आधारित है, लेकिन जापान ने अपनी विशिष्ट समुद्री सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप इसमें पंखों, रडार और अन्य प्रणालियों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। एफ-2ए फाइटर के साथ अभ्यास वायुसेना को एफ-16 जैसे विमानों से जुड़े खतरों का सामना करने का अमूल्य अनुभव प्रदान कर रहा है, क्योंकि पाकिस्तान के पास भी अमेरिकी एफ-16 फाइटर फाल्कन विमानों का बेड़ा है। यह प्रशिक्षण भारतीय वायुसेना को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और राडार से चकमा देने की रणनीतियाँ विकसित करने में सीधी मदद करेगा। उल्लेखनीय है कि 27 फरवरी 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान भारतीय वायुसेना का सामना एफ-16 फाइटर जेट से हुआ था, जिसमें विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने अपने मिग-21 बाइसन से एक पाकिस्तानी एफ-16 जेट को मार गिराया था। वीर गार्जियन अभ्यास का यह दूसरा चरण है। इससे पहले जनवरी 2023 में भारतीय वायुसेना के चार एसयू-30एमकेआई विमानों ने जापान के हयाकुरी एयरबेस पर जापान के एफ-2 और एफ-15 लड़ाकू विमानों के साथ प्रशिक्षण लिया था।

हरिद्वार में नौ उपनिरीक्षकों के स्थानांतरण, कई को मिली नई जिम्मेदारी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने जनपद में पुलिस व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नौ उपनिरीक्षकों के स्थानांतरण किए हैं। स्थानांतरण आदेश के तहत कई वरिष्ठ उपनिरीक्षकों को अलग-अलग कोतवालियों में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार जीडी भट्ट को कोतवाली नगर के वरिष्ठ उपनिरीक्षक पद से कोतवाली भगवानपुर का वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाया गया है। नंद किशोर ग्वाड़ी को कोतवाली रानीपुर के वरिष्ठ उपनिरीक्षक पद से कोतवाली नगर भेजा गया है।

लखपत बुटोला को एएनटीएफ शाखा से कोतवाली रानीपुर में वरिष्ठ उपनिरीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। रमेश सैनी को कोतवाली भगवानपुर के वरिष्ठ उपनिरीक्षक पद से कोतवाली झबरेड़ा भेजा गया है। सतेन्द्र भंडारी को कोतवाली झबरेड़ा से कोतवाली रुड़की में तैनाती दी गई है। राजेश बिष्ट को कोतवाली कलियर से कोतवाली लक्सर का वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाया गया है, जबकि नितिन चौहान को कोतवाली लक्सर से कोतवाली कलियर भेजा गया है।

इसी क्रम में मनोज गैरोला को कोतवाली बहादराबाद से कोतवाली कनखल तथा अशोक सिरसवाल को कोतवाली रुड़की से कोतवाली बहादराबाद स्थानांतरित किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्थानांतरित अधिकारियों को नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण कर कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 12,444 मामलों का निस्तारण, 30.33 करोड़ रुपये की धनराशि पर हुआ समझौता

देहरादून (शिखर समाचार)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून के तत्वावधान में शनिवार को जिला मुख्यालय देहरादून सहित ऋषिकेश, विकासनगर, डोईवाला, मसूरी और चकराता के न्यायालयों में वर्ष 2026 की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरीश कुमार गोयल की अध्यक्षता में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित लोक अदालत में कुल 12,444 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें कुल 30 करोड़ 33 लाख 93 हजार 475 रुपये की धनराशि पर समझौता हुआ।

जिला मुख्यालय देहरादून में फौजदारी के शमनीय प्रकृति के 242, चेक से संबंधित 742, धन वसूली के चार, मोटर दुर्घटना प्रतिकर अधिकरण के 73, पारिवारिक विवाद के 158, जनोपयोगी सेवाओं के 29, मोटर वाहन अधिनियम के शमनीय अपराधों से संबंधित 3,858 तथा अन्य दीवानी प्रकृति के 137 और अन्य समझौता योग्य 13 मामलों सहित कुल 5,541 मामलों का निस्तारण किया गया। इन मामलों में 26 करोड़ 49 लाख 89 हजार 532 रुपये की धनराशि पर समझौता हुआ। विकासनगर में 1,316, ऋषिकेश में 557, डोईवाला में 179, मसूरी में 55 और चकराता में 73 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं विभिन्न बैंकों और संस्थानों से संबंधित न्यायालय में जाने से पहले के कुल 6,903 मामलों का भी निस्तारण हुआ, जिनमें 3 करोड़ 84 लाख 3 हजार 943 रुपये की धनराशि पर समझौता किया गया।

जिला न्यायाधीश हरीश कुमार गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालतें आमजन को सरल, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम हैं। इनके माध्यम से आपसी सहमति, सौहार्द और संवाद की भावना को बढ़ावा मिलता है। लोक अदालत में पारित निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होते हैं तथा मामलों के निस्तारण के बाद पक्षकारों को जमा न्याय शुल्क भी वापस किया जाता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सीमा डुंगराकोटी ने कहा कि उल्लेखनीय निस्तारण जिला न्यायाधीश के मार्गदर्शन और न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं तथा प्राधिकरण की टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

ब्रिक्स में अजमेर शरीफ के हाजी सलमान चिश्ती ने दिया एकता का संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में 12 सितंबर से 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की शुरुआत हुई। इस महत्वपूर्ण मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जैसे वैश्विक नेता एक साथ दिखाई दिए। इसी के मद्देनजर देशभर से कई धार्मिक नेताओं को भी इस सम्मेलन में आमंत्रित किया गया। ब्रिक्स समिट में शिरकत करने आए अजमेर शरीफ दरगाह के गद्दी नशीन हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने आपसी भाईचारे और सौहार्द को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं।

हाजी सलमान चिश्ती ने एक बातचीत में कहा कि आज ब्रिक्स समिट के तहत पूरे भारत से आध्यात्मिक नेता यहां आए हैं। उन्होंने आपसी सौहार्द बनाए रखने को लेकर कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक सदियों से यही संदेश रहा है कि सभी से प्यार करें और किसी से नफरत न करें। यह संदेश भारत की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है, जहां विभिन्न धर्मों के लोग सदियों से सद्भाव में रहते आए हैं। अजमेर शरीफ दरगाह के गद्दी नशीन ने अपने संबोधन में आगे कहा, मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा संदेश है कि भारत की धरती पर पूरी दुनिया के लोग जुटे हैं। ब्रिक्स समिट हो रही है, दुनिया भर के नेता यहां हैं और आज संदेश बिल्कुल साफ है। कोई अन्याय नहीं। अन्याय का कोई स्थान नहीं है और भारत ने हमेशा न्याय, करुणा, दया और एकता के मूल्यों को बनाए रखा है। सलमान चिश्ती ने जोर देकर कहा कि पूरी दुनिया एक परिवार है और हम सब मिलकर सबकी सेवा कर रहे हैं। यह बात भारतीय दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम् को दर्शाती है, जिसका अर्थ है पूरी पृथ्वी एक परिवार है। ईरानी दूतावास की तरफ से भारत के कई धार्मिक नेताओं को ब्रिक्स समिट में शिरकत के लिए बुलाया गया था। इस दौरान अजमेर शरीफ दरगाह के अलावा भी कई अन्य धार्मिक संस्थाओं के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भारत के धार्मिक नेताओं और बुद्धिजीवियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैं भारत सरकार और प्रधानमंत्री की शानदार मेजबानी के लिए उनकी तारीफ करना चाहता हूं। हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई है और मुझे उम्मीद है कि ये बातचीत और संबंध संस्कृति, टेक्नोलॉजी, व्यापार, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और दूसरे क्षेत्रों में सहयोग और आपसी समझ को बढ़ाने का रास्ता साफ करेंगे। यह सम्मेलन वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के साथ-साथ विभिन्न देशों और संस्कृतियों के बीच संवाद और समझ को बढ़ावा देने का एक मंच बन गया।

हरिद्वार में अवैध नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग, एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

हरिद्वार (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय सावक मंच के संयोजक चंद्रमोहन कौशिक के नेतृत्व में मंच के कार्यकताओं ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर से मुलाकात कर हरिद्वार की गलियों और मोहल्लों में कथित रूप से चल रहे अवैध नशे के कारोबार पर तत्काल प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की। कार्यकताओं ने इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। एसएसपी ने ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए मामले में प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

चंद्रमोहन कौशिक ने कहा कि हरिद्वार विश्व प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थनगरी है, जहां कुंभ और अर्धकुंभ जैसे बड़े धार्मिक आयोजन होते हैं। ऐसे पवित्र शहर में अवैध नशे, जुए और सट्टे का कारोबार चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि गली-मोहल्लों में कथित रूप से संचालित नशे का कारोबार युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है और तीर्थनगरी की गरिमा पर भी विपरीत असर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि समाज में होने वाले गलत कार्यों को देखकर भी मौन रहना उचित नहीं है। अन्याय को देखते रहना भी उसे बढ़ावा देने के समान है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि युवाओं के भविष्य और तीर्थनगरी की पवित्रता एवं सामाजिक मयार्दा को ध्यान में रखते हुए अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ व्यापक अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन सौंपने वालों में मंच के जिला अध्यक्ष कीर्तिकांत शर्मा, महामंत्री विशाल यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शरद अग्रवाल, युवा जिला अध्यक्ष शिवम कौशिक, महामंत्री सनी भाटिया और उपाध्यक्ष रोहित पेवल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आइए, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों का एक साथ करते हैं ऑडिट

पायलट के सीजेपी को लेकर दिए बयान पर आप नेता सिसोदिया का चैलेंज

नई दिल्ली,, एजेंसी।
क्या कॉकरोच जनता पार्टी पक्षपाती हो गई है? क्या सीजेपी किस राज्य में किस पार्टी की सरकार है, इसे देखकर मापदंड तय करती है? ये सवाल कांग्रेस के नवनियुक्त पंजाब प्रभारी सचिन पायलट के हमले के बाद उठने लगे हैं। सचिन पायलट ने कहा कि सीजेपी को आम आदमी पार्टी शासित पंजाब में स्कूलों की उसी साहस के साथ जांच करनी चाहिए, जिसके साथ वह अन्य राज्?यों में करती है। पायलट के इस बयान के बाद आम आदमी पार्टी उनपर हमलावर हो गई है।

दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने सचिन पायलट को ही चैलेंज कर दिया। उन्होंने कहा कि वे पंजाब में 1000 शानदार स्कूल दिखा सकते हैं, क्या सचिन पायलट कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में ऐसे 1000 स्कूल दिखा सकते हैं? इस तरह चुनावी राज्य पंजाब में स्कूलों की गुणवत्ता पर राजनीति शुरू हो गई है। पायलट की यह टिप्पणी पंजाब के लुधियाना में सीजेपी द्वारा तीन स्कूलों के ऑडिट के बाद आई है। सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास के नेतृत्व में एक टीम ने इन स्कूलों का दौरा किया था। टीम ने एक सरकारी 'स्कूल ऑफ एमिनेंस', एक सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल और एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इसमें एक स्कूल में अच्छी सुविधाओं का उल्लेख किया गया, जबकि अन्य में कुछ कमियां मिली। आम आदमी पार्टी ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कमियों को दूर करने की बात कही है।

पायलट ने पंजाब में स्कूलों के ऑडिट को लेकर आम आदमी पार्टी और सीजेपी पर निशाना साधा है। शुक्रवार को पायलट ने कहा कि पंजाब या देश के किसी भी हिस्से में स्कूलों का ऑडिट स्वागत योग्य है। उन्होंने मांग की कि पंजाब में भी ऑडिट उसी नजरिए, उन्हीं सवालों और उसी साहस के साथ किया जाना चाहिए, जिस तरह अन्य राज्यों की सरकारों का ऑडिट किया जाता है। पायलट ने कहा कि पंजाब किसी विशेष छूट का हकदार नहीं है और आप को भी किसी तरह की 'दोस्ताना छूट' नहीं मिलनी चाहिए।

आप नेता और दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि हम ऐसे 1,000 बेहतरीन स्कूल दिखा सकते हैं। आइए, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों का एक साथ ऑडिट करते हैं। बोलिए! क्या आप यह चुनौती स्वीकार करते हैं?' बीजेपी शासित राजस्थान के जर्जर स्कूलों का पायलट द्वारा किए जा रहे बचाव पर सवाल उठाते हुए आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने पूछा कि आप इस रिश्ते को क्या नाम देते हैं? उन्होंने आगे कहा कि हम साथ जाकर इन स्कूलों का ऑडिट भी कर सकते हैं। बताइए, क्या आप इसके लिए तैयार हैं?

पहले आओ, पहले पाओ योजना से जीडीए को छह माह में मिले 517 करोड़ रुपये

1 जून से 12 सितंबर तक 213 संपत्तियों का निस्तारण, मधुबन-बापूधाम में सबसे अधिक 121 संपत्तियां बिकीं

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में लागू पहले आओ, पहले पाओ व्यवस्था को आमजन और खरीदारों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इस व्यवस्था के माध्यम से पिछले छह माह में संपत्तियों के विक्रय से प्राधिकरण को लगभग 517 करोड़ रुपये की सकल धनराशि प्राप्त हुई है। वहीं 1 जून से 12 सितंबर 2026 तक कुल 213 संपत्तियों का विक्रय किया गया, जिनका कुल संपत्ति मूल्य लगभग 65.22 करोड़ रुपये रहा।

मधुबन-बापूधाम में सबसे अधिक संपत्तियों की बिक्री

उक्त अवधि में मधुबन-बापूधाम योजना के पॉकेट-एफ में सर्वाधिक 121 संपत्तियों का विक्रय हुआ। इनका कुल संपत्ति मूल्य लगभग 40.89 करोड़ रुपये रहा। इंदिरापुरम योजना में 89 संपत्तियों का विक्रय हुआ, जिनका कुल मूल्य लगभग 23.31 करोड़ रुपये है। इसके अलावा कोयल एन्क्लेव योजना में तीन संपत्तियों का विक्रय हुआ, जिनका कुल मूल्य लगभग 1.03 करोड़ रुपये रहा। इस प्रकार करीब साढ़े तीन माह में 213 संपत्तियों के निस्तारण से 65.22 करोड़ रुपये के संपत्ति मूल्य का निस्तारण हुआ।

पारदर्शी व्यवस्था से खरीदारों को मिल रहा अवसर

मधुबन-बापूधाम योजना में हुई बिक्री विशेष

रूप से उल्लेखनीय है। यहां बिकी 121 संपत्तियां कुल विक्रित संपत्तियों की आधे से अधिक हैं। इससे प्राधिकरण की नियोजित योजनाओं में उपलब्ध संपत्तियों के प्रति खरीदारों की रुचि और विश्वास का पता चलता है। 'पहले आओ, पहले पाओ' व्यवस्था का उद्देश्य उपलब्ध संपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है, ताकि पात्र आवेदकों को प्राधिकरण की नियोजित एवं वैध संपत्तियां प्राप्त करने का सहज अवसर मिल सके।

विकास कार्यों के लिए मजबूत होगा वित्तीय आधार

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने कहा कि पहले आओ, पहले पाओ व्यवस्था के माध्यम से उपलब्ध संपत्तियों का पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। इस व्यवस्था के प्रति आमजन की बढ़ती रुचि से संपत्तियों के प्रभावी उपयोग के साथ प्राधिकरण के वित्तीय संसाधनों में भी वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि प्राप्त धनराशि का उपयोग गाजियाबाद के विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जनहित से जुड़े कार्यों में किया जाएगा। प्राधिकरण का प्रयास है कि पात्र आवेदकों को बेहतर और वैध संपत्तियों के विकल्प उपलब्ध कराने के साथ निस्तारण प्रक्रिया में पारदर्शिता और जनविश्वास बनाए रखा जाए।

दहशत का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शेरकोट क्षेत्र के गांव परमावाला के ग्रामीणों के लिए शनिवार की सुबह बड़ी राहत लेकर आई। पिछले कई दिनों से क्षेत्र में दहशत का पर्याय बने गुलदार को आखिरकार वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में कैद कर लिया गया। गुलदार के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग की बचाव टीम ने मौके पर पहुंचकर गुलदार को सुरक्षित अपने संरक्षण में ले लिया। ग्रामीणों के अनुसार गांव के गन्ना केंद्र के आसपास पिछले कई दिनों से गुलदार की लगातार आवाजाही देखी जा रही थी। दिनदहाड़े गुलदार दिखाई देने से किसानों और खेतों में काम करने वाले मजदूरों में भय का माहौल बना हुआ था। डर के कारण ग्रामीणों ने गन्ने के खेतों में जाना तक बंद कर दिया था। शाम होते ही गांव में सन्नाटा छा जाता था। ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग की टीम ने दो दिन पहले गन्ना केंद्र के पास मजबूत पिंजरा लगाया था। बताया गया कि बीती रात शिकार की तलाश में घूम रहा गुलदार पिंजरे में रखे चारे के लालच में अंदर चला गया। उसके अंदर पहुंचते ही पिंजरे का दरवाजा बंद हो गया। शनिवार सुबह खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने जब पिंजरे के अंदर गुलदार को दहाड़ते देखा तो मौके पर हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर वन विभाग की बचाव टीम वाहनों के साथ मौके पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था के बीच गुलदार को सफलतापूर्वक पिंजरे से निकालकर अपने कब्जे में ले लिया। गुलदार के पकड़े जाने से ग्रामीणों को पिछले कई दिनों से बनी दहशत से राहत मिली है।

स्वास्थ्य विभाग ने अवैध क्लिनिक को किया सील, झोलाछाप चिकित्सकों में मचा हड़कंप

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को कांधला रोड पर अवैध रूप से संचालित किए जा रहे क्लिनिक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी रही। विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में बिना पंजीकरण चिकित्सा सेवाएं देने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया के निर्देश पर जनपद में बिना पंजीकरण अथवा फर्जी डिग्री के आधार पर संचालित अस्पतालों, क्लिनिकों और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. प्रणव तेवतिया के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को कस्बे में विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कांधला रोड पर डॉ. इसरार राणा के नाम से एक क्लिनिक संचालित होता मिला। जांच में चिकित्सकीय पंजीकरण संबंधी मानक पूरे नहीं पाए जाने पर टीम ने क्लिनिक को सील करने की कार्रवाई की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. प्रणव तेवतिया ने कहा कि क्षेत्र में बिना निर्धारित मानकों के कोई भी अवैध अस्पताल या क्लिनिक संचालित नहीं होने दिया जाएगा। झोलाछाप चिकित्सकों और अपंजीकृत जांच प्रयोगशालाओं के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों को नोटिस देकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम में हरविंदर सिंह, शशांक और प्रवीण कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

लारेंस बिश्नोई की पत्नी बनकर शामली के व्यक्ति को धमकी देने वाली महिला गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। सोशल मीडिया पर खुद को कुख्यात अपराधी लारेंस बिश्नोई की पत्नी बताकर शामली के एक व्यक्ति को जान से मारने की धमकी देने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए जयपुर, राजस्थान से एक महिला को गिरफ्तार किया है। थाना गढ़ीपुख्ता और साइबर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी महिला के कब्जे से धमकी देने में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, नौ सितंबर 2026 को जंधेड़ी गांव निवासी मुकुल चौधरी को व्हाट्सऐप और मैसेंजर के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी गई थी। महिला ने फोन पर खुद को लारेंस बिश्नोई की पत्नी बताया था। शिकायत के आधार पर थाना गढ़ीपुख्ता में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के निर्देश पर घटना के खुलासे के लिए गढ़ीपुख्ता थाना, साइबर थाना और निगरानी टीम को लगाया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने बिंदु देवी पत्नी नन्दजी निवासी विजय नगर-2, करतारपुरा, अजमेर रोड, थाना महेश नगर, जयपुर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह मूल रूप से बक्सर, बिहार की रहने वाली है और करीब 12 वर्ष पूर्व पति के साथ जयपुर आई थी। करीब आठ वर्ष से वह पति से अलग रहकर बच्चों के साथ रह रही है। पुलिस के मुताबिक, महिला ने पूछताछ में बताया कि वह लारेंस बिश्नोई से प्रेम करती है और उसे अपना पति मानती है, जबकि उसकी लारेंस बिश्नोई या उसके किसी साथी से कभी मुलाकात नहीं हुई। शिकायतकर्ता द्वारा समाचार रिपोर्टिंग के दौरान लारेंस बिश्नोई और उसके गिरोह के संबंध में कही गई बातों से नाराज होकर उसने धमकी दी थी। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रियलमी मोबाइल फोन बरामद किया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अंकित बालियान हत्याकांड: खाप चौधरियों ने पांच अक्टूबर तक गिरफ्तारी का दिया समय

शामली (शिखर समाचार)। हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में खाप चौधरियों, जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के बीच बैठक हुई। खाप चौधरियों ने पीड़ित परिवार की सुरक्षा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आर्थिक सहायता देने की मांग रखी। साथ ही हत्याकांड में फरार दोनों आरोपियों की पांच अक्टूबर तक गिरफ्तारी की मांग करते हुए उनके मुठभेड़ में मारे जाने की मांग भी उठाई। गत 26 अगस्त को शामली के आर्यपुरी में शाम करीब साढ़े छह बजे चार शूटरों ने हरियाणवी गायक अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में दो बदमाशों को मार गिराया था। पुलिस का दावा था कि मारे गए दोनों बदमाश हत्याकांड के मुख्य शूटर थे, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

अंकित बालियान की तेरहवीं के बाद से ही पीड़ित परिवार फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और मुठभेड़ की मांग कर रहा है। इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार देर शाम बंटीखेड़ा गांव में खाप चौधरियों की पंचायत भी हुई थी। शनिवार को बालियान खाप के चौधरी नरेश टिकैत के नेतृत्व में खाप चौधरियों ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की।
बैठक में अधिकारियों ने फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास करने का आश्वासन दिया। पीड़ित परिवार की सुरक्षा को देखते हुए शस्त्र लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शुरू करने की बात भी कही गई। बैठक में बाबा परमेंद्र आर्य, बाबा श्याम सिंह, बाबा सतपाल सिंह, संजीव चौधरी, योगेंद्र पंवार, बाबा रविंद्र मलिक, बाबा संजय कालखंडे, संजीव हसनपुर, सतवीर सिंह, रविंद्र मलिक, अमित बेनीवाल, सुभाष बालियान और अजय चौधरी सहित अन्य खाप चौधरी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में शिकायत पर महिला को मिला मकान का कब्जा, प्रशासन की कार्रवाई से मिली राहत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई में मकान पर कब्जे की शिकायत लेकर पहुंची महिला को प्रशासन की कार्रवाई के बाद उसके मकान का कब्जा दिलाया गया। मकान का कब्जा मिलने पर महिला ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जिलाधिकारी और पूरी प्रशासनिक टीम का आभार जताया।
राजीव नगर, भौपुरा निवासी रीना पत्नी रवि ने जनसुनवाई में शिकायत की थी कि उन्होंने 30 मार्च 2026 को वीरेंद्र सिंह से संपत्ति कारोबारी तरुण चौधरी के माध्यम से रामा विहार कॉलोनी, ग्राम ब्रह्मपुरी उर्फ भोपुरा स्थित डेढ़ मंजिला मकान खरीदा था। महिला का आरोप था कि विक्रेता के परिवार के कुछ सदस्यों ने मकान पर कब्जा कर उसमें ताला लगा दिया, जिससे उन्हें अपने परिवार और बच्चों के साथ परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी सदर अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना टीला मोड़ के प्रभारी निरीक्षक और तहसीलदार रितेश सिंह की टीम गठित कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों ने मामले की जांच कर संबंधित पक्षों से बातचीत की। शनिवार को थाना टीला मोड़ में संबंधित पक्षों को बुलाकर मामले की सुनवाई की गई। हालांकि संपत्ति कारोबारी तरुण चौधरी और वीरेंद्र सिंह उपस्थित नहीं हुए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद आपसी सहमति से रीना को मकान का कब्जा दिला दिया गया। कब्जा मिलने के बाद रीना ने संतोष जताते हुए कहा कि उन्होंने एक दिन पहले ही जिलाधिकारी को अपनी समस्या बताई थी और अगले ही दिन उन्हें मकान मिल गया। उन्होंने मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी सहित पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। उप जिलाधिकारी सदर ने बताया कि महिला को मकान का कब्जा दिलाया गया है। मामले की जांच अभी जारी है और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में लापरवाही पर नगीना थाना प्रभारी लाइन हाजिर, धर्मेंद्र कुमार सिंह को कमान

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। जनसुनवाई में लापरवाही बरतने और पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेने के मामले में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कड़ा रुख अपनाते हुए नगीना थाना प्रभारी विकास कुमार को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। उनके स्थान पर जनसूचना प्रकोष्ठ के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह को नगीना थाने की कमान सौंपी गई है। धर्मेंद्र कुमार सिंह थ्री-स्टार निरीक्षक हैं और अब नगीना के नए थाना प्रभारी के रूप में कार्यभार संभालेंगे। बताया गया है कि जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याओं के निस्तारण में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरते जाने की शिकायतें सामने आई थीं। मामले को पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। इस कार्रवाई को पुलिस विभाग में जनसुनवाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का जोर फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनने और उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर है। नगीना थाना

धर्मेन्द्र कुमार, प्रभारी निरीक्षक, नगीना

प्रशासनिक रूप से थ्री-स्टार यानी प्रभारी निरीक्षक स्तर का थाना है, लेकिन पिछले करीब दो वर्षों से यहां लगातार टू-स्टार यानी उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारियों को ही थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी जा रही थी। इस दौरान कई थाना प्रभारी आए और कम समय में ही उन्हें हटा दिया गया। अब वरिष्ठ निरीक्षक को थाने की कमान सौंपे जाने से कानून-व्यवस्था मजबूत होने के साथ ही जनसुनवाई व्यवस्था में सुधार और पीड़ितों की शिकायतों के प्रभावी निस्तारण की उम्मीद है।

समकालीन कला में नारी सौंदर्याभिव्यक्ति पर रेनूका रानी का शोध प्रस्तुत

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्री कुन्द कुन्द जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चित्रकला विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू वशिष्ठ के निर्देशन में पीएचडी उपाधि के लिए शोधार्थी रेनूका रानी की मौखिक परीक्षा आयोजित की गई। शोधार्थी ने अपने शोध विषय समकालीन कला में नारी अंकन एवं सौन्दर्याभिव्यक्ति (भारतीय विज्ञापन कला के संदर्भ में) पर विस्तार से प्रकाश डाला और शोध से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रस्तुत की। बाह्य परीक्षक प्रो. ममता सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, चित्रकला विभाग, एमकेपी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देहरादून ने शोधार्थी से शोध विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। शोधार्थी रेनूका रानी ने सभी प्रश्नों के उत्तर तर्कपूर्ण ढंग से देते हुए अपने शोध कार्य से संबंधित विषयों पर स्पष्ट जानकारी दी। विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू वशिष्ठ ने भी शोध विषय को लेकर शोधार्थी से चर्चा की और विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की। खुली मौखिक परीक्षा के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी शोधार्थी से अपने प्रश्न पूछे तथा शोध विषय से जुड़ी जिज्ञासाएं रखीं। शोधार्थी ने सभी प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी शोध विषय पर पकड़ प्रदर्शित की। परीक्षा के अवसर पर प्रो. अरविन्द कुमार, डॉ. राजीव कौशिक, डॉ. संजीव कुमार, आशीष जैन, डॉ. विशु, विकास जैन, निखिल चौहान, डॉ. पूजा पुंडीर, डॉ. श्वेता मलिक, डॉ. पारूल शर्मा, एकता राजपूत, सचिन कुमार, राधिका शर्मा, प्राची, पारूल जैन और रजत गुप्ता सहित शिक्षक, शोधार्थी एवं चित्रकला विभाग के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

पूठरी गांव में युवक पर फायरिंग, बाल-बाल बचा; पुलिस ने शुरू की जांच

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के पूठरी गांव में बीती रात घर के बाहर बैठे एक युवक पर बाइक सवार नकाबपोश दो युवकों द्वारा फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। हालांकि, युवक किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।
गांव निवासी नकुल अपने परिवार के साथ रहता है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पूर्व उसका कुछ लोगों के साथ विवाद हुआ था। इस संबंध में पुलिस को शिकायत भी दी गई थी, लेकिन आरोप है कि मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। नकुल के अनुसार, बीती रात वह अपने घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान बाइक पर सवार दो नकाबपोश युवक वहां पहुंचे और उस पर फायरिंग कर दी। गोली चलने के बाद नकुल जान बचाने के लिए मौके से भाग गया, जिससे वह बाल–बाल बच गया।
घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सहायक पुलिस आयुक्त सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। इसके बावजूद पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य तथ्यों की भी जांच कर सकती है।

गणेश चतुर्थी से आत्मशुद्धि के महापर्व की शुरूआत, दशलक्षण धर्म देंगे सकारात्मक जीवन का संदेश

मोदीनगर (शिखर समाचार)। सितंबर माह धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखने वाला है। 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाएगी, जबकि 16 सितंबर से दिगंबर जैन समाज का दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व प्रारंभ होगा, जो 25 सितंबर तक चलेगा। इसके बाद क्षमावाणी पर्व मनाया जाएगा। ज्योतिष ज्ञानपीठ, मोदीनगर की चेयरपर्सन डॉ. सोनिका जैन ने कहा कि भारतीय पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यक्ति को अपने विचार, व्यवहार और आचरण को शुद्ध करने की प्रेरणा भी देते हैं।

गणेश चतुर्थी पर सद्बुद्धि और शुभ संकल्प का संदेश

डॉ. सोनिका जैन के अनुसार 14 सितंबर को भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी तिथि प्रातः करीब 7:06 बजे शुरू होकर 15 सितंबर को प्रातः 7:44 बजे तक रहेगी। दिल्ली-एनसीआर में गणपति स्थापना एवं मध्याह्न पूजन के लिए प्रातः 11:02 बजे से दोपहर 1:31 बजे तक का समय शुभ रहेगा।

भगवान गणेश को बुद्धि, विवेक और शुभता का प्रतीक माना जाता है। गणेश चतुर्थी का संदेश है कि प्रत्येक शुभ कार्य की शुरूआत सद्बुद्धि, सकारात्मक सोच और पवित्र संकल्प के साथ की जाए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए मिट्टी और अन्य प्राकृतिक सामग्री से निर्मित गणेश प्रतिमाओं की स्थापना पर भी जोर दिया।

दस दिनों में दस धर्मों की आराधना

दिगंबर जैन समाज का दशलक्षण महापर्व आत्मचिंतन, आत्मसंयम और आत्मशुद्धि का पर्व है। 16 सितंबर को उत्तम क्षमा के साथ शुरूआत होगी। 17 सितंबर को उत्तम मार्दव, 18 को उत्तम आर्जव, 19 को उत्तम शौच, 20 को उत्तम सत्य, 21 को उत्तम संयम, 22 को उत्तम तप, 23 को उत्तम त्याग, 24 को उत्तम आकिंचन्य और 25 सितंबर को उत्तम ब्रह्मचर्य की आराधना की जाएगी।

बाहर नहीं, भीतर के विघ्नों पर विजय जरूरी

डॉ. सोनिका जैन ने कहा कि गणेश चतुर्थी और दशलक्षण महापर्व का एक के बाद एक आना विशेष आध्यात्मिक संदेश देता है। गणेश चतुर्थी जहां सद्बुद्धि और विघ्नों पर विजय की प्रेरणा देती है, वहीं दशलक्षण पर्व क्रोध, अहंकार, छल और लोभ जैसे आंतरिक विकारों पर विजय पाने का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि पर्व की वास्तविक सार्थकता केवल पूजा अनुष्ठान में नहीं, बल्कि उनके संदेश को दैनिक जीवन में उतारने में है। क्षमा, विनम्रता, सरलता, संतोष, सत्य, संयम, तप, त्याग और शुद्ध आचरण को जीवन का हिस्सा बनाकर ही आत्मिक शांति प्राप्त की जा सकती है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 2.89 लाख मामलों का निस्तारण, 5.10 करोड़ रुपये का समझौता

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वावधान में शनिवार को हापुड़ जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार सिंह प्रथम ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर लोक अदालत का शुभारंभ किया। इस दौरान विभिन्न न्यायालयों के न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, बैंक अधिकारी और वादकारी मौजूद रहे।
राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी अपर जिला जज अवनीश कुमार राय ने बताया कि जनपद के विभिन्न न्यायालयों द्वारा कुल 5037 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार वर्मा ने 3354 लघु आपराधिक मामलों का निस्तारण किया। परिवार न्यायालय में 42 मामलों का निस्तारण हुआ, जिनमें छह दंपतियों को सुखमय

वैवाहिक जीवन के लिए न्यायालय से विदा किया गया। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में 26 मामलों का निस्तारण करते हुए 2.09 करोड़ रुपये का समझौता कराया गया।
अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. ब्रह्मपाल सिंह ने बताया कि न्यायालयों के मामलों में कुल 2,84,67,596 रुपये का समझौता हुआ। बैंकों के 167 पूर्व-विवाद मामलों का भी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया, जिसमें 2,26,05,000 रुपये की धनराशि का समझौता हुआ और 75,24,000 रुपये नकद प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त राजस्व, पुलिस और अन्य विभागों द्वारा संयुक्त रूप से 2,84,752 मामलों का निस्तारण किया गया। इस प्रकार जनपद में कुल 2,89,956 मामलों का निस्तारण करते हुए 5,10,72,596 रुपये का समझौता कराया गया। जनपद न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत में मामलों के निस्तारण से दोनों पक्षों की जीत होती है और किसी का नुकसान नहीं होता। उन्होंने सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों और वादकारियों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

स्वाइन फ्लू के तीन नए मरीज मिले

अलीगढ़ , एजेंसी। जिले में स्वाइन फ्लू के संक्रमण का शिकार मरीजों का मिलना जारी है। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट में तीन नए मरीजों को इस संक्रमण से ग्रसित पाया गया है। सीएमओ डॉ. आरएन सिंह ने बताया कि अब तक जिले में 224 संदिग्ध मरीजों की जांच हुई है, जिसमें 54 मरीज इसके संक्रमण से ग्रसित पाए गए हैं। इनमें तीन नए मरीज हैं, जिनकी रिपोर्ट शुक्रवार को आई है। उपचार के बाद अब तक 28 मरीजों को राहत मिल चुकी है। इस दौरान 103 लोगों को इसका टीका लगाया जा चुका है। 15 लोगों का उपचार घर में जारी है। धीरे-धीरे इसका संक्रमण कम हो रहा है। एहतियातन लोगों से मास्क पहनने और भीड़ भरे स्थानों से दूर रहने के लिए कहा जा रहा है।

कम ब्याज पर ऋण की राह हुई आसान

गोरखपुर, एजेंसी। नगर निगम के लिए 80 करोड़ रुपये जुटाने की राह साफ हो गई है। बॉन्ड जारी करने के लिए नगर निगम को डबल ए रेटिंग मिली है। बेहतर रेटिंग से अब निगम को बॉन्ड की रकम पर कम ब्याज देना होगा। इससे लंबे समय तक निगम पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ भी कम होगा। रेटिंग तय होने के बाद अब बॉन्ड जारी करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। करीब 20 दिन में बॉन्ड की रकम निगम के खाते में आने की उम्मीद है। रेटिंग कंपनी की ओर से निगम की वित्तीय स्थिति, आय के स्रोत और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर रेटिंग तय की गई है। अब जरूरी प्रपत्रों को सेबी की वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा। इसके लिए बैंकर्स टीम जल्द ही नगर निगम में आएगी और यहीं से सारे प्रपत्रों को ऑनलाइन माध्यम से सेबी को भेजेगी। इसके बाद बॉन्ड जारी करने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। बॉन्ड की राशि निगम के खाते में आने में करीब 20 दिन लगने की उम्मीद है। नगर निगम के लेखाधिकारी नागेंद्र सिंह ने बताया कि बॉन्ड की रेटिंग जितनी बेहतर होती है, निवेशकों को उतना भरोसा रहता है और ब्याज की दर भी कम रखने में मदद मिलती है। डबल ए रेटिंग मिलने से नगर निगम को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इससे 80 करोड़ रुपये जुटाने की लागत कम रखने में मदद मिलेगी और विकास कार्यों के लिए निगम के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा।

गोरखपुर के पहलवानों का मंडल में दबदबा, 40 स्वर्ण पदकों के साथ ओवरऑल चैंपियन

गोरखपुर। पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज देवरिया के संयोजकत्व में रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 70वीं मंडल स्तरीय विद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता में गोरखपुर के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बालक वर्ग में ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ देवरिया सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने किया। गोरखपुर मंडल के चारों जनपदों से बालक और बालिका पहलवानों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। बालक वर्ग में गोरखपुर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 40 स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक अपने नाम किए। पदक तालिका में शानदार बढ़त के साथ गोरखपुर को ओवरऑल चैंपियन घोषित किया गया। बालक वर्ग में देवरिया दूसरे और कुशीनगर तीसरे स्थान पर रहा। वहीं, बालिका वर्ग में देवरिया की टीम ने पहला स्थान हासिल किया। गोरखपुर की बालिका पहलवानों ने भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि कुशीनगर तीसरे स्थान पर रहा। गोरखपुर की टीम का नेतृत्व मंडलीय क्रीड़ा सचिव डॉ. अरुणेंद्र राय ने किया। टीम के साथ आलोक श्रीवास्तव, नवींद्र पटेल और विनोद पाल सहित अन्य प्रशिक्षक और निर्णायक मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर में होता मिला इलाज, नोटिस

कानपुर , एजेंसी। तहसीलदार व सीएचसी अधीक्षक ने शुक्रवार को कमलपुर स्थित एक मेडिकल स्टोर में छापा मारा। यहां पर बेंच पर लिटाकर मरीजों का उपचार होता मिला। इस पर अधिकारियों ने मेडिकल स्टोर को बंद करवाने के साथ संचालक को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा है। क्षेत्र में संचालित अवैध क्लीनिक व नर्सिंग होम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में शुक्रवार को तहसीलदार डेरापुर देशराज भारती, डेरापुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. पुनीत पांडेय ने टीम के साथ कमलपुर स्थित एक मेडिकल स्टोर में छापा मारा। यहां उन्हें मेडिकल स्टोर में दो बेंचों पर दो मरीजों को लिटाकर इंजेक्शन व ड्रिप लगाई जाती मिली। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि मेडिकल स्टोर संचालक अतुल कुमार क्लीनिक के संचालन को लेकर पंजीकरण संबंधी दस्तावेज नहीं दिखा सके। इस पर मेडिकल स्टोर को बंद करवा दिया गया। संचालक को नोटिस देकर तीन दिन के अंदर पंजीकरण संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने व स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस दिया गया है। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि क्षेत्र में बिना पंजीकरण संचालित क्लीनिक और झोलाछाप के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

एलन क्लब सब्जी मंडी का टेंडर बढ़ा, दुकानों के भाव बढ़ने से व्यापारी चिंतित

बरेली, एजेंसी। नगर निगम के सामने स्थित एलन क्लब सब्जी मंडी की दुकानों का टेंडर इस बार बढ़ाकर 88.80 लाख कर दिया गया है। इससे यहां पर सब्जी व फल की दुकानें चला रहे 205 व्यापारियों को अधिक किराया देना होगा। इससे व्यापारी चिंतित हो गए हैं। पिछले साल इस मंडी का टेंडर 80.60 लाख रुपये में हुआ था। प्रत्येक दुकानदार को औसत 160 रुपये प्रतिदिन देना पड़ता था। इस बार इसको बढ़ाकर 88.80 लाख कर दिया गया है। यह टेंडर इस बार अब्दुल मुस्तफा को मिला है। अब व्यापारियों को किराया बढ़ने की चिंता सता रही है। मंडी के व्यापारी तेजपाल श्रीवास्तव, वीरेंद्र कुमार ने बताया कि रोजाना अगर 500 रुपये कमाई हो रही है तो 160 रुपये ठेकेदार ले जाता है। अगर ज्यादा रकम में टेंडर हुआ है तो निश्चित तौर ठेकेदार प्रतिदिन का किराया भी ज्यादा लेंगे। इसको लेकर नगर आयुक्त से मुलाकात कर किराया नहीं बढ़ाने की मांग की गई है। व्यापारियों का आरोप है कि सड़क पर अवैध मंडी सजती है। सुबह सड़क पर फल व सब्जी वाले ठेला लगा लेते हैं। इससे काफी खरीदार अंदर नहीं आते। वह बाहर खरीदारी करके चले जाते हैं।

एक ही दिन दोनों पर्व

इस बार बन रहा दुर्लभ संयोग

आगरा, एजेंसी। इस बार गणेशोत्सव की शुरुआत धार्मिक दृष्टि से खास संयोग के साथ होगी। 14 सितंबर को हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी एक ही दिन मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्य वेदप्रकाश प्रचेता ने बताया कि पंचांग गणना के अनुसार 14 सितंबर को सुबह 7:07 बजे तक तृतीया तिथि रहेगी और इसके बाद चतुर्थी तिथि शुरू होगी। ऐसे में सुबह महिलाएं हरतालिका तीज का निर्जला व्रत रखेंगी, जबकि दोपहर में शुभ मुहूर्त में गणपति प्रतिमा की स्थापना की जाएगी।

हरतालिका तीज पर महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन कर अखंड सौभाग्य की कामना करेंगी। तृतीया तिथि सुबह 7:06 बजे तक होने के बाद चतुर्थी का आरंभ होगा। गणेश स्थापना के लिए सुबह 11:02 से दोपहर 2 बजे तक का

समय श्रेष्ठ माना गया है। इस समय में अभिजीत मुहूर्त व सिद्ध मुहूर्त भी रहेगा। धर्मशास्त्र के जानकारों के अनुसार, भगवान गणेश का जन्म मध्याह्न काल में हुआ था, इसलिए चतुर्थी में मध्याह्न पूजा और गणपति स्थापना का विशेष महत्व है।

शाम को प्रदोष काल में हरतालिका तीज का पूजन किया जाएगा। इसके बाद महिलाएं रात्रि जागरण कर भजन-कीर्तन करेंगी। अगले दिन 15 सितंबर को हरतालिका व्रत का पारण और ऋषि पंचमी का पर्व मनाया जाएगा। वहीं 19 सितंबर को राधाष्टमी का पर्व होगा।

गणेश चतुर्थी 2026 की पूजा का समय

पूजा मुहूर्त : गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने और पूजा-अर्चना के लिए सुबह 11 बजकर 2 मिनट से दोपहर 1 बजकर 31 मिनट तक का शुभ समय रहेगा। भक्त इसी अवधि में गणपति बप्पा की स्थापना कर विधिपूर्वक पूजा कर सकते हैं।

चंद्रोदय: धार्मिक मान्यता के अनुसार गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा का दर्शन नहीं करना चाहिए। 14 सितंबर को सुबह 9 बजकर 6 मिनट से रात 8 बजकर 4 मिनट तक चंद्र दर्शन वर्जित रहेगा।

चतुर्थी तिथि: पंचांग के अनुसार चतुर्थी तिथि 14 सितंबर को सुबह 7 बजकर 6 मिनट से शुरू होकर 15 सितंबर को सुबह 7 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। गणेश चतुर्थी से शुरू होने वाला गणेशोत्सव 10 दिनों तक चलता है। वर्ष 2026 में इसका समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन गणपति विसर्जन के साथ होगा।

नौकरी छूटी तो जिंदगी भी जैसे ठहर गई

गोरखपुर, एजेंसी। आईआईटी से पढ़ाई, दिल्ली की निजी कंपनी में इंजीनियर की नौकरी और आगे बढ़ने के सपने... अभिषेक त्रिपाठी की जिंदगी कभी ऐसी नहीं थी, जैसी पिछले कुछ वर्षों में हो गई थी। नौकरी छूटने के बाद मानसिक परेशानी ने उन्हें घेरा तो धीरे-धीरे जिंदगी की रफ्तार थमती चली गई। जिन अपनों के बीच कभी उनका घर-परिवार था, उनसे दूरी बढ़ती गई और आखिर में वह शहर में अकेले रह गए।

करीब चार साल पहले निजी कंपनी से नौकरी जाने के बाद अभिषेक की जिंदगी पूरी तरह बदल गई। बहन अर्चना के मुताबिक, उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी। लखनऊ में इलाज भी कराया गया। बाद में भी उपचार चलता रहा, लेकिन परेशानी पूरी तरह दूर नहीं हुई। कई बार व्यवहार में बदलाव दिखता तो वह लोगों से अभद्र भाषा में बात कर देते। इसका असर रिश्तों पर भी पड़ा।

धीरे-धीरे रिश्तेदारों का उनके पास आना-जाना कम होता गया। अभिषेक के जीवन में पहले ही कई बड़े खालीपन आ चुके थे। पिता सभा प्रसाद त्रिपाठी सिंचाई विभाग में अधिशासी अभियंता के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। करीब दस साल पहले उनका निधन हो गया। इसके बाद करीब तीन साल पहले मां भी दुनिया छोड़ गईं। माता-पिता के जाने के बाद परिवार में बहन अर्चना और छोटा भाई अंबरीष ही उनके सबसे करीबी थे।

अर्चना पैडलेगंज में रहती हैं। छोटा भाई अंबरीष अमेरिका में है। दूरी के बावजूद भाई ने अभिषेक की जिम्मेदारी नहीं छोड़ी थी। नौकरी नहीं रही तो उनके खर्च का इंतजाम वही करता था।

रामकी के कर्मचारी नाराज, 19 वार्डों से नहीं उठा कूड़ा

लखनऊ, एजेंसी। शहर के 77 वार्डों में सफाई के बदले हर महीने करीब 20 करोड़ रुपये का बिल बनाने वाली निजी कंपनी लखनऊ स्वच्छता अभियान (रामकी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, कचरा उठाने और झाड़ू लगाने में लापरवाही के आरोपों के बीच शुक्रवार सुबह इसके कर्मचारियों ने जोन-तीन के 19 वार्डों में दो घंटे तक काम बंद कर प्रदर्शन किया। इसका असर सफाई व्यवस्था पर पड़ा। घरों से कूड़ा तक नहीं उठाया गया।

कम वेतन देने और उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाने वाले कर्मचारी दो दिन से आंदोलन कर रहे हैं। पुरनिया ट्रांसफर स्टेशन के पास प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनसे तय समय से अधिक काम कराया जाता है। हालांकि, हर महीने दो से तीन हजार रुपये कम वेतन दिया जाता है। इतना ही नहीं शिकायत करने पर सुनवाई के बजाय नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर काम पूरी तरह ठप कर देंगे।

उधर, रामकी के प्रोजेक्ट हेड अभय रंजन ने बताया कि डोर-टू-डोर कलेक्शन करने वाले एक कर्मचारी ने कंपनी के ही कर्मी के साथ मारपीट की थी। उसे नोटिस जारी कर जवाब देने के लिए बुलाया गया था। इसके विरोध में कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे थे। समझाने के बाद कर्मचारियों ने कूड़ा उठाना शुरू कर दिया। वेतन कटौती के आरोप पर उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की कॉस्ट टू कंपनी (सीटीसी) 14 हजार रुपये है और 12,500 रुपये का भुगतान होता है। बायोमीट्रिक उपस्थिति के आधार पर वेतन मिलता है।

लापरवाही पर फिर लगा छह लाख का जुर्माना : सफाई व्यवस्था में सुधार न होने पर नगर निगम ने रामकी कंपनी पर फिर छह लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। गोमतीनगर में जनेश्वर मिश्र पार्क, पुलिस मुख्यालय और लोहिया अस्पताल के आसपास एक सितंबर को किए गए निरीक्षण में नालियां कूड़े से पटी मिली थीं। इसके अलावा घाटों के किनारे कूड़े के ढेर थे और पर्याप्त कूड़ेदान भी नहीं मिले थे। सड़ रहे कूड़े से बदबू फैल रही थी। जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी ने बताया कि बार-बार चेतावनी के बावजूद सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ।

क्षेत्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पाने वाले खिलाड़ी सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। शहर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सभागार में शनिवार को विद्या भारती की ओर से आयोजित 38वीं क्षेत्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने अंडर-19 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल किया।

क्षेत्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन रामकली देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, वृंदावन में किया गया था। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज शामली की टीम ने खेल शिक्षक नितिन कुमार के निर्देशन में प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय के साथ-

साथ मेरठ प्रांत का नाम भी गौरवान्वित हुआ।

सम्मान समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद प्रसाद ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्य ने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर खेल शिक्षक नितिन कुमार, अरविन्द कुमार, ब्रजपाल सिंह, धीरज कुमार, बृजेश कुमार, अशोक सोम, सागर कुमार, भूरू कुमार और प्रदीप कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

केजीएमयू के एसोसिएट प्रोफेसर ने मरीज को निजी अस्पताल भिजवाया, मौत; एक लाख रुपये वसूलने का आरोप

लखनऊ, एजेंसी। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के नेफ्रोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर पर बेहतर इलाज का झांसा देकर मरीज को निजी अस्पताल भेजवाने का आरोप लगा है। बृहस्पतिवार को इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। उनके बेटे विजय कुमार चौधरी का कहना है कि आयुष्मान कार्ड धारक होने के बावजूद एक लाख रुपये वसूले गए। उसने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

किडनी रोग से पीड़ित बस्ती के कुदरहा ब्लॉक निवासी पुष्पा (54) केजीएमयू के नेफ्रोलॉजी विभाग की ओपीडी में पहुंचीं। यहां एसोसिएट प्रोफेसर ने फेफड़े में संक्रमण होने की जानकारी देते हुए पाइप डालने की बात कही। आरोप है कि डॉक्टर ने पुष्पा को दुबग्गा स्थित फाह अस्पताल में भर्ती कराने के लिए कहा।

आयुष्मान कार्ड पर मुफ्त इलाज मिल जाएगा

परिजनों ने आपत्ति जताई तो केजीएमयू में आयुष्मान कार्ड पर मुफ्त इलाज न मिलने की बात कही। यह भी कहा कि निजी अस्पताल में आयुष्मान कार्ड पर मुफ्त इलाज मिल जाएगा। डॉक्टर के झांसे में आए परिजनों ने मरीज को फाह अस्पताल में भर्ती करा दिया।

विजय का आरोप है कि निजी अस्पताल में करीब एक लाख रुपये वसूल लिए गए। इसके बाद भी

उनकी मां की जान नहीं बची। पीड़ित ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के साथ उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

बॉन्ड के तहत तैनात है एसोसिएट प्रोफेसर

आरोपी एसोसिएट प्रोफेसर बॉन्ड के तहत केजीएमयू के नेफ्रोलॉजी विभाग में तैनात है। आरोप है वह संस्थान आने वाले मरीजों को बरगलाकर निजी अस्पताल भेजता है। विभाग प्रमुख को इसकी भनक नहीं है।

इससे पहले केजीएमयू के आर्थोपेडिक विभाग में बॉन्ड के तहत तैनात डॉक्टर ने मरीज को निजी अस्पताल ले जाकर ऑपरेशन किया था। यहां उसकी जान चली गई थी। डॉक्टर के बॉन्ड की अवधि खत्म होने के कारण केजीएमयू प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।

परिजनों के आरोप गलत

फाह अस्पताल के संचालक डॉ. अहमद रजा खान ने बताया कि केजीएमयू के डॉक्टर के जरिये मरीज अस्पताल नहीं भेजा गया था। परिजनों के आरोप गलत हैं। केजीएमयू में इलाज न मिलने की स्थिति में महिला को यहां लाया गया था।

निर्माण की धीमी गति पर कमिश्नर नाराज, 25 तक कैंट स्टेशन के काम पूरे करने के निर्देश; मांगा जवाब

वाराणसी, एजेंसी। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने रोपवे परियोजना का निरीक्षण किया। परियोजना की 94.35 प्रतिशत प्रगति सामने आई। कैंट स्टेशन पर अधूरे काम देखकर मंडलायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई और प्रमुख निर्माण व साज-सज्जा के काम 25 सितंबर तक पूरे करने के निर्देश दिए। गोदौलिया स्टेशन का काम हर हाल में 31 अक्तूबर तक पूरा करने की समय सीमा तय की गई।

मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने निरीक्षण के दौरान कैंट स्टेशन पर ऊपरी पैदल पुल और शिखर से जुड़े काम में तेजी लाने के साथ सीढ़ी चलित यंत्र, लिफ्ट और रेलिंग की सफाई कराने के निर्देश दिए। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा से जुड़े सामान की स्थापना को भी प्राथमिकता से पूरा करने को कहा गया। विद्यापीठ स्टेशन पर 15 सितंबर तक बारिश के पानी की निकासी का स्थायी समाधान करने को कहा। यहां यात्रियों के टिकट लेने और जांच से जुड़े यंत्रों का परीक्षण और फर्श पर पत्थर बिछाने का काम भी जल्द पूरा करने को कहा गया।

रथयात्रा स्टेशन के निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने जलकल विभाग से समन्वय कर सीवर और जलापूर्ति की लाइन को जोड़ने का काम 15 सितंबर तक पूरा करने को कहा। वहीं, गिरजाघर स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था और बाहरी साज-सज्जा का काम शीघ्र पूरा करने को कहा। गोदौलिया स्टेशन पर यात्रियों के उतरने और चढ़ने वाले हिस्से का काम 31 अक्तूबर तक हर हाल में पूरा करने को कहा। निरीक्षण के दौरान परियोजना की निदेशक पूजा मिश्रा और कार्यदायी संस्था के परियोजना निदेशक एस. सुब्बा राव समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आगरा में 15 घंटे ठप रही आपूर्ति, घरों में नहीं बन पाया नाश्ता; ऑनलाइन मंगाना पड़ा खाना

आगरा, एजेंसी। आगरा के 70 हजार से ज्यादा घरों में बृहस्पतिवार रात 9 बजे से शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की आपूर्ति ठप रही। इसके कारण शुक्रवार सुबह घरों में नाश्ता नहीं बन पाया और न ही दोपहर में खाना। स्कूली बच्चों को टिफिन में बिस्किट, नमकीन और पैक्ड नाश्ता देकर भेजा गया। ऑफिस जाने वाले लोगों ने ऑनलाइन ऑर्डर कर नाश्ता मंगवाया।

करीब 15 घंटे बाद पीएनजी की आपूर्ति बहाल हुई लेकिन प्रेशर कम होने के कारण दोपहर में खाना बनाने में दिक्कत आई। गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) की रामबाग चौराहे पर बृहस्पतिवार रात 9 बजे मेट्रो की खुदाई के दौरान गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। तीन घंटे तक गैस का रिसाव होता रहा था जिसे रात 12 बजे बंद कराया गया। गेल की टीम ने 8 इंच व्यास की गैस पाइपलाइन की मरम्मत शुरू की जो रातभर जारी रही।

करीब 2 मीटर पाइप का टुकड़ा लाइन में जोड़ा गया। शुक्रवार सुबह 10 बजे तक मरम्मत का काम पूरा कर आपूर्ति शुरू की गई। गेल के चीफ मैनेजर मुकेश शुक्ला ने बताया कि हर दिन 2 लाख क्यूबिक मीटर गैस की आपूर्ति लाइन से की जाती है। मेट्रो की खुदाई से लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण कंपनी को आर्थिक नुकसान

हुआ है जिसकी भरपाई कराई जाएगी।

25 पंप रहे बंद, ऑटो-वैन संचालकों को नहीं मिली सीएनजी : रामबाग में पाइपलाइन टूटने के कारण गैस आपूर्ति बाधित होने से सीएनजी के भी 25 पंप बंद रहे। इससे शहर के 65 हजार वाहन चालकों को दोपहर 12 बजे तक परेशानी का सामना करना पड़ा। 65 हजार में से करीब 8500 सीएनजी ऑटो हैं। स्कूल वैन, स्कूल बस और कारें लेकर शुक्रवार सुबह सीएनजी पंपों पर लोग पहुंचे तो उन्हें मना कर दिया गया। इससे ऑटो-वैन चालकों की मुश्किल बढ़ गई। शहर में सीएनजी के 32 पंप हैं जिनमें से केवल 7 ही चालू रहे। ग्रीन गैस लिमिटेड के अधिकारी किशन सिंह ने बताया कि रामबाग से कालिंदी विहार की ओर के सीएनजी पंप चालू रहे। यहां से ही ताजनगरी के पंप को सिलिंडरों के जरिये आपूर्ति की गई। आईएसबीटी, सिकंदरा और बाकी क्षेत्रों में सीएनजी का संकट बना रहा। शाम तक प्रेशर के साथ सभी जगह सीएनजी की आपूर्ति होने लगी।

बहुमंजिला इमारतों में शाम तक कम रहा प्रेशर

गेल इंडिया के चीफ मैनेजर मुकेश शुक्ला ने सुबह 10 बजे सप्लाई बहाल करने का दावा किया लेकिन घरों तक पीएनजी की आपूर्ति दोपहर बाद ही हो पाई। बहुमंजिला इमारतों में प्रेशर कम रहा। ताजनगरी के होटल, कमला नगर, सिकंदरा, आवास विकास, बोदला, शाहगंज, केदार नगर, दयालबाग आदि क्षेत्रों के घरों में पीएनजी की आपूर्ति दोपहर बाद होने से दोपहर में खाना नहीं बना। ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनियां भी ऑर्डर आधे से एक घंटे की देरी डिलीवर कर सकीं। क्लाउड किचन से भी खाना दोपहर तीन बजे के बाद ही घरों में पहुंच पाया।

मेट्रो ने कहा- गहरी नहीं डाली गई लाइन

रामबाग चौराहे के पास नुनिहाई रोड पर गेल इंडिया की गैस पाइपलाइन टूटने के मामले में यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने गेल पर ही आरोप लगाए। कहा कि लाइन तय मानकों पर नहीं थी। यह उचित गहराई में न होकर उथली थी जिससे क्षतिग्रस्त हुई। यूपीएमआरसी के पीआरओ पंचानन मिश्रा ने कहा कि मेट्रो जांच कराएगी कि लाइन उचित जगह थी या नहीं। वहीं, गेल के डीजीएम ओमवीर सिंह ने बताया कि मेट्रो निर्माण कंपनी को गैस लाइन की जगह के बारे में पहले ही जानकारी दी गई थी। फिर भी खुदाई के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त कर दी गई।

महिलाओं ने बयां की परेशानी

सुबह बच्चों के लिए टिफिन में नाश्ता भी नहीं भेज पाए। एलपीजी सिलिंडर नहीं है। दोपहर में गैस आई तो प्रेशर नहीं था। - कविता अग्रवाल, कमला नगर

पति और बच्चों के लिए सुबह नाश्ता नहीं बन पाया। दोपहर में इंडक्शन से खिचड़ी ही तैयार कर सके। - अनु अरोड़ा, कमला नगर

- रात से दोपहर तक खाना नहीं बन पाया। पहली बार है जब 15 घंटे तक परेशानी झेलनी पड़ी है। - गीता सारस्वत, पदम प्राइड

- ऑनलाइन खाना ऑर्डर किया लेकिन कई रेस्तरां में भी परेशानी रही। वैकल्पिक व्यवस्था पर कंपनी ध्यान दे। आए दिन लाइन कट रही है। - शालिनी अग्रवाल, जयपुर हाउस

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह-समझौते से मामलों का त्वरित निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अतुल श्रीवास्तव ने शनिवार को जनपद मुख्यालय सहित सभी तहसील न्यायालयों में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। लोक अदालत में लंबित एवं न्यायालय में जाने से पहले के मामलों का आपसी सहमति और सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित एवं सुलभ निस्तारण कराया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक, उत्तराधिकार, दीवानी, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138, ई-चालान, मध्यस्थता, लघु शमनीय, विद्युत और भू-राजस्व से संबंधित मामलों सहित अन्य सुलह योग्य वादों का निस्तारण किया गया। इसके अलावा सेवा, पेंशन और श्रम संबंधी प्रकरणों के साथ न्यायालय में जाने से पहले के बैंक ऋण, विद्युत तथा भारत संचार निगम लिमिटेड के टेलीफोन बिल से संबंधित मामलों का भी आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण कराया गया।

जनसामान्य की सुविधा के लिए विभिन्न विभागों, बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने परिसर में सहायता केंद्र लगाए। इनमें नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड, भारत संचार निगम लिमिटेड, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, आईडीबीआई बैंक, वोडाफोन आइडिया, यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, भारतीय स्टेट बैंक और उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक सहित अन्य संस्थाएं शामिल रहीं। हीरो फिनकॉर्प ने भी ऋण संबंधी मामलों के निस्तारण की सुविधा उपलब्ध कराई। जिला कारागार, साईं वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर और राजकीय सम्प्रेक्षण गृह के कौशल विकास केंद्रों द्वारा तैयार उत्पादों के स्टॉल लगाए गए। स्वास्थ्य शिविरों के साथ निःशुल्क मोतियाबिंद एवं नेत्र जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

जनपद न्यायाधीश ने बताया कि वाहन चालान और लंबित मामलों की जानकारी के लिए सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक दूरभाष सेवा उपलब्ध रही। न्यायालय परिसर में चार सहायता डेस्क भी स्थापित किए गए। उच्च न्यायालय द्वारा संचालित भुगतान सेतु के माध्यम से वाहन चालान के निस्तारण की सुविधा भी दी गई।

जनपद न्यायाधीश ने लोगों से अपील की कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिकाधिक लाभ उठाकर अपने लंबित एवं सुलह योग्य मामलों का आपसी सहमति से त्वरित निस्तारण कराएं। इस अवसर पर अपर जिला जज एवं राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी सोमप्रभा मिश्रा सहित न्यायिक अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों से नहीं बनी बात, मांगों को लेकर धरने पर अडिग किसान

जेवर (शिखर समाचार)। किसान संघर्ष समिति के बैनर तले दयानतपुर गांव के किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर यमुना एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर करीब डेढ़ माह से 24 घंटे धरने पर बैठे हैं। किसानों और यमुना प्राधिकरण तथा जेवर के उप जिलाधिकारी के बीच कई दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन अभी तक किसी मांग पर सहमति नहीं बन सकी है। किसान अपनी मांगें पूरी होने तक धरना समाप्त करने को तैयार नहीं हैं। धरने पर बैठे किसानों की प्रमुख मांगों में सात प्रतिशत विकसित भूखंड, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा, 60 मीटर चौड़ी सर्विस रोड तथा आबादी के बदले आबादी की जमीन उपलब्ध कराना शामिल है। किसानों का कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगें लंबित हैं, लेकिन प्रशासन और प्राधिकरण की ओर से अब तक केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं। किसानों के अनुसार अधिकारियों के साथ कई बार बातचीत हुई, लेकिन वार्ता किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी। उनका आरोप है कि प्रशासन आश्वासन देकर धरना समाप्त कराने का प्रयास कर रहा है, जबकि प्राधिकरण उनकी सभी मांगों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। किसानों ने स्पष्ट किया कि केवल आश्वासन के आधार पर आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारियों और धरनारत किसानों का कहना है कि वे अपनी मांगों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेंगे। किसानों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों को लिखित रूप से स्वीकार कर समाधान नहीं किया जाता, तब तक यमुना एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर 24 घंटे चल रहा धरना जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन और यमुना प्राधिकरण से किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है।

शादी के वलीमे में लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप, मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कस्बे के आजाद नगर मोहल्ले में शादी के वलीमे के दौरान एक परिवार के सदस्यों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मारपीट की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस के मुताबिक आजाद नगर निवासी अब्दुल समद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते मंगलवार को उनके घर पर पुत्र की शादी का वलीमा चल रहा था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले समीम, उम्मेद और जेद ने सरफराज और इमरान के साथ कथित रूप से लाठी-डंडों से मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। आरोप है कि झगड़े के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची पीड़ित की पुत्री शमीम के साथ भी आरोपितों ने मारपीट की। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने मामले की शिकायत पुलिस से की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मोहल्ले में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

नशे से दूर रहकर शिक्षा को बनाएं अपनी ताकत, प्रतिभाओं का किया सम्मान

दादरी (शिखर समाचार)। उम्मीद संस्था की ओर से वैदपुरा स्थित संत विनोबा भावे इंटर कॉलेज में ह्यनशा नहीं, शिक्षा जरूरीह्ल अभियान के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान प्रतिभावान विद्यार्थियों छवि चौहान, अंसी कुमारी और निखिल कुमार को सम्मान-पत्र एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया गया। संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर और प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और अन्य बच्चों को भी मेहनत के लिए प्रेरित करता है। सम्मान केवल पुरस्कार नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि प्रत्येक छात्र शिक्षा को अपनी ताकत बनाए, नशे जैसी बुराइयों से दूर रहे तथा मेहनत और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करे। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ उसे सही और गलत के बीच अंतर समझने की क्षमता प्रदान करती है। विद्यार्थियों को अपने समय और ऊर्जा का उपयोग पढ़ाई, खेलकूद तथा रचनात्मक गतिविधियों में करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बाल चंद नागर, ब्रह्म सिंह नागर, प्रमोद कुमार मौर्य, कृष्ण कुमार, कपिल प्रधान और अरुण प्रधान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आदित्य मेगा सिटी के फ्लैट में लगी भीषण आग, दमकल विभाग की तत्परता से टला बड़ा हादसा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। इंदिरापुरम स्थित आदित्य मेगा सिटी आवासीय परिसर में शनिवार को एक फ्लैट के स्टोर रूम में भीषण आग लग गई। आग लगने से पूरे टावर में घना और दमघोंटू धुआं भर गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम दो वाहनों के साथ मौके पर पहुंची और तत्परता से आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल के निर्देशन में वैशाली अग्निशमन केंद्र से टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। आग टावर की पांचवीं मंजिल स्थित फ्लैट संख्या जीसी-502 के स्टोर रूम में लगी थी। अग्निशमन कर्मियों ने भवन में लगे अग्निशमन तंत्र का उपयोग करते हुए भूतल से पानी की नली बिछाकर आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। सुरक्षात्मक श्वसन उपकरण पहनकर दमकल कर्मी फ्लैट के अंदर पहुंचे और आग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया। आधुनिक धुआं निकासी उपकरणों की मदद से टावर और फ्लैट में भरे धुएं को भी बाहर निकाला गया।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारी सदर अजीत सिंह को मौके का निरीक्षण कर आग से हुए नुकसान का आकलन कराने तथा प्रभावित परिवार को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही आग लगने के कारणों की जांच और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग की तत्परता और समन्वित प्रयासों से आग को अन्य फ्लैटों तक फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया। आग से स्टोर रूम में रखा सामान और कुछ घरेलू सामग्री क्षतिग्रस्त हुई है। फ्लैट में किरायेदार मोहित गोयल अपने परिवार के साथ रह रहे थे। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था सामान्य है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ, अधिकाधिक मामलों के निस्तारण का आह्वान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनपद न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश विनोद सिंह रावत ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपसी सहमति और समझौते के आधार पर विवादों के त्वरित, सरल एवं सुलभ निस्तारण के लिए लोक अदालत प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से पक्षकारों को कम समय और कम खर्च में न्याय मिलता है तथा उनके बीच आपसी सौहार्द भी बना रहता है।

जनपद न्यायाधीश ने न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, संबंधित विभागों के अधिकारियों और आमजन से राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराने के लिए सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से विवादों का समाधान होने पर दोनों पक्षों को राहत मिलती है और लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से भी बचाव होता है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित न्यायिक अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों ने भी लोक अदालत की सफलता के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पक्षकारों को अपने विवादों का समाधान आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से कराने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के शुभारंभ कार्यक्रम में जनपद के न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। इनमें मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी संजय वीर सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मृदुल कुमार मिश्रा, अपर जिला जज न्यायालय संख्या-1 ललिता गुप्ता, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम नीरज गौतम तथा विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी अधिनियम जितेंद्र मिश्रा सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोक अदालत के माध्यम से अधिकाधिक मामलों का निस्तारण सुनिश्चित कराने पर जोर दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में नौ उपभोक्ता वादों का निस्तारण, 47.12 लाख की समझौता राशि

शामली (शिखर समाचार)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, शामली में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में उपभोक्ता विवादों से संबंधित नौ वादों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में कुल 11 वाद सूचीबद्ध किए गए थे, जिनमें से नौ मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण हुआ। निस्तारित वादों में कुल 47 लाख 12 हजार 417 रुपये की समझौता राशि रही।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष हेमन्त कुमार गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के निदेशों के अनुपालन में किया गया। लोक अदालत के माध्यम से उपभोक्ता विवादों के शीघ्र एवं सरल निस्तारण का प्रयास किया गया। सूचीबद्ध मामलों में पक्षकारों के बीच सहमति बनने के बाद नौ वादों का निस्तारण किया गया।

आयोग की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत में सूचीबद्ध तथा निस्तारित किए गए वादों से संबंधित सूचना निर्धारित स्तर पर भेज दी गई है। लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निस्तारण से संबंधित पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिली और विवादों का समाधान आपसी सहमति से किया गया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा, लखपति दीदियों की आय बढ़ाने पर जोर

हरिद्वार (शिखर समाचार)। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित मिशन के विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जनपद की ग्रामोत्थान टीम भी मौजूद रही। बैठक में स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के बैंक खातों का अद्यतन, पहचान सत्यापन, समूहों तथा ग्राम संगठनों के लेखा परीक्षण, समूहों की अपूर्ण प्रोफाइल पूरी करने और बैंक खाता विहीन समूहों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और संकुल स्तरीय संघ के वित्तीय लेन-देन को पूर्ण करने पर जोर दिया गया। ई-बुककीपर के माध्यम से ग्राम पंचायतवार कार्य निर्धारित समय में पूरा कराने को कहा गया। अधिकारियों ने ग्राम स्तरीय उद्यमिता एवं आजीविका योजनाओं को ग्राम सभा और ग्राम पंचायत विकास योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए आजीविका संबंधी गतिविधियों को प्राथमिकता देने तथा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से प्रशिक्षण समय पर पूरा कराने के साथ छोटे उद्यमों और आपसी ऋण व्यवस्था को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लखपति दीदियों की आय बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर उन्हें अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आजीविका को मजबूत करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें। बैठक में समूहों की महिलाओं से जुड़े सभी कार्यों को समयबद्ध पूरा करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिला विकास अधिकारी, राज्य मिशन प्रबंधक दिवाकर पुरोहित, वरिष्ठ मिशन प्रबंधक विनकेश, वरिष्ठ मिशन प्रबंधक चरणजीत, उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से दुर्गा गैरोला, छह विकासखंडों के खंड विकास अधिकारी तथा ग्रामोत्थान टीम के जिला विषय विशेषज्ञ सूरज कुमार और सूचना प्रबंधन प्रणाली से जुड़े दानेश सहित अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट, फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

निटरा टेक्निकल कैंपस में परिचय-2026 का भव्य आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। निटरा टेक्निकल कैंपस में वार्षिक नवागंतुक समारोह परिचय-2026 का आयोजन 11 सितंबर को निटरा परिसर में उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। समारोह में करीब 450 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ वरिष्ठ विद्यार्थियों और शिक्षकों से परिचित होने का अवसर प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक फैशन शो से हुई। इसके बाद नवागंतुक समारोह के तहत विभिन्न चरणों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने मिस्टर फ्रेशर-2026 और मिस फ्रेशर-2026 के खिताब के लिए प्रतिभाग किया। प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य, समूह नृत्य, वाद्य संगीत और व्यंग्यात्मक नाटिकाओं सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह में रंग भर दिया।

समारोह में निटरा के महानिदेशक डॉ. एम.एस. परमार और निटरा टेक्निकल कैंपस के निदेशक डॉ. बी.के. शर्मा ने आयुषी को मिस फ्रेशर-2026 तथा कनिष्क नेगी को मिस्टर फ्रेशर-2026 का खिताब प्रदान किया। दोनों विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पंजीयक किशन दीवान और संकाय सदस्यों ने पुरस्कार प्रदान किए।

समारोह नए विद्यार्थियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और नए शैक्षणिक जीवन की शुरूआत को यादगार बनाने का अवसर रहा। आयोजन का समापन हर्ष और उल्लास के वातावरण में हुआ। विद्यार्थियों ने समारोह के दौरान मिली यादगार स्मृतियों को अपने परिसर जीवन की सुखद शुरूआत बताया।

पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में गौरव मलिक ने जीता स्वर्ण पदक

शामली (शिखर समाचार)। क्षेत्र के किवाना गांव निवासी होनहार खिलाड़ी गौरव मलिक ने दिल्ली में आयोजित पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। 59 किलोग्राम भार वर्ग में गौरव ने प्रतियोगिता में सर्वाधिक 405 किलोग्राम भार उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने के बाद गांव लौटे गौरव मलिक का ग्रामीणों और राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान बिजेंद्र प्रधान ने कहा कि गौरव ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर गांव तथा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित अवसर और संसाधन उपलब्ध कराने की है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी द्वारा युवाओं और खिलाड़ियों के लिए सांसद निधि का उपयोग किया जाना ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने के अवसर मिलेंगे।

राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विनोद प्रधान ने कहा कि खेल प्रकोष्ठ खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देने के लिए हमेशा तत्पर है। उन्होंने गौरव मलिक को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अरविन्द पंवार, बिजेंद्र प्रधान, राममेहर, गुलाब मुखिया, यशवीर, निरंकार पहलवान, बलवान पहलवान, ब्रह्मपाल, बलजीत बाबा और सहदेव ठेकेदार सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

संपादकीय

ब्रिक्स के मंच से बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की निर्णायक भूमिका

नई दिल्ली में भारत की मेजबानी में हो रहा 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित हो रहा है जब दुनिया राजनीतिक तनाव, युद्ध, आर्थिक अनिश्चितता, व्यापारिक टकराव और बदलते शक्ति संतुलन के दौर से गुजर रही है। भारत मंडपम में शनिवार को सम्मेलन के पहले दिन जिस तरह सदस्य देशों और आमंत्रित देशों के प्रतिनिधियों ने वैश्विक चुनौतियों पर विचार किया, उससे यह स्पष्ट कर दिया कि ब्रिक्स अब केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं का आर्थिक मंच नहीं रह गया है, बल्कि वह विश्व व्यवस्था के भविष्य को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण शक्ति बन चुका है। भारत के लिए इस सम्मेलन की अहमियत इसलिए भी अधिक है क्योंकि उसकी अध्यक्षता का केंद्र बिंदु लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और टिकाऊ विकास के साथ मानवता को प्राथमिकता देना है। पहले दिन स्वीकार की गई नई दिल्ली घोषणा भारत की कूटनीतिक सक्रियता का महत्वपूर्ण परिणाम मानी जानी चाहिए। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष को लेकर ब्रिक्स देशों ने गंभीर चिंता जताते हुए अधिकतम संयम, संवाद और कूटनीति के रास्ते पर लौटने की आवश्यकता रेखांकित की है। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब दुनिया के कई हिस्सों में सैन्य शक्ति को विवादों के समाधान का माध्यम बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ब्रिक्स का यह रुख भारत की उस पारंपरिक विदेश नीति के अनुरूप भी है जिसमें युद्ध के बजाय बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाती है। भारत का यह आग्रह कि वैश्विक संकटों का समाधान शक्ति प्रदर्शन से नहीं बल्कि संवाद से होना चाहिए, आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है।

ब्रिक्स की नई दिल्ली घोषणा का एक महत्वपूर्ण पक्ष आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट और कठोर संदेश है। पहलगाम आतंकी हमले की निंदा तथा आतंकवाद के सभी रूपों के प्रति शून्य सहनशीलता का आह्वान भारत की लंबे समय से चली आ रही मांग को अंतरराष्ट्रीय समर्थन देता है। आतंकवाद को अच्छा या बुरा बताकर उसके साथ राजनीतिक सुविधा के अनुसार व्यवहार करने की प्रवृत्ति ने विश्व समुदाय को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। आतंकवाद के विरुद्ध तभी प्रभावी लड़ाई संभव है जब उसके वित्तपोषण, सुरक्षित ठिकानों और समर्थन तंत्र पर समान रूप से कार्रवाई हो। ब्रिक्स का यह रुख भारत के लिए कूटनीतिक उपलब्धि है, लेकिन असली परीक्षा इस बात की होगी कि घोषणा में व्यक्त प्रतिबद्धताएं व्यवहार में कितनी उतरती हैं।

इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संस्थाओं में सुधार का मुद्दा भी विशेष महत्व रखता है। वर्तमान वैश्विक संस्थाओं की संरचना उस समय की है जब दुनिया की आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताएं आज से काफी अलग थीं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की अर्थव्यवस्थाएं अब वैश्विक विकास में कहीं अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी उनकी वास्तविक क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का दावा इसी असंतुलन को दूर करने की आवश्यकता से जुड़ा है। यदि वैश्विक दक्षिण को वास्तव में विश्व व्यवस्था में प्रभावी आवाज देनी है तो केवल घोषणाओं से आगे बढ़कर संस्थागत सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

ब्रिक्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसकी बढ़ती सदस्य संख्या के साथ बढ़ती विविधता भी है। भारत, चीन, रूस, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अन्य सदस्य देशों के अपने अपने रणनीतिक हित हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

दिल की पहली दस्तक जीवन का उद्घाटन और अंतिम विराम जीवन की पूर्णाहुति।

© विनय संकोची

विश्व आदिवासी अधिकार दिवसः संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के संदर्भ में आदिवासी अधिकार

राज कुमार सिन्हा

13 सितंबर का दिन आदिवासी समुदायों के अधिकारों के संघर्ष के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 13 सितंबर 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'संयुक्त राष्ट्र आदिवासी लोगों के अधिकारों की घोषणा' को भारी बहुमत से स्वीकार किया था। घोषणा के पक्ष में 143 देशों ने मतदान किया था। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह घोषणा दुनिया के आदिवासी लोगों के अस्तित्व, गरिमा, कल्याण, संस्कृति, भूमि और सामूहिक अधिकारों के लिए न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मानकों का व्यापक ढांचा है। यह घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण है कि आदिवासी समुदायों का सवाल केवल गरीबी या पिछड़ेपन का सवाल नहीं है, बल्कि पहचान, संस्कृति, स्वशासन, भूमि, प्राकृतिक संसाधनों और निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिकारपूर्ण भागीदारी का सवाल है। भारत में भी आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान ने सामान्य नागरिक अधिकारों से आगे बढ़कर विशेष संवैधानिक और वैधानिक व्यवस्था की है। भारतीय संविधान ने अनुसूचित जनजातियों के संरक्षण, स्वशासन तथा प्राकृतिक संसाधनों पर उनके परंपरागत अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधान किए हैं। संविधान का अनुच्छेद 244 पांचवीं एवं छठी अनुसूची के प्रशासन की आधारशिला है। पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आने वाले राज्यों में राज्यपाल को विशेष संवैधानिक दायित्व सौंपे गए हैं, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अनुसूचित क्षेत्रों में लागू होने वाले कानून आदिवासी समाज की परंपराओं, संस्कृति, आजीविका तथा सामुदायिक अधिकारों के प्रतिकूल न हों।पांचवीं अनुसूची के पैरा 5(1) के अनुसार राज्यपाल किसी भी संसदीय या राज्य कानून को अनुसूचित क्षेत्रों में पूर्णतः लागू न करने, संशोधित रूप में लागू करने अथवा आवश्यक अपवादों एवं परिवर्तनों के साथ लागू करने का अधिकार रखते हैं। वहीं पैरा 5(2) राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्रों में शांति और सुशासन के लिए विनियम बनाने की शक्ति प्रदान करता है। इन विनियमों के माध्यम से भूमि हस्तांतरण पर रोक, आदिवासियों की भूमि की सुरक्षा तथा साहूकारी जैसी शोषणकारी व्यवस्थाओं को नियंत्रित किया जा सकता है। संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के लिए केंद्र सरकार राज्यों को विशेष अनुदान प्रदान करती है। अनुच्छेद 338A के तहत गठित राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के संरक्षण, निगरानी तथा सरकार को अनुशंसा देने का अधिकार प्राप्त है।संविधान के 73वें संशोधन के बाद अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम स्वशासन को सशक्त बनाने हेतु पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) लागू किया गया। इस कानून के अनुसार ग्राम सभा को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, लघु वनोपज, जल स्त्रोतों, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, खनन, स्थानीय योजनाओं तथा सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े विषयों पर निर्णायक भूमिका प्रदान की गई है। ग्राम सभा को आदिवासी स्वशासन की मूल इकाई माना गया है।इसी प्रकार अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के माध्यम से व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकारों को कानूनी मान्यता दी गई। इस कानून में सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, प्रबंधन एवं उपयोग का अधिकार ग्राम सभा को दिया गया है तथा यह स्वीकार किया गया है कि वनों के संरक्षण में आदिवासी समुदायों की ऐतिहासिक भूमिका रही है। इसके अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित वर्तमान कानूनों में भी अनुसूचित क्षेत्रों के लिए ग्राम सभा की सहमति, सामाजिक प्रभाव आकलन तथा प्रभावित परिवारों के अधिकारों के संरक्षण संबंधी विशेष प्रावधान किए गए हैं। आदिवासी उप-योजना (ट्राइबल सब प्लान- टीएसपी) भारत में अनुसूचित जनजातियों के त्वरित और सर्वांगीण विकास के लिए बनाई गई एक विशेष रणनीति और वित्तीय व्यवस्था है। इसके तहत कुल योजना बजट का एक निश्चित हिस्सा (आमतौर पर उनकी जनसंख्या के अनुपात में) आदिवासी क्षेत्रों और समुदायों के विकास के लिए आरक्षित रखा जाता है। यह योजना उन ब्लॉकों या तहसीलों में लागू की जाती है जहां आदिवासी आबादी 50 प्रतिशत या उससे अधिक होती है। इसका मुख्य उद्देश्य है शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को बढ़ाना तथा आदिवासियों का शोषण रोकना है।

पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

ललित गर्ग

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पधाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है।

आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है।

संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है। भगवान महावीर का संदेश-'मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ'-अर्थात् सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं।

आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है।

पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए। संवत्सरी का आत्ममंथन केवल एक दिन तक सीमित न रहे और क्षमापना का भाव केवल एक अवसर की औपचारिकता न बने। हम प्रतिदिन स्वयं से पूछें कि आज मैंने किसके लिए प्रेम बढ़ाया, किसके दुख को समझा और किस कटुता को अपने भीतर से कम किया। यही आत्मोन्नयन की दिशा है। वास्तव में पर्युषण एक ऐसा आध्यात्मिक सवेरा है, जो मनुष्य को प्रमाद की नींद से जगाता है और अज्ञान के अंधकार से आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। 14 सितंबर की संवत्सरी हमें अपनी भूलों का बोध कराए और 15 सितंबर का विश्व मैत्री दिवस हमें सबके प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव दे-तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आज की अशांत दुनिया को यदि किसी शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है-अहिंसा, क्षमा और सह-अस्तित्व। पर्युषण महापर्व इसी शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ अवसर है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर की उक्त चार बैंकिंग संस्थानों की रिपोर्ट स्पष्ट कहती हैं कि भारत विकास के राह पर बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है एवं भारत के आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार सुधार कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। अब पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भी भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में सुधार किया जाएगा, ऐसी आशा की जानी चाहिए।

जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी (जेसीआरए) ने भारत की सार्वभौम (सावरेन) क्रेडिट रेटिंग में सुधार करते हुए इसे बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया है। भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी कई कारणों के चलते की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी हुई है। भारत आज पूरे विश्व में समस्त बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है एवं भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, इस देश में नागरिकों को अपने विचार रखने की आजादी है अतः विश्व के अन्य देश भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। अभी हाल ही में अन्य देशों में निवासरत भारत के मूल नागरिकों ने भारत में 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारतीय बैंकों में जमा की है। यह भारत की शक्ति एवं मजबूती को दशार्ता है। तीसरा, भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लगातार चल रहे है। हाल ही में, वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी की गई थी जिसके चलते भारतीय नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंची है, इससे भारतीय नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि हुई है। चौथा, भारत में डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान की गई है। भारतीय यूपीआई की मांग अब विश्व के अन्य देशों द्वारा भी की जा रही है। जनधन योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों नागरिकों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिन्हें आधार से जोड़ दिया गया है और स्मार्ट मोबाइल आज जैसे जेब में बैंक का कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। डिरेक्ट बेनिफिट ट्रान्स्फर योजना को भी बहुत सरल बना दिया गया है। इससे देश में भ्रष्टाचार में कमी आई है। पांचवां, भारत में हाल ही के समय में वित्तीय क्षेत्र में मजबूती आई है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों में सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियां 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई हैं। यह अपने आप में एक रिकार्ड है। छठा, सरकारी खर्चों के उपयोग में अब सुधार दृष्टिगोचर है और इसकी गुणवत्ता भी सुधरी है। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च पिछले 5 वर्षों में तीन गुना हो गए हैं। इससे भारत में रेल, रोड एवं पोर्ट की आधारभूत संरचना विकसित हुई है, जो विदेशी निवेशकों को भी भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित कर रही है। सांतवा, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 68,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा सुरक्षा कवच बन गया है। आंठवां, भारत का वित्तीय घाटा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में उक्त 8 मानकों पर हुए सुधार के चलते जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत के सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी की है।

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है। दूसरे, इससे उस देश में विदेशी निवेश आकर्षित होता है, क्योंकि इन देशों में किया गया विदेशी निवेश सुरक्षित माना जाता है। विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा निम्न प्रकार की क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती है। AAA - यह प्राइम क्रेडिट रेटिंग मानी जाती है एवं यह देश निवेश की दृष्टि से इन्वेस्टमेंट ग्रेड का है। AA - क्रेडिट रेटिंग भी हाई ग्रेड की मानी जाती है। A - क्रेडिट रेटिंग अपर मीडीयम ग्रेड की मानी जाती है। BBB - क्रेडिट रेटिंग लोअर मीडीयम ग्रेड को दशार्ती है। BB - क्रेडिट रेटिंग नोन-इन्वेस्टमेंट ग्रेड एवं स्पेक्युलेटिव की श्रेणी में गिनी जाती है। B - क्रेडिट रेटिंग हाइली स्पेक्युलटिव श्रेणी में आती है एवं C - क्रेडिट रेटिंग अधिकतम रिस्क की श्रेणी में गिनी जाती है। भारत की क्रेडिट रेटिंग BBB+ ग्रेड में मानी जा रही थी जो अब सुधरकर A- कर दिया गया है।

पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में पिछले कई वर्षों से बदलाव ही नहीं किया है जबकि भारत ने इस दौरान विशेष रूप से आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करते हुए विकास दर को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। फिच नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को अगस्त 2006 के बाद से परिवर्तित ही नहीं किया है, जो BBB- के स्तर पर लगातार बनी हुई है। इसी प्रकार, स्टैंडर्ड एंड पूअर नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा 18 वर्ष पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को 27 अगस्त 2026 को अपग्रेड करते हुए इसे BBB के स्तर पर ले आया गया है। एक अन्य क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडी ने जून 2020 के पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया है और भारत को Baa3 की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग दी हुई है। उक्त एजेन्सीयां भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को उचित तरीके से नहीं दशार्ती हैं। जबकि, भारत के आर्थिक संकेतक बहुत मजबूत बने हुए हैं।

हाल ही में, विश्व के चार प्रमुख वित्तीय संस्थानों ने भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में विशेष रिपोर्ट जारी की है। जिसमें भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की गई है। जेफ्रीज नामक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल फोन, स्टील, सीमेंट, सोलर पैनल एवं ट्रक के निर्माण के क्षेत्र में भारत आज दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्ष 2014 में स्पेस के क्षेत्र में भारत में केवल एक स्टार्टअप था आज भारत में इस क्षेत्र में 400 से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। चिप निर्माण में 12 प्रोजेक्ट पर भारत में काम हो रहा है एवं 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हो रहा है। साथ ही, 3 विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन भी प्रारम्भ हो गया है। जेफ्रीज ने इस रिपोर्ट को नाम दिया है 'इंडिया न्यू इंडस्ट्रीयल रेवोल्यूशन'। दूसरी रिपोर्ट आई है बैंक ओफ अमेरिका से, जो कहती है कि भारत में बहुत कुछ बदल रहा है। पिछले 24 माह में भारत में 18 सुधार कार्यक्रम लागू हुए हैं। वस्तु एवं सेवा कर के ढांचे में 5 के स्थान पर मुख्यतः अब 2 दरें लागू कर दी गई हैं एवं इसे बहुत सरल बना दिया गया है। 12 लाख रुपए की कमाई तक, आय कर शून्य कर दिया गया है। नए लेबर कोड्ज भी लागू कर दिए गए हैं एवं सोशल सिक्यरिटी का दायरा भी बढ़ा दिया गया है।

तीसरी रिपोर्ट आई है (BERNSTEIN) बॉर्नस्टीन नामक संस्थान से, जो कहती है कि भारत के विकास में कुछ हिस्सा सरकारी सहयोग से आ रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में अपने पूंजीगत खर्चों में भारी वृद्धि की है। जून 2026 तिमाही में भारत की 200 सबसे बड़ी कम्पनियों की आय 12 प्रतिशत बढ़ी है। वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी करने से नागरिकों की जेब में करीब 20,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि पहुंची है। भारत के गांवों में कमजोर मानसून के बावजूद उत्पादों की मांग मजबूत बनी हुई है।

चौथी रिपोर्ट आई है मोर्गन सटेनली नामक संस्थान से, इसके अनुसार, पिछले वर्ष विश्व के 24 स्टॉक मार्केट में से भारत का मार्केट, रिटर्न देने के मामले में 23वें स्थान पर रहा है। यह कड़वा सच है। परंतु, ऊपर जाने के रास्ता लम्बा है पर यहीं से निकलता है। अभी भारत का सेन्सेक्स 76000 के आसपास हैं, जो जून 27 तक बढ़कर परिस्थिति अनुसार, 89000 अथवा 100000 के स्तर तक पहुंच सकता है। भारतीय कम्पनियों के शेयर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुछ सस्ते हो गए है। चूंकि भारतीय स्टॉक मार्केट ने पिछले वर्ष अच्छे रिटर्न नहीं दिए हैं अतः मार्केट इस वर्ष इस गलती को सुधारने को तैयार हो रहा है। भारत में निवेश, नागरिकों की बचत से आ रहा है, प्रति माह करोड़ों नागरिक रक्ष्द्ध के माध्यम से हजारों करोड़ रुपए का निवेश देश के पूंजी बाजार में कर रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार में आज देशी निवेशकों का निवेश विदेशी निवेशकों के निवेश की तुलना में अधिक हो गया है। जब विदेशी निवेशक वापिस भारतीय शेयर बाजार में लौटेंगे तो उन्हें आज की तुलना में महंगे शेयर खरीदने होंगे। अर्थात, भारतीय शेयर बाजार गिरा जरूर है, परंतु इसीलिए आगे का रास्ता लम्बा हो सकता है लेकिन जाना उसे ऊपर की ओर ही है।

वैश्विक स्तर की उक्त चार बैंकिंग संस्थानों की रिपोर्ट स्पष्ट कहती हैं कि भारत विकास के राह पर बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है एवं भारत के आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार सुधार कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। अब पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भी भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में सुधार किया जाएगा, ऐसी आशा की जानी चाहिए।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक,भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जब से कंप्यूटर आया है, तब से बाहर जाकर खेलने की तो जैसे फुरसत ही नहीं मिलती तुम बच्चों को। पर क्या तुम जानते हो कि आउटडोर खेल तुम्हारे संपूर्ण विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। क्या खेलोगे, किसके साथ और कब...यह सब आज हम तुम्हें बता रहे हैं।

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं आउटडोर खेल

घर के बाहर जाकर खेलने के काफी फायदे हैं। तुम अपने दोस्तों के और करीब आते हो, टीमवर्क समझ आता है और तुम खूब बढ़ते हो। आउटडोर खेल ऐसे नहीं होते जिन्हें सर्दी-गर्मी के हिसाब से खेला जाए। तुम किसी भी खेल को कभी भी खेल सकते हो। बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट के अलावा कई पारंपरिक खेल भी खेल सकते हो।

ट्रेजर आइलैंड

डोरेमॉन में तुमने इसका नाम सुना होगा। वहां जाकर नोबिता और उसके दोस्त मस्ती करते हैं। लेकिन हम जिस ट्रेजर आइलैंड की बात कर रहे हैं, उसे अलग-अलग जगहों पर कई तरह के नामों से जाना जाता है। इस गेम में दो टीम बनानी होती हैं। इसमें पहली टीम किसी भी चीज को खजाना बना कर छुपा देती है। फिर पहली टीम, दूसरी टीम के लिए क्लू बनाती है। उन क्लूज को फॉलो करते हुए उस खजाने तक पहुंचना होता है। इसमें तुम टाइमिंग भी शामिल कर सकते हो। जो भी टीम खजाने को ढूंढ़ने में सफल हो जाती है, वह जीती हुई मानी जाती है।

छुपन-छुपाई

यह खेल सबसे पुराना है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने भी इसे बचपन में जरूर खेला होगा। इसमें खूब सारे बच्चे एक साथ इकट्ठे होते हैं। एक बच्चे को डेन चुना जाता है। डेन चुनने के लिए तुम अक्कड़-बक्कड़ का सहारा ले सकते हो। फिर बाकी बचे सभी बच्चे अलग-अलग जगहों पर छुप जाते हैं और डेन उन्हें ढूंढ़ता है। जिस बच्चे को वह सबसे पहले ढूंढ़ लेता है, अगली बार उसे ही डेन बनना होता है। लेकिन एक को ढूंढ़ने से ही काम नहीं चलता। उसे सभी को ढूंढ़ना होता है। अगर कोई छुपा बच्चा पीछे से जाकर उसे धप्पा कर दे तो डेन को फिर दोबारा डेन बनना होता है।

स्टापू

इस खेल में जमीन में चौकोर बॉक्सेज डिजाइन कर दिए जाते हैं। फिर इनमें एक से दस तक गिनती लिखी जाती है। हर बच्चा एक-एक करके दस खानों में स्टापू फेंकता है। लंगड़ी करते हुए उस पत्थर तक पहुंचना होता है और उसे पैर से खिसकाते हुए वापस लाना होता है। इस गेम से ब्रीदिंग प्रैक्टिस होती है और हमारे पैर बेहद मजबूत होते हैं।

स्पाइंग गेम्स

ये चोर-पुलिस की तरह का गेम होता है। इसमें दो टीम होती हैं। एक टीम चोर बनती है तो दूसरी पुलिस। पुलिस वाली टीम चोर वाली टीम को खोज कर उसे कैद करती है।

क्रिकेट

इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था। क्रिकेट के पहले क्लब की स्थापना 1787 में हुई थी और पहला टैस्ट मैच 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया था। शुरुआत में क्रिकेट में टैस्ट मैच ही खेला जाता था, वनडे मैच की शुरुआत 1971 में हुई। पहला वनडे मैच भी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। तुमने आईसीसी का नाम तो जरूर सुना होगा। आईसीसी का पूरा नाम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल है। जितने भी अंतरराष्ट्रीय मैच होते हैं, सभी की रूपरेखा आईसीसी निर्धारित करती है और वर्ल्ड कप का आयोजन करती है। अब तक क्रिकेट का वर्ल्ड कप सबसे ज्यादा पांच बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है, वहीं भारत दो बार विश्व विजेता बना है।

हॉकी

हमारे देश भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। ब्लैकहीथ एबी एंड क्लब को हॉकी का पहला संगठित क्लब माना जाता है। इसकी स्थापना 1861 में हुई थी। हॉकी का पहला इंटरनेशनल मैच 1895 में वेल्स और इंग्लैंड के बीच खेला गया था और पहला वर्ल्ड कप 1971 में पाकिस्तान और स्पेन के बीच खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया था। जानते हो, ओलंपिक में सबसे ज्यादा आठ बार भारत ने हॉकी का मैच जीता है।

फुटबॉल

तुममें से काफी बच्चों को फुटबॉल खेलना पसंद होगा। जानते हो इस खेल का जन्मदाता भी इंग्लैंड ही है। भारत में अंग्रेज इस खेल को लाए और यहां के लोगों को खेलना सिखाया। फुटबॉल का पहला क्लब 1857 में स्थापित किया गया। इसका नाम शेफील्ड फुटबॉल क्लब था। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा है। फुटबॉल का पहला वर्ल्ड कप वर्ष 1930 में उरुग्वे और अर्जेंटीना के बीच खेला गया था, जिसमें उरुग्वे विजेता घोषित किया गया।

टेबल टेनिस

इस खेल का जन्म भी इंग्लैंड में ही हुआ था। वर्ष 1926 में इंटरनेशनल टेबल टेनिस एसोसिएशन की स्थापना हुई। इसका पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच 1927 में खेला गया।

वॉलीबॉल

वॉलीबॉल का जन्मदाता यूएसए है। 1895 में इसकी शुरुआत हुई। वॉलीबॉल की प्रमुख संस्था इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन की स्थापना 1948 में हुई और पहला वर्ल्ड कप 1949 में हुआ। तो तुम भी खेलो इसे दोस्तों के साथ।

बास्केटबॉल

इस खेल का जन्म अमेरिका में हुआ था। 1891 में जेम्स नेस्मिथ नामक अमेरिकी ने इसे खेलना शुरू किया। पहला मैच 1930 में खेला गया। बास्केटबॉल की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन इंटरनेशनल डे बॉस्केटबॉल एसोसिएशन 1932 में बनी।

पिट्टू

इस खेल में भी दो टीमें होती हैं। एक टीम पत्थरों से बने पिरामिड को बॉल से तोड़ती है और फिर से उस पिरामिड को बनाने की कोशिश करती है, जबकि दूसरी टीम पिरामिड बनाने वाली टीम के सदस्य को बॉल मार कर आउट करने की कोशिश करती है।

बैडमिंटन

ऐसा माना जाता है कि बैडमिंटन की शुरुआत भी इंग्लैंड में हुई। इसकी प्रमुख संस्था इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन का गठन 1934 में किया गया।

ये होंगे फायदे

आउटडोर गेम्स से हमें कई नए दोस्त मिलते हैं, जो हमारे घर के आसपास रहते हैं और जिनसे स्कूल आने-जाने, होमवर्क और इनडोर गेम्स में बिजी रहने की वजह से हम मिल नहीं पाते। इसके अलावा, बाहर निकल कर खेलने से पढ़ाई और आसपास की तमाम दूसरी चीजों के बारे में सीख सकते हो। सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि आउटडोर गेम्स से तुम्हारा शरीर चुस्त रहेगा, भूख ज्यादा लगेगी और तुम बीमार भी नहीं पड़ोगे। इन गेम्स में कई ऐसे गेम्स भी हैं, जिनमें एक्सपर्ट होने पर तुम उस गेम की डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल टीम में चुने जा सकते हो, जैसे बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल। आउटडोर गेम्स से एक बेहतर कॅरियर भी मिल सकता है।

बनी कैसे ऊन?

दोस्तों, क्या तुमने कभी यह सोचा है कि जिस ऊन का स्वेटर पहन हम सर्दी से बचते हैं, वह बनी कैसे? जरूर वो इंसान बहुत ही बुद्धिमान होगा, जिसने भेड़ को देखकर उससे ऊन बनाने के प्रयोग करने के बारे में सोचा होगा। यह माना जाता है कि बुनने के लिए ऊन का ही सर्वप्रथम उपयोग प्रारंभ हुआ। ऊनी वस्त्रों के टुकड़े मिस्त्र बैबिलोन की कब्रों, पुरातन ब्रिटेन निवासियों के झोपड़ों के साथ मिले हैं। रोमन आक्रमण से पहले भी ब्रिटेन वासी इनका उपयोग करते थे। विंचेस्टर फैक्टरी ने ऊन का तरह-तरह से इस्तेमाल करना शुरू किया। इसके बाद इसका इंग्लैंड में खूब प्रयोग किया जाने लगा। हेनरी द्वितीय ने कानून, वस्त्रहाट और बुनकारी संघ बनाकर इस उद्योग को प्रोत्साहित किया। सन् 1788 में हार्टफोर्ड (अमेरिका) में जल-शक्ति-चालित ऊन फैक्टरी आरंभ हुई। ऊन सफेद, काले और भूरे रंग में ही मिलती है। पालतू भेड़ों की ऊन सफेद रंग की होती है। रंगीन ऊन सबसे अधिक पुरानी नस्ल की उन भेड़ों से मिली है, जो कालीन बुनने लायक मोटे किस्म की ऊन पैदा करती हैं।

नीदरलैंड में है दुनिया का पहला माइक्रोब जू

नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में दुनिया का पहला माइक्रोब जू यानी सूक्ष्म जीव 'वाटिका' खुला है। माइक्रोपिया नामक इस जीव-जंतु वाटिका को शहर के उस जंतु पार्क 'आर्टिस' में खोला गया है जिसकी स्थापना 176 साल पहले हुई थी। यह दुनिया की सबसे पुरानी जीव-जंतु वाटिकाओं में से एक है।

140 वर्ष पुरानी इमारत में रखा एक खूबसूरत भूरे रंग का बक्सा बैक्टीरिया, फंगस, काई तथा अन्य एक कोशिका वाले जीवों का आवास है। ये वे जीव हैं जिन्हें नंगी आंखों से देखा नहीं जा सकता परंतु धरती पर जीवन इनसे ही संभव है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि सूक्ष्म जीवों में से केवल 1 प्रतिशत के बारे में ही आज तक इंसान जान सका है। कई लोगों के लिए सूक्ष्म जीव नफरत व भय की भावनाएं पैदा करते हैं। दरअसल, यह डर उस चीज से है जिसके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और लोगों के मन से सूक्ष्म जीवों के बारे में इसी डर को दूर करना इस जीव-जंतु वाटिका का पहला मकसद है। हेग कहते हैं कि यदि हम प्रकृति को जानना चाहते हैं तो हमें सूक्ष्म जीवों को भी जानना होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार इंसान इन सूक्ष्म जीवों से बेशक नफरत करता हो लेकिन हर इंसान का शरीर अरबों सूक्ष्म जीवों का घर होता है। केवल इंसानों की एड़ी में ही 80 प्रकार के अलग-अलग सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं। इस बात की पुष्टि के लिए यहां आने वाला हर व्यक्ति अपने शरीर का बॉडी स्कैन करवा कर देख सकता है।

चाहें तो यहां एक अन्य दिलचस्प तरीका भी है। एक जगह फर्श पर लाल रंग का दिल बना है। जैसे ही यहां खड़े होकर कोई जोड़ा एक-दूसरे का चुम्बन लेता है, करीब लगे 'किस' मीटर की स्क्रीन पर नम्बर बढ़ते जाते हैं, जब तक कि मीटर में से संदेश न आने लगे कि 'आप दोनों ने अभी 10 लाख सूक्ष्म जीवों का आदान-प्रदान किया है।' माइक्रोपिया में दिखाया जाता है कि सूक्ष्म जीव कैसे जीते हैं, कैसे भोजन करते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं? बैक्टीरिया इतने छोटे होते हैं कि एक सूई की नोक पर 10 लाख बैक्टीरिया आराम से समा सकते हैं। डच विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञानी इन धारणाओं पर 12 साल से अधिक वक्त से माथापच्ची कर रहे हैं।

यहां उन सूक्ष्म जीवों को प्रदर्शित किया गया है जो कृत्रिम वातावरण में भी जीवित रह सकते हैं। खतरनाक बीमारियां फैलाने वाले एड्स वायरस जैसे सूक्ष्म जीवों को केवल मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया है। सूक्ष्म जीवों को देखने के लिए यहां माइक्रोस्कोप के लैंस के साथ जोड़ा गया एक थ्री डी टैलीस्कोप है, जो नंगी आंखों से न दिखने वाले सूक्ष्म जीवों को हजार गुणा बड़ा करके दिखाता है।

इनका रखो ध्यान

- आउटडोर गेम्स के साथ इतनी सारी अच्छी बातें जुड़ी हैं, लेकिन फिर भी कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों का ख्याल रखने पर ही आउटडोर गेम्स खेल कर भी तुम पढ़ाई को और परिवार को पूरा टाइम दे सकते हो।
- सबसे पहले तो खेलने के लिए ऐसी जगह चुनो, जो घर के आसपास हो, यानी जहां से घर वाले तुम्हें आवाज देकर बुला सकें। अगर आसपास खेलने की जगह नहीं है तो अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ करीब की किसी जगह पर खेलने जा सकते हो, लेकिन रोज नहीं। और इस जगह के बारे में घर वालों को पता भी होना चाहिए।
- ऐसे दोस्तों के साथ खेलना शुरू करो, जिन्हें तुम पहचानते हो या जो तुम्हारे ही जैसे हों। बाहर खेलने का यह मतलब नहीं है कि तुम इनडोर गेम्स को पूरी तरह गुडबाय कह दो, क्योंकि एक तो इनसे भी तुम्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है, दूसरे आउटडोर गेम्स रोज नहीं खेले जा सकते।
- ज्यादातर ऐसे गेम्स के लिए टीम की जरूरत पडम्ती है और कभी-कभी दोस्तों का बाहर आकर खेलने का मन नहीं होता। अगर इन सारी बातों का ध्यान रखोगे तो तुम्हें आउटडोर गेम्स के बहाने एक नई दुनिया देखने को मिलेगी। नए दोस्त बनेंगे, फिजिकल फिटनेस रहेगी और कई सारी नई बातें भी सीख सकोगे। तो फिर देर किस बात की है, तुम अपने आसपास के दोस्तों के साथ मिल कर गेम प्लान करो और खेलने के लिए तैयार हो जाओ।

ड्राईडॉक्स वर्ल्ड, कोचीन शिपयार्ड ने संयुक्त उद्यम का किया गठन

नई दिल्ली।

डीपी वर्ल्ड समूह की कंपनी ड्राईडॉक्स वर्ल्ड और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने कोचीन जहाज मरम्मत सुविधा के संचालन और विस्तार के लिए एक संयुक्त उद्यम (जेवी) समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। डीपी वर्ल्ड ने एक बयान में कहा कि यह 50-50 की साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम कोचीन स्थित इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आईएसआरएफ) का संचालन और विस्तार करेगा, जिससे भारत का जहाज मरम्मत परिवेश मजबूत होगा तथा बढ़ती क्षेत्रीय और वैश्विक मांग पूरी होगी। पोत परिवहन मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि ड्राईडॉक्स वर्ल्ड और सीएसएल दोनों इस परियोजना में 900-900 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इस समझौते पर ड्राईडॉक्स वर्ल्ड के सीईओ कैप्टन राडो एंटोलोविक (पीएचडी) और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक जोस वीजे ने नयी दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के मौके पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल तथा यूएई के उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी मामलों के सहायक विदेश मंत्री इमरान शराफ अलहाशिमी उपस्थित थे।

तेलंगाना में एनालॉग पनीर के उत्पादन, बिक्री पर रोक

हैदराबाद ।

तेलंगाना सरकार ने जनस्वास्थ्य के हित में राज्य में गैर-डेयरी, कृत्रिम पनीर या एनालॉग पनीर के विनिर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। तत्काल प्रभाव से लागू होने वाला यह आदेश आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया है। तेलंगाना खाद्य एवं आवश्यक औषधि मानक प्राधिकरण ने कहा कि तेलंगाना के खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने जनस्वास्थ्य के हित में पूरे राज्य में किसी भी रूप में गैर-डेयरी, कृत्रिम पनीर या एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। विज्ञप्ति के अनुसार यह प्रतिबंध 10 सितंबर से तत्काल प्रभाव से एक साल के लिए लागू होगा।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल स्थिर

ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर, भविष्य में बढ़ने की आशंका बरकरार

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें शे निवार को भी स्थिर बनी हुई हैं, जिससे उपभोक्ताओं को एक बार फिर राहत मिली है। सरकारी तेल कंपनियों ने ईंधन के खुदरा दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। यह लगातार 25 मई से जारी स्थिरता है, बावजूद इसके कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे भविष्य में दाम बढ़ने की चिंता बनी हुई है। करीब साढ़े तीन महीने से देश में पेट्रोल और डीजल के दाम जस के तस बने हुए हैं। 12 सितंबर को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें कल जितनी ही हैं। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 107.78 रुपये और डीजल 99.56 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर हैं। गुरुग्राम, पटना, नागपुर, श्रीनगर और इंदौर जैसे अन्य शहरों में भी कीमतें पूर्ववत बनी हुई हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में यह स्थिरता अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य से बिल्कुल अलग है, जहां कच्चे तेल की कीमतें चिंता का विषय बनी हुई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्र्स के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की आपूर्ति और कीमतों को लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का महंगा होना देश के आयात बिल और समग्र अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, साथ ही लंबे समय तक ऊंचे दाम बने रहने से परिवहन लागत में वृद्धि हो सकती है। भारत में ईंधन की कीमतें डायनेमिक फ्यूल प्राइसिंग व्यवस्था के तहत हर दिन सुबह 6 बजे संशोधित की जाती हैं। तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहती हैं, तो देश में पेट्रोल-डीजल के खुदरा दामों पर इसका असर दिखना तय है और यह वर्तमान स्थिरता समाप्त हो सकती है। फिलहाल उपभोक्ताओं को मिली यह राहत कितने समय तक बरकरार रहेगी, यह अंतरराष्ट्रीय बाजार की चाल पर निर्भर करेगा।

'ब्रिक्स बाजार' में जुटी दुनिया भर की हस्तकलाएं

18 देशों के 40 से अधिक कारीगर, डिजाइनर अपनी अनूठी कलाओं का कर रहे प्रदर्शन

नई दिल्ली।

दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की गहमागहमी के बीच, भारत मंडपम से कुछ ही दूरी पर स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी में एक अनूठा सांस्कृतिक आयोजन ब्रिक्स बाजार शुरू हो गया है। यह प्रदर्शनी सदस्य और साझेदार देशों की समृद्ध कला और हस्तशिल्प को एक मंच पर ला रही है, जो वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक है। यह रचनात्मक प्रदर्शनी 15 सितंबर तक चलेगी, जिसमें 18 देशों के 40 से अधिक कारीगर, डिजाइनर और रचनात्मक कंपनियां अपने बेहतरीन उत्पाद और कलाकृतियां पेश कर रहे हैं। ब्रिक्स देशों के अलावा सहयोगी देशों की चीन की सूझोउ कढ़ाई, इंडोनेशिया की पारंपरिक बुनाई, नाइजीरिया की लकड़ी की कला और दक्षिण अफ्रीका की जुलू चमड़ा कला जैसी प्रामाणिक हस्तकलाएं दर्शकों को लुभा रही हैं। भारत भी अपनी सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन कर रहा है, जहां रियाज अहमद की कश्मीरी पेपर मेश, मोहम्मद बिलाल खत्री की ब्लॉक प्रिंट, करण सिंह की टेराकोटा कला और शादाब अहमद की लाख की चूड़ियां विशेष आकर्षण हैं। मेजबान देश ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों की पारंपरिक जीवनशैली को दर्शाते विशेष कॉर्नर भी बनाए हैं। शिखर सम्मेलन में आए विदेशी मेहमानों और उनके परिवारों के भी इस अनूठे शिल्प मेले का दौरा करने की उम्मीद है।

प्रदर्शनी में लुइस फारिनास लियोन (क्यूबा) जैसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित कलाकार शामिल हैं, जिन्हें 2023 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला था। इंडोनेशिया की प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर युली अस्तुति भी अपनी लुप्तप्राय कुडोस बाटिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करने के लिए जानी जाती हैं। यह बाजार सिर्फ उत्पादों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि दुनियाभर के कारीगरों को अपनी कला के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और वैश्विक पहचान बनाने का एक अनमोल अवसर भी प्रदान करता है।

आरबीआई एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां बेचेगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने तीन चरणों में खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने की घोषणा की। पहला चरण 17 सितंबर को होगा। आरबीआई के अनुसार पहले चरण में 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रुपए और उसके बाद 21 सितंबर तथा 28 सितंबर को 25,000-25,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने बयान में कहा` कि बैंकिंग प्रणाली में उपलब्ध धन की मौजूदा स्थिति और उसमें हो रहे बदलाव की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने तीन चरणों में कुल एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने का फैसला किया है। पहली नीलामी में 2029, 2030, 2031 और 2032 में परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने कहा कि नीलामी 17 सितंबर को सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े 10 बजे के बीच होगी। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) (एफसीएनआर-बी) जमा के जरिये विदेशी मुद्रा आने से बैंकों में उपलब्ध धन काफी बढ़ गया है। अतिरिक्त धन को वापस लेने के लिए आरबीआई लगातार परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी भी कर रहा है। बैंकों द्वारा एफसीएनआर (बी) जमा में बड़ी मात्रा में धन जुटाए जाने के बाद बैंकों में उपलब्ध नकदी में तेज वृद्धि हुई है।

'एआई दोधारी तलवार, सुरक्षा उपायों के बिना बेकाबू होने का खतरा'- निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को तेजी से अपनाने के साथ-साथ मजबूत सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा मानकों के बिना एआई बेकाबू होकर समाज के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय तक न टिकने वाले जोखिमों का वितरण होगा। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बोलते हुए, सीतारमण ने वैश्विक एआई उद्योग में तेजी से विकसित हो रहे फ्रंटियर मॉडल और एक शोधकर्ता की स्वयं को बेहतर बनाने वाली सुपर-इंटेलिजेंस संबंधी सार्वजनिक चेतावनी का उल्लेख किया। उन्होंने इन जोखिमों की गंभीरता से जांच की मांग की और संस्थागत जवाबदेही पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने पूछा, जनता को कौन आश्वस्त करेगा कि सुरक्षा उपाय तकनीक की गति के साथ चल रहे हैं? भरोसेमंद व पारदर्शी जवाब देने के लिए सामूहिक प्रयास कहां है? सीतारमण ने एआई को दोहरी तलवार बताया, जो धोखाधड़ी का पता लगाने और बड़े साइबर हमलों को स्वचालित करने दोनों में सक्षम है। उन्होंने नियामकों और वरिष्ठ प्रबंधन को एआई गवर्नेंस को केवल तकनीकी टीमों पर न छोड़ने की सलाह दी, बल्कि इसके उपयोग, निर्णयों और डेटा को समझने पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने उच्च जोखिम वाले एप्लिकेशनों की गहन जांच की वकालत की। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एआई को न अपनाने से भी संस्थान कमजोर पड़ सकते हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता खो सकते हैं।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा

बाजार में उथल-पुथल जारी रही, सेंसेक्स-निफ्टी लगातार दबाव में, निवेशकों को लगा बड़ा झटका

मुंबई ।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे बाजार में व्यापक बिकवाली का दबाव देखा गया। सप्ताह की शुरुआत से ही बाजार पर वैश्विक तनाव का साया मंडरा रहा था। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्षों के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल के निशान को पार करने की आशंका बढ़ गई, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंका और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार को कमजोर किया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझान का असर भारतीय सूचकांकों पर साफ दिखाई दिया। सप्ताह के शुरुआती तीन दिन (सोमवार, मंगलवार और बुधवार) बाजार के लिए बेहद खराब रहे। सोमवार को सेंसेक्स 382 अंक और निफ्टी 118 अंक गिरकर बंद हुए। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही, जहां सेंसेक्स 555 अंक लुढ़का और निफ्टी 23,700 के नीचे आ गया। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जब सेंसेक्स 813 अंक टूटकर 74,764.23 पर और निफ्टी 203 अंक गिरकर 23,431.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को बाजार में मामूली सुधार दिखा, सेंसेक्स 138 अंक और निफ्टी 46 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, लेकिन यह राहत अल्पकालिक रही। शुक्रवार को एक बार फिर बाजार में गिरावट लौटी, हालांकि यह शुरुआती भारी गिरावट से कुछ उबरकर बंद हुए, फिर भी सेंसेक्स 120 अंक और निफ्टी 79 अंक के नुकसान के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह के दौरान धातु, सूचना प्रौद्योगिकी, तेल-गैस, वित्तीय सेवाएँ और रियल्टी जैसे क्षेत्रों में भारी बिकवाली देखी गई। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जो बाजार में व्यापक कमजोरी को दर्शाता है। हालांकि, गुरुवार को पीएसयू बैंक और एनर्जी जैसे कुछ क्षेत्रों में चुनिंदा खरीदारी का रुझान देखा गया, लेकिन बाजार में अनिश्चितता और निवेशकों की सावधानी बनी रही। भारतीय रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर बंद हुआ, जो बाजार के नकारात्मक संकेतों को और पुष्ट करता है। कुल मिलाकर, यह सप्ताह निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा और नुकसानदेह साबित हुआ।

गणेशोत्सव में सोने-चांदी की बंपर बिक्री, महंगाई भी बेअसर

4000 करोड़ के कारोबार का अनुमान, मुंबई में 200 टन सोना बिकने की उम्मीद

मुंबई । इस साल गणेशोत्सव ने देश के ज्वैलरी बाजार में एक अनोखी चमक बिखेर दी है। शादी-विवाह या अन्य पारंपरिक त्योहारों से हटकर, गणपति बप्पा के स्वागत और उनकी प्रतिमाओं को सजाने के लिए सोने-चांदी के आभूषणों की जोरदार मांग देखी जा रही है। उद्योग अनुमानों के मुताबिक, अकेले मुंबई में इस गणेशोत्सव के दौरान 200 टन से अधिक सोने की बिक्री हो सकती है, जबकि देशभर में यह आंकड़ा 4,000 करोड़ रुपए के कारोबार तक पहुंचने का अनुमान है। गणेशोत्सव शुरू होने से लगभग पांच दिन पहले ही ज्वैलरी बाजार में यह विशेष रौनक शुरू हो गई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार गणेश चतुर्थी तक करीब 4,000 करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद है। घरों में स्थापित होने वाली गणेश प्रतिमाओं के लिए छोटे-बड़े आभूषणों की खरीदारी जोरों पर है। जावेरी बाजार के ज्वैलर्स गणपति बप्पा के लिए गणेश पादुका, नेकलेस, मोदक, चूहे, जासवंती के फूल, चेन, कान की बालियां और बाजूबंद जैसे खास गहने तैयार कर रहे हैं। इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए कारीगर दिन-रात काम कर रहे हैं, क्योंकि गणेश को मन्नतों का देवता माना जाता है और कई भक्त मन्नतें पूरी होने पर बड़े उत्साह से खरीदारी कर रहे हैं। मुंबई सर्राफा बाजार में हर दिन 200 से 225 करोड़ रुपये के गहने बिक रहे हैं। आभूषण कारोबारियों का कहना है कि सोने की बढ़ती कीमतों का खरीद पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। पिछले साल के मुकाबले इस बार सोने के दाम लगभग 40 फीसदी ज्यादा होने के बावजूद, ज्वैलरी की मांग दोगुनी हो गई है। भक्ति और आस्था के आगे महंगाई फीकी पड़ गई है। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सिर्फ बप्पा की ज्वैलरी की मांग के चलते गणेशोत्सव के दौरान मुंबई सर्राफा बाजार में 200 टन से ज्यादा सोना बिकने की उम्मीद है। सोने के साथ-साथ चांदी के बाजार में भी जबरदस्त रौनक है। चांदी के मोदक और चूहे की सबसे ज्यादा मांग है, जिसमें 50 ग्राम से लेकर सवा किलो तक के चूहे शामिल हैं। इसके अलावा मुकुट, कंठहार, कड़े और पादुकाएं भी खूब खरीदी जा रही हैं। गणेश पंडालों के लिए जहां प्रतिमा के आकार के अनुसार कई गुना बड़े और आकर्षक आभूषण बनाए जा रहे हैं, वहीं घरों के लिए मौजूदा रुझानों के हिसाब से आभूषणों की बिक्री हो रही है।

एसबीआई ने आरबीआई से दरें बढ़ाने का आग्रह किया

- बैंक की शोध रिपोर्ट में अक्टूबर और दिसंबर में 0.25-0.25 प्रतिशत की वृद्धि का सुझाव

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को अगले महीने नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत और फिर दिसंबर में इतनी ही वृद्धि करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम लगातार बाहरी झटकों, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और व्यापक मुद्रास्फीति दबाव से निपटने के लिए आवश्यक है। एसबीआई की इकोरैप रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं और इनके जल्द ही 123 डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इन भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच, रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहती हैं, तो अक्टूबर और नवंबर में मुद्रास्फीति 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ एक महीने पहले तक ब्याज दर में लंबे ठहराव की उम्मीद थी, लेकिन अब स्थिति में भारी बदलाव आया है। बैंक का यह सुझाव अमेरिकी फेडरल रिजर्व के संभावित कदमों से अप्रभावित है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 5-7 अक्टूबर को होनी है, जहाँ इन सिफारिशों पर विचार किया जा सकता है। केंद्रीय बैंक ने अगस्त में लगातार चौथी बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था।

ब्रिक्स मंच पर भारत की डीप-टेक क्रांति, 37 स्टार्टअप वैश्विक निवेश की दौड़ में

शिक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली में ब्रिक्स-भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए स्वदेशी स्टार्टअप

नई दिल्ली । भारत अपने स्वदेशी प्रौद्योगिकी नवाचारों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित कर रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स-भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में 37 भारतीय डीप-टेक स्टार्टअप पेश किए हैं। इन स्टार्टअप का लक्ष्य ब्रिक्स देशों के निवेशकों, कंपनियों और व्यापारिक दिग्गजों के साथ निवेश, प्रौद्योगिकी साझेदारी और अंतर्राष्ट्रीय बाजार पहुंच के अवसर तलाशना है। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी 11-12 सितंबर को ब्रिक्स बिजनेस फोरम के साथ चल रही है। शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन 37 स्टार्टअप का चयन उन 120 नवाचारी कंपनियों में से किया गया है, जिन्होंने जून में फ्रांस के नीस में आयोजित भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में भाग लिया था। ये स्टार्टअप अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी सामग्री, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों से जुड़े हैं। मंत्रालय का मानना है कि यह प्रदर्शनी बी2बी जुड़ाव, प्रौद्योगिकी साझेदारी और अंतर्राष्ट्रीय बाजार पहुंच को सुगम बनाएगी। साथ ही, यह भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत चिह्नित अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की ब्रिक्स शिक्षा पहल को भी बल देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित ब्रिक्स नेताओं, सीईओ और वैश्विक निवेशकों के इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होने की उम्मीद है। प्रदर्शनी में ध्रुव स्पेस, गैलेक्सी स्पेस सॉल्यूशंस और विसिग नेटवर्क्स जैसे अग्रणी स्टार्टअप शामिल हैं।

एसबीआई छोटे व्यवसायों की ऋण पात्रता आंकने यूपीआई आंकड़ों का करेगा इस्तेमाल

पिछले 18 महीनों में बैंक ने जीएसटी और पैन के आंकड़ों का इस्तेमाल कर एक लाख करोड़ के ऋण दिए

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जीएसटी पंजीकरण नहीं रखने वाले छोटी इकाइयों की ऋण पात्रता का आकलन करने के लिए यूपीआई लेनदेन के आंकड़ों का इस्तेमाल करने की व्यवस्था विकसित कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एसबीआई के एक अे धिकारी ने यहां आयोजित वैश्विक फिनटेक सम्मेलन में कहा कि यदि किसी कारोबार में नियमित बिक्री हो रही है तो यूपीआई लेनदेन को जीएसटी के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा` कि हम जीएसटी न रखने वाले कारोबारियों के लिए एक यूपीआई समाधान विकसित कर रहे हैं और यूपीआई लेनदेन को बिक्री के संकेतक के रूप में इस्तेमाल करेंगे।' तिवारी ने कहा कि जीएसटी के तहत पंजीकृत कारोबारियों को ऋण देने की चुनौती का बैंक समाधान कर चुका है और ऐसे मामलों में 10 मिनट के भीतर ऋण देने की स्थिति में है। पिछले 18 महीनों में बैंक ने जीएसटी और पैन के आंकड़ों का इस्तेमाल कर एक लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए हैं। हालांकि, जीएसटी नंबर नहीं रखने वाले कारोबारियों के मामले में कठिनाइयां हैं और ऐसे में वैकल्पिक आंकड़े महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यूपीआई भुगतान से जुड़े मुद्दे पर तिवारी ने कहा कि कर्ज देने वाले बैंक के पास हमेशा यह स्पष्ट जानकारी नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है। हालांकि, प्राप्तकर्ता बैंक और लेनदेन में मदद करने वाले तीसरे पक्ष के भुगतान ऐप के पास यह जानकारी होती है। उन्होंने कहा कि ग्राहक की सहमति से बैंक यूपीआई भुगतान और दूरसंचार कंपनियों से मिलने वाले आंकड़ों जैसे अन्य स्रोतों का इस्तेमाल करने वाले मॉडल के जरिये ऋण पात्रता का आकलन कर सकता है। एसबीआई को उम्मीद है कि नए आंकड़ों के आधार पर छोटे कारोबारियों को ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे छोटे कारोबारियों की ऋण संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलेगी।

इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल बाजार तेजी से हो रहा विस्तार

नई दिल्ली ।

देश में वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में जनवरी से अगस्त के बीच इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की खुदरा बिक्री 2,18,716 यूनिट तक पहुंच गई। बिक्री के यह आंकडे बना रहे हैं कि भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर यानी इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 1,21,322 यूनिट की बिक्री हुई थी। इस तरह सालाना आधार पर बिक्री में करीब 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए कैलेंडर वर्ष 2026 में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की कुल खुदरा बिक्री करीब 3.50 लाख यूनिट तक पहुंचने का अनुमान है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग देश के अधिकांश हिस्सों में बढ़ी है। राज्य में जनवरी से अगस्त के दौरान 31,184 यूनिट बिकीं, जबकि 2025 की समान अवधि में यह आंकड़ा 20,564 यूनिट था।

इस तरह महाराष्ट्र में 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तेलंगाना 21,537 यूनिट की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा और यहां 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कर्नाटक में 20,440 यूनिट बिकीं, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 56 प्रतिशत अधिक हैं। दिल्ली में 19,875 यूनिट की बिक्री के साथ 120 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। तमिलनाडु में 17,985 और केरल में 17,638 यूनिट बिकीं। गुजरात में 15,608 यूनिट के साथ बिक्री 139 प्रतिशत बढ़ी, जबकि राजस्थान में 15,423 यूनिट की बिक्री और 134 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। उत्तर प्रदेश में 14,330 यूनिट बिकीं, जो 74 प्रतिशत अधिक हैं। आंध्र प्रदेश में 7,274 यूनिट की बिक्री के साथ 154 प्रतिशत, ओडिशा में 5,862 यूनिट के साथ 133 प्रतिशत और पंजाब में 4,812 यूनिट के साथ 103 प्रतिशत वृद्धि हुई।

हालांकि हरियाणा में बिक्री 49 प्रतिशत घटकर 1,929 यूनिट रह गई। छोटे बाजारों में भी तेजी रही। चंडीगढ़ में 177 प्रतिशत, उत्तराखंड में 142 प्रतिशत, बिहार में 120 प्रतिशत और जम्मू-कश्मीर में 128 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। नगालैंड और लद्दाख में भी बिक्री वृद्धि क्रमश- 225 और 300 प्रतिशत रही। । भारत के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की स्वीकार्यता में तेजी देखने को मिली है। हरियाणा को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। महाराष्ट्र इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में देश में पहले स्थान पर रहा।

ओडिशा में लघु जलविद्युत परियोजनाओं के लिए 185 स्थल किए चिन्हित

उपमुख्यमंत्री बोले- पर्यावरण और विकास दोनों के लिए लाभकारी

भुवनेश्वर । ओडिशा सरकार ने राज्य में लघु जलविद्युत परियोजनाओं को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विशाल कुमार देव ने शुक्रवार को बताया कि राज्य में ऐसे 185 स्थलों की पहचान की गई है, जहां कुल 260 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता विकसित की जा सकती है। देव ने लघु जलविद्युत विकास पर आयोजित एक संवाद के दौरान कहा कि देश के कुल सतही जल संसाधनों का लगभग 11 प्रतिशत ओडिशा में होने के कारण लघु जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने जोर दिया कि राज्य में बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं के साथ अब छोटे पैमाने की परियोजनाओं पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। शुरुआत में चिन्हित किए गए 185 स्थलों पर 260 मेगावाट क्षमता विकसित की जा सकती है, और भविष्य में यह क्षमता बढ़ भी सकती है। उपमुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव ने सत्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि लघु जलविद्युत परियोजनाएं पर्यावरण और विकास दोनों के लिए लाभकारी हैं। इन परियोजनाओं में मौजूदा सिंचाई नहरों और जल प्रवाह का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं होती। इस संवाद में नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की 2026-31 की लघु जलविद्युत विकास योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर चर्चा की। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने अपनी अनुमानित 21,133 मेगावाट की लघु जलविद्युत क्षमता में से अब तक 5,171 मेगावाट का उपयोग किया है।

● एशियन गेम्स 2026 से पहले भारत को झटका

● अन्नू रानी ने 2022 में जीता था स्वर्ण पदक

3 एथलीट भारतीय दल से बाहर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट से पहले भारत को एक और झटका लगा है। हाल ही में जहां भारत के दो रेसलर डोपिंग के कारण बाहर हो गए थे। वहीं अब तीन स्टार एथलीट भारतीय दल से बाहर हो गए हैं। खास बात यह है कि इन तीन एथलीट में से एक नाम है भारत की स्टार महिला जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी का जिन्होंने 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

आपको बता दें पिछली बार की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी समेत उभरते हुए लॉन्ग जम्प एथलीट शहनवाज खान और रेसर नित्या गांधे को प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों के चलते भारत की एशियाई खेलों की एथलेटिक्स टीम से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही जापान जाने वाली भारतीय ट्रैक एवं फील्ड टीम की संख्या घटकर 74 रह गई है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इससे पहले आगामी एशियाई खेलों के लिए 77 एथलीटों का चयन किया था। बृहस्तिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल के बाद टीम में बदलाव किया गया। इस प्रतियोगिता को अंतिम पुष्टि के लिए चयन ट्रायल के तौर पर आयोजित किया गया था।

एएफआई चयन समिति के अध्यक्ष अदिल सुमरिवाला ने पीटीआई से कहा, 'अन्नू ने बृहस्पतिवार को हुए अंतिम ट्रायल में एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग मार्क हासिल नहीं किया, इसलिए उन्हें एशियाई खेलों के लिए नहीं चुना गया।' उन्होंने कहा, 'नित्या और शहनवाज खराब प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों से एशियाई खेलों में नहीं जाएंगे।'

तीनों खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने का फैसला शुक्रवार को एएफआई चयन समिति की ऑनलाइन बैठक में लिया गया। अब भारतीय एथलेटिक्स टीम के 74 सदस्य शनिवार को नयी दिल्ली से जापान के लिए रवाना होंगे।

भारत-श्रीलंका 7वीं बार आज खेलेंगे फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच 13 सितंबर यानी रविवार को खेला जाएगा। महिला एशिया कप के इतिहास में ये 7वां मौका होगा जब खिताबी जीत के लिए भारत और श्रीलंका की टीम आमने-सामने होंगे। इससे पहले भारत और श्रीलंका के बीच 6 बार फाइनल मुकाबले खेले जा चुके हैं जिसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने इस बार बांग्लादेश और श्रीलंका ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

7वीं बार खेलेंगे फाइनल

भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप में 7वीं बार फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 6 फाइनल खेले जा चुके हैं जिसमें से भारत को 5 बार जीत मिली जबकि श्रीलंका ने एक बार भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारत और श्रीलंका के बीच 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 और 2024 फाइनल में भिड़ंत हुई थी जिसमें से भारत ने 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 के फाइनल में श्रीलंका को हराया था। वहीं श्रीलंका की टीम ने साल 2024 के फाइनल में भारत को हराया था। अब दोनों देश 2026 में एक बार फिर से फाइनल में खेलते हुए नजर आएंगे। इस बार महिला एशिया कप का 10वां सीजन खेला जा रहा है। महिला एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी और पिछले 9 सीजन में भारत 7 बार चैंपियन बन चुका है। भारत ने साल 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2012, 2016, 2022 में चैंपियन बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी।

पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने कटाया फाइनल का टिकट

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने फाइनल में जगह बना ली है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका की बल्लेबाजों ने पाकिस्तान से मिले 131 रनों के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल किया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान चमारी अटापट्टू 5 रन बनाकर फातिमा सना का शिकार बनीं। संजना कविंदी बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। हसीना परेरा सिर्फ 3 रन ही बना सकीं। इमेशा दुलानी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाईं और 21 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 36 रनों की अहम पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए। कविशा दिलहारी ने 33 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में नीलाक्षी डी सिल्वा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 10 गेंदों में 3 चौकों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए, जबकि कौशानी नुथ्यंगना 4 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर नीलाक्षी ने फातिमा सना की गेंद पर चौका लगाते हुए श्रीलंका को फाइनल का टिकट दिलाया। इससे पहले, टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

यूएस ओपनः करेन खाचानोव को दी मात

अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला।

रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें। खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए। खाचानोव ने मैच का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला था, फिर भी ज्वेरेव ने दबाव वाले क्षणों में भी धैर्य से खेल बढ़ाया। तीसरा सेट भी छोटे-छोटे अंतरों की लड़ाई थी। ज्वेरेव पहले 5-4 और बाद में 6-5 से आगे थे। लेकिन खाचानोव ने दोनों बार गेम बनाए रखा और एक और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

'मैं ज्यादा कुछ नहीं कर सकती', वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर एक का ताज छीनने के बाद बोलीं सबालेंका

न्यूयॉर्क। एलेना रिबाकिना विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक की कुर्सी हासिल की। सबालेंका ने नंबर एक की पोजीशन गंवाने के बाद कहा कि वह इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं। एलेना रिबाकिना और आर्यना सबालेंका रविवार को यूएस ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। दोनों के बीच यह मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा। सबालेंका ने कहा कि दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने माना कि सीजन के बीच में उनका प्रदर्शन थोड़ा गिर गया था, लेकिन नंबर एक की पोजीशन को गंवाना उन्होंने थोड़ा अजीब बताया। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि वर्ल्ड नंबर 1 तक पहुंचना कितना मुश्किल है।

सार-समाचार

अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया

गुयाना। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 33वां मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। अमेजन वॉरियर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और त्रिनबागो को 6 विकेट से हरा दिया। अमेजन के लिए शे होप ने नाबाद 42 रन बनाए। अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए मिले 127 रन के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अमेजन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शे होप ने 35

गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेली। होप ने जस्टिन ग्रीव्स को चौका और छक्का लगाते हुए मैच खत्म किया। होप ने अपनी पारी में 2 छक्का और 1 चौका लगाया। इसके अलावा, शिमरोन हिटमायर ने 28, मानवेंद्र दिनदयाल ने 19, क्विंटन सैंपसन ने 12 और ग्लेन फिलिप्स ने 11 रन बनाए।
त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए मात्र 13 रन देकर 1 विकेट लिए। उस्मान तारिक ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 और लाहिरु कुमारा ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिए। अकील हुसैन ने भी 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया। सुनील नरेन और उस्मान तारिक की किफायती गेंदबाजी भी त्रिनबागो को हार से नहीं बचा सकी। टीम को स्कोर बोर्ड पर कम रन होने का खामियाजा भुगतना पड़ा।
इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 8 विकेट पर 126 रन बनाए थे। जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 16 गेंदों पर 26, और एलेक्स हेल्स ने 26 गेंदों पर 22 रन बनाए। अकील हुसैन ने 12 और किरोन पोलार्ड ने 10 रन बनाए। गुयाना अमेजन वॉरियर्स की तरफ से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। शमार जोसेफ ने 2, जबकि ड्वेन प्रिटोरियस और कप्तान इमरान ताहिर ने 1-1 विकेट लिए।

कॉनर एस्टरहुइजेन ने खेली शतकीय पारी

साउथ अफ्रीका ने दूसरे वनडे में नामीबिया को 157 रनों से रौंदा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को दूसरे वनडे मुकाबले में 157 रनों से रौंदा। साउथ अफ्रीका से मिले 336 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की पूरी टीम 178 रन बनाकर ऑलआउट हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन और मालन क्रूगर बिना खाता

खोले पवेलियन लौटे। वहीं, जेन फ्रीलिंक भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए। लॉरेन स्टीनकैंप भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन भी महज 6 रन बनाकर आउट हुए। नामीबिया की टीम महज 32 के स्कोर पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, जेन ग्रीन ने कप्तान गेरहार्ड इरास्मस का साथ देने का प्रयास किया और छठे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। ग्रीन 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जैन बाल्ट ने सातवें विकेट के लिए इरास्मस संग मिलकर 71 रनों की साझेदारी निभाई। बाल्ट 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे।
इरास्मस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों में 68 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया। रुबेन ट्रम्पेलमैन ने 27 गेंदों में 30 रन बनाए, जबकि वाल्डो स्मिथ ने 10 रनों का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से डुआन जानसेन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, ईथन बॉश ने 3 विकेट अपने नाम किए।
इससे पहले, साउथ अफ्रीका की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और जॉर्डन हरमन 24 गेंदों में 20 रन बनाने के बाद आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कॉनर एस्टरहुइजेन और टोनी डी जोर्जी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 168 गेंदों में 183 रन जोड़े। टोनी जोर्जी ने 87 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए।

ओडिशा टी-20 लीग 2026

सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर बने रैना और देबाशीष मोहंती

कटक। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को **'ओडिशा टी 20 लीग'** 2026 सीएम ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह टूर्नामेंट 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। इन दो पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की नियुक्ति से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ जाएगी। इस टूर्नामेंट का मकसद ओडिशा के युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपना हुनर दिखाने और कीमती अनुभव हासिल करने का मंच देना है। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटन्स, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 20 सितंबर को होगी, जिसमें पहला मैच संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स के बीच खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में लीग-स्टेज और नॉकआउट मैच होंगे। प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम को बाराबती स्टेडियम में होने वाले फाइनल में सीधे जगह मिलेगी। इस स्टेडियम में पहले भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर में एक-दूसरे का सामना करेंगी और जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। 28 सितंबर को महिलाओं का एक एग्जीबिशन मैच भी खेला जाएगा, जो क्रिकेट फैंस के लिए एक और आकर्षण होगा। **'ओडिशा टी 20 लीग'** लीग 2026 सीएम ट्रॉफी का ग्रैंड फाइनल 29 सितंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दो बेहतरीन टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सुरेश रैना ने कहा, 'छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी, जिससे 10 दिनों तक रोमांचक और जबरदस्त क्रिकेट देखने को मिलेगा। यह खिलाड़ियों के लिए अपना हुनर दिखाने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को साबित करने का एक शानदार मंच होगा। अपनी तारीखें नोट कर लें और एक ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट के लिए तैयार हो जाएं। जय जगन्नाथ।'

देबाशीष मोहंती ने भी ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं और कहा, 'ओडिशा में क्रिकेट फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेली जाएगी, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स दिखाने और दबाव वाले माहौल में खेलने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म देगा। मैं इस टूर्नामेंट को आयोजित करने की कोशिशों के लिए ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन का शुक्रगुजार हूं। मुझे यकीन है कि यह लीग फैंस के लिए बहुत रोमांचक क्रिकेट और यादगार पल लेकर आएगी। मैं सभी से गुजारिश करता हूं कि वे तारीखें नोट कर लें और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए जरूर आएं। जय जगन्नाथ।'

ओसीए सेक्रेटरी संजय बेहरा ने भी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा, **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती जैसे बेहतरीन भारतीय क्रिकेटरों का जुड़ना सम्मान की बात है। उनके जुड़ने से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ेगी और ओडिशा के युवा क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने और इस प्लेटफॉर्म पर अपना टैलेंट दिखाने की प्रेरणा मिलेगी।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 4007

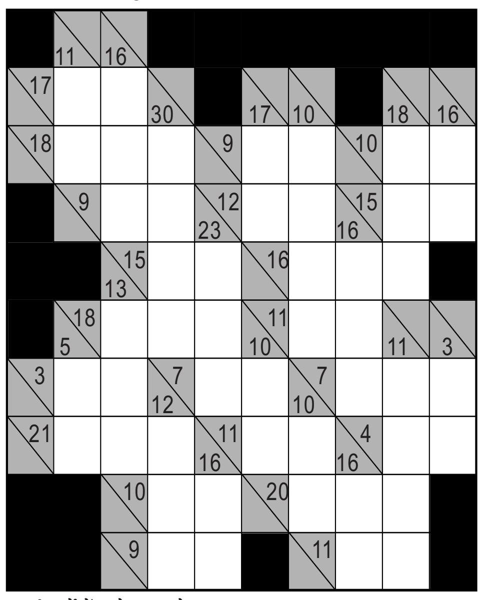

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

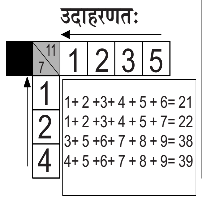

काकुरो -4006 का हल

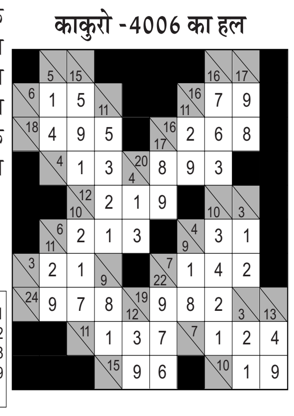

हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.
बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?
भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?
'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय, मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'
प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'
दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'
पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.
दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 4007

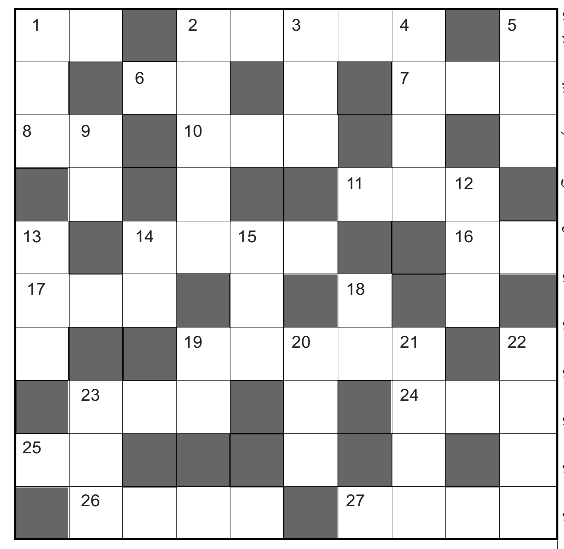

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी ?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है ?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4006

सूडोकु -4007

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4006का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 4007

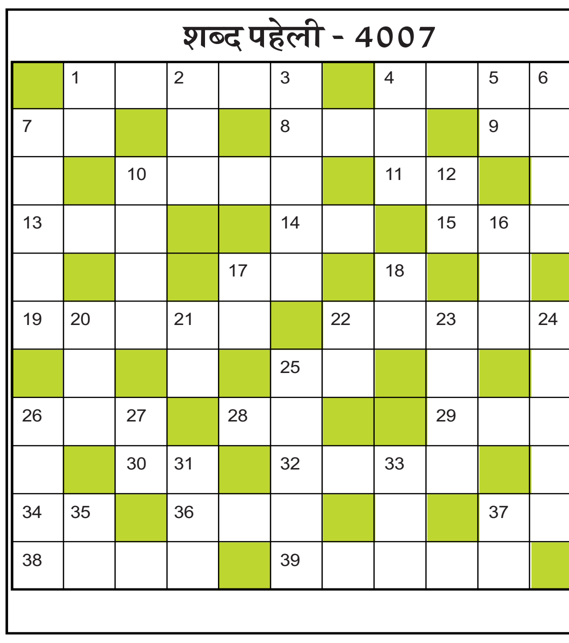

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -4006 का हल

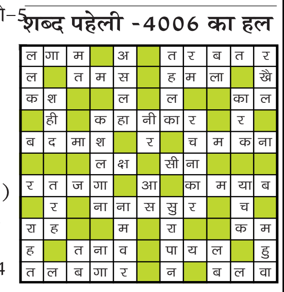

वर्कआउट करने का सही समय और फायदे

सही व्यायाम से घटेगा वजन

स्वस्थ व चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए जितना जरूरी सही खानपान है, उतना ही जरूरी व्यायाम भी है, जिससे हमारा वजन भी नियंत्रित रहता है। स्वस्थ जीवन और खुशहाल जिंदगी की कुंजी है व्यायाम। इस कारण हमारी दिनचर्या में व्यायाम को महत्वपूर्ण स्थान देना जरूरी हो जाता है।

जीवित रहने के लिए जिस प्रकार वायु, जल और भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार शरीर को स्वस्थ एवं तंदुरुस्त रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है। इसकी कमी से या इसको नियमित रूप से न करने से मनुष्य का जीवन दुर्बल और अनेक रोगों का घर बन जाता है। प्रतिदिन नियम के तहत व्यायाम करने से शरीर हल्का तथा फुर्तीला बना रहता है। व्यायाम हमेशा उतनी ही मात्रा में किया जाना चाहिए कि शरीर में थोड़ी थकावट तो महसूस हो, लेकिन आप थककर चूर न हो जाएं। जैसे-जैसे शक्ति का संचार बड़े, वैसे-वैसे व्यायाम का समय बढ़ाया जा सकता है।

शरीर की शक्ति से बढ़कर व्यायाम करना हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ध्यान रहे, व्यायाम शरीर को गठीला बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ स्वस्थ रखने में भी सहायक होता है। विभिन्न लोगों के लिए विभिन्न प्रकार के व्यायाम हैं। कुछ शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए होते हैं और कुछ निरोगी रखने में सहायक होते हैं। ऐसे ही कुछ व्यायामों के बारे में जानने की कोशिश करते हैं, जिनसे बढ़ती उम्र को 10 साल तक कम किया जा सकता है।

खेलकूद में मन लगाएं

सामूहिक खेलकूद केवल कसरत करने से कहीं ज्यादा उपयोगी होते है। खेलों में मजा तो आता ही है, साथ ही शारीरिक कसरत भी हो जाती है, लेकिन सभी खेल एक जैसे उपयोगी नहीं होते। यह खेल की गति, उसमें लगने वाली ताकत, मासपेशियों के तालमेल, दबाव सहने की क्षमता आदि भी खेल की उपयोगिता पर निर्भर करती है।

जितना हो सके उतना चलें

चलना सभी उम्र के लोगों के लिए (खासतौर पर दिल की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए) काफी उपयोगी होता है। शारीरिक फायदों के अलावा चलने से स्फूर्ति और आराम मिलता है। मध्यम गति से एक किलोमीटर चलने पर करीब 50 कैलरी ऊर्जा खर्च होती है। इसलिए जितना हो सके, चलना चाहिए।

योग को जीवन में ढालें

योग में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के अनुशासन की जरूरत होती है। योग एक कमाल का व्यायाम होता है, जिसमें मूलतः तीन चीज की जाती हैं- आसन, मुद्राएं, बंध। नियमित योग हृदय रोग, रक्तवाहिका रोग, डायबिटीज और मोटापा जैसे रोगों की रोकथाम करता है।

योग की सीमाओं को समझें

किसी भी आसन को तीन से पांच बार और योग को एक से दो बार किया जा सकता है। अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं भ्रिरका जैसे प्राणायाम में सांस को अधिक देर तक न रोकें, वर्ना चक्कर आने एवं उल्टी आ सकती है। शीर्षासन को अधिक देर करने से चक्कर आ सकते हैं और ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। इसलिए सभी अभ्यास विशेषज्ञ की देखरेख में ही सीखें या करें।

नियमों को न करें नजरअंदाज

शुरुआत के लिए : शुरुआती दिनों में बहुत अधिक व्यायाम करने से बचें। ट्रेनर के अनुसार ही व्यायाम करें। सप्ताह में जितना व्यायाम कहा जाए, उससे ज्यादा करना शरीर को तकलीफ दे सकता है।

वार्मअप जरूर करें : व्यायाम शुरू करने के पहले वार्मअप जरूर करें, ताकि आपका शरीर पूरी तरह से तैयार हो सके। अगर आप वार्मअप की अनदेखी करते हैं, तो यह आपके शरीर के लिए हानिकरक हो सकता है।

उम्र के अनुसार : व्यायाम का चुनाव अपनी उम्र के अनुसार करें और शुरू करने से पहले विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। अगर आपको सेहत संबंधी कोई समस्या है, तो इसका विशेष ध्यान रखें।

खानपान का ध्यान : व्यायाम के साथ-साथ डाइट का भी विशेष ध्यान रखें और तेजी से पचने वाले भोजन का सेवन करें। ये शरीर में मांसपेशियों के निर्माण में सहायता करते हैं।

प्रभावी नहीं होते ये व्यायाम

- एरोबिक्स व्यायाम से शरीर लचीला और मजबूत तो बनता है, लेकिन यह चर्बी कम करने में उतना सक्षम नहीं है।
- स्पॉट ट्रेनिंग से वजन घटाना आसान नहीं होता। बेहतर होगा कि कार्डियो व्यायाम के साथ इनको मिलाएं।
- सिट-अप्स, क्रंच व एब्स एक्सरसाइज करने से पेट की चर्बी नहीं घटती। वजन घटाने के लिए प्रभावी व्यायाम का चुनाव करना जरूरी है।
- जब तक आप वेट ट्रेनिंग के साथ कार्डियों को नहीं मिलाते हैं, वजन घटाने में कोई इसका योगदान नहीं हो पाता है और आप व्यर्थ में ही पसीना बहा रहे होते हैं।
- सीधे पैर कर सिट-अप्स लगाना व्यर्थ है। इससे कोई फायदा नहीं होता। इस तरह से सिट-अप्स लगाने से कमर में चोट लगने की आशंका अधिक हो जाती है।
- अगर आप पूरे सेट लगाकर पुल-डाउन कर रहे हैं, तो ध्यान रहे कि आप रॉड को आगे की ओर रखते हुए ही इसे करें। पीछे से पुल डाउन करने पर आपकी गर्दन एवं कंधों में चोट आ सकती है।

खेल भी अच्छा व्यायाम

खेल शिक्षिका नंदिनी रावत के मुताबिक, स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम का बढ़ा महत्व है। व्यायाम से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। व्यायाम से शारीरिक अंगों का विकास होता है और दृढ़ता आती है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

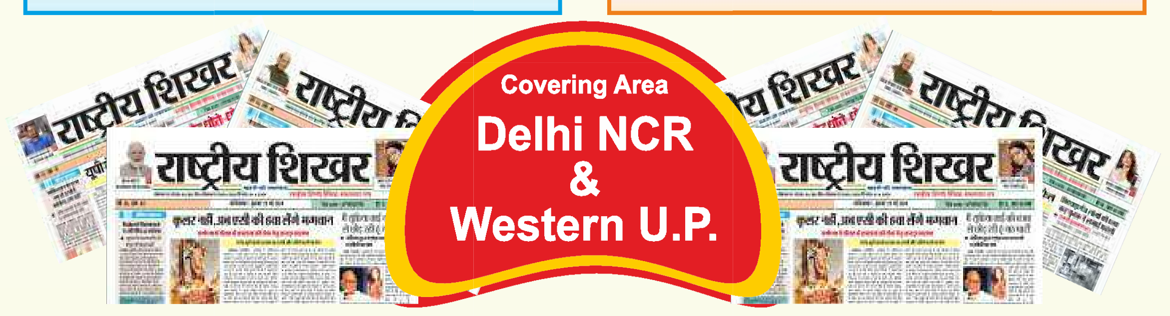

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%		Island Position - 50%		Strip Advt. - 15%	
Front Page (Solus) - 75%		Right Hand Page - 10%		Political Advt. - 50%	
Back Page - 25%		Top of AD Column - 15%		Pull Outs - 50%	
Page Three - 20%		Any Other Spl. Position - 10%		Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

'द रिवोल्यूशनरीज' उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है जिनके बारे में कम चर्चा हुई

वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' आजादी की लड़ाई के उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है, जिनके बारे में कम चर्चा हुई। यह सीरीज संजीव सान्याल की किताब 'रेवोल्यूशनरीज: द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम' पर आधारित है। बातचीत में डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने बताया कि 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के बाद उन्हें लगा कि ऐसी कहानियों में यूथ का नजरिया मिसिंग था। उन्होंने प्रतिभा रांटा की तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह शो के लिए मना कर देतीं तो उनका दिल टूट जाता। निखिल ने मनोज बाजपेयी का किस्सा भी सुनाया, जिन्होंने 25 साल बाद साथ काम करने पर पूछा था– 'अब आए हो?'

'द रिवोल्यूशनरीज' में ऐसा क्या था, जो आपको पहले की कहानियों में मिसिंग लगा?

मुझे लगा कि यूथ मिसिंग था। हमने भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, ऊधम सिंह और जलियांवाला बाग के बारे में बहुत पढ़ा है। लेकिन इनसे करीब 10 साल पहले भी एक समानांतर कहानी चल रही थी। रिसर्च करते हुए मुझे लगा कि इन युवाओं की कहानी भी बतानी चाहिए। उस समय के क्रांतिकारियों में एक अलग तरह का जुनून था। उन्होंने तय कर लिया था कि अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना है। कैसे करेंगे, यह बाद की बात थी। यही जुनून मुझे इस कहानी में सबसे ज्यादा आकर्षित करता है।

प्रतिभा रांटा में आपको वह प्रतिभा कब नजर आई, जो इस किरदार के लिए जरूरी थी?

मेरे लिए किसी एक्टर के पास जाना सिर्फ कास्टिंग नहीं है। मैं किसी कलाकार के पास तब तक नहीं जाना चाहता, जब तक मेरे पास उसके लिए ऐसा कुछ न हो, जिसमें वह पूरी तरह डूब सके। प्रतिभा के मामले में भी ऐसा ही था। मुझे पता था कि वह बहुत अच्छी एक्टर हैं, लेकिन यह समझना भी जरूरी था कि वह किरदार को किस तरह अपने अंदर उतारेंगी। हमने कई सीन्स पर महीनों चर्चा की। एक-एक लाइन पर बात की कि इसका मतलब क्या है और इसे किस तरह करना है। अगर प्रतिभा ने इस शो के लिए मना कर दिया होता, तो मैं सच में मेरा दिल टूट हो जाता। क्योंकि उन्होंने इस किरदार के लिए जो दिया है, वह बहुत खास है। मैं हमेशा मानता हूं कि एक एक्टर के अंदर यह चुनौती होनी चाहिए कि क्या मैं इस सीन को और बेहतर कर सकता हूं? क्या मैं इसे पेपर पर लिखे हुए सीन से आगे ले जा सकता हूं? अगर यह चुनौती नहीं है तो काम बोरिंग हो जाता है।

आपने कहा कि आप किसी कलाकार को सिर्फ इसलिए नहीं लेते कि वह बड़ा नाम है। मनोज बाजपेयी का 25 साल वाला किस्सा क्या है?

मनोज बाजपेयी मुझसे करीब 25 साल से कहते रहे थे कि मेरे साथ काम करना है। जब मैं आखिरकार उनके पास 'सत्यमेव जयते' लेकर गया तो उन्होंने मुझसे कहा– 'अब आए हो?'

मैं किसी बिजी स्टार के पीछे भागने में विश्वास नहीं करता। मेरे लिए जरूरी है कि मेरे पास उस कलाकार के लिए सही किरदार हो। मैं किसी एक्टर के पास सिर्फ इसलिए नहीं जाता कि वह बड़ा नाम है। मुझे ऐसा किरदार लेकर जाना होता है, जिसमें वह अपने दांत गड़ा सके और पूरी तरह डूब सके।

क्या 'द रिवोल्यूशनरीज' जैसी कहानी पर फिल्म भी बनाई जा सकती है?

बिल्कुल बनाई जा सकती है। लेकिन मुझे सीरीज का फॉर्मेट पसंद है, क्योंकि इसमें किरदारों को ज्यादा गहराई से एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है। इसमें रोमांस है, एक्शन है और कई किरदारों की अपनी अलग परतें हैं। अगर यह फिल्म होती तो भी मैं इन्हीं कलाकारों के साथ काम करता। मैंने रोहित, प्रतिभा और बाकी कलाकारों को इसलिए चुना क्योंकि वे मेरे दिमाग में मौजूद किरदारों के लिए बिल्कुल सही थे। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि फॉर्मेट ओटीटी है या फिल्म। सही कलाकार और सही किरदार सबसे ज्यादा जरूरी हैं।

सोहेल खान के डायरेक्टोरियल डेब्यू का हिस्सा बने सलमान

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान जल्द ही बतौर हीरो बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। सलमान खान अपने भतीजे की इस फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। जाहिर है, फिल्म में सलमान की मौजूदगी से अरहान के डेब्यू को बड़ा सपोर्ट मिल सकता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने अपने परिवार के किसी सदस्य के करियर को सपोर्ट करने के लिए फिल्मों में काम किया हो। सोहेल खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हो या उनका डायरेक्शन में कमबैक, सलमान ने दोनों मौकों पर भाई का साथ दिया और उनकी फिल्मों में लीड रोल कर कमान संभाली। वहीं, जब अरबाज खान की बतौर लीड एक्टर फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं, तब सलमान ने उन्हें अपनी फिल्मों में काम दिया और बाद में प्रोडक्शन और डायरेक्शन की दूसरी पारी में भी उनका साथ दिया। इतना ही नहीं, सलमान ने अपनी बहन अर्पिता खान शर्मा के पति आयुष शर्मा और बहन अलविरा अग्निहोत्री की बेटी अलिजेह अग्निहोत्री को भी अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए लॉन्च किया।

सोहेल खान ने साल 1997 में फिल्म 'औजार' से बतौर डायरेक्टर करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में सलमान खान ने लीड रोल निभाया था। करीब 5 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी। इसके बाद सोहेल खान ने साल 1998 में 'प्यार किया तो डरना क्या' डायरेक्ट की। इस फिल्म में भी सलमान खान लीड रोल में नजर आए। सोहेल ने फिल्म की कहानी लिखने के साथ-साथ इसे प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

सलमान की फिल्मों में सोहेल बने प्रोड्यूसर

सोहेल खान ने डायरेक्शन से ब्रेक के दौरान बतौर प्रोड्यूसर भी काम किया। वह सलमान खान की कई फिल्मों से प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े रहे। इनमें 'लकी: नो टाइम फॉर लव', 'मैंने प्यार क्यों किया?', 'पार्टनर', 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो', 'मैं और मिसेज खन्ना' और 'रेडी' जैसी फिल्में शामिल हैं। इस तरह सलमान की फिल्मों के जरिए सोहेल का प्रोडक्शन करियर भी लगातार चलता रहा।

ईशा रिखी ने बताई बिग बॉस 20 में आने की वजह

मशहूर रैपर बादशाह से अलग होने के बाद अभिनेत्री ईशा रिखी की जिंदगी में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। निजी जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखने वाली ईशा अब 'बिग बॉस 20' के घर में अपने बारे में खुलकर बात कर रही हैं। अब वह अपने अतीत को बार-बार याद करने के बजाय खुद पर ध्यान देना चाहती हैं। यही वजह है कि उन्होंने उस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया। बातचीत में ईशा ने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 'बिग बॉस' का हिस्सा बनूंगी। मैं काफी निजी स्वभाव की रही हूं और मुझे लगा करता था कि शो का माहौल और तरीका मेरी जिंदगी से बिल्कुल अलग है। जब मुझे शो का ऑफर मिला तो मैंने तुरंत हां नहीं की। मैंने काफी सोचा और अपनी उन झिझक पर भी विचार किया, जिसकी वजह से मैं इस शो से दूर रहना चाहती थीं। आखिरकार मैंने तय किया कि अब डर और हिचक को पीछे छोड़ने का समय है और फिर शो में जाने का फैसला किया।'' ईशा रिखी ने कहा, ''जिंदगी में कुछ बड़ा झेलने के बाद ही कई बार इंसान को अपनी असली ताकत का पता चलता है। मुझे भी अब लगता है कि मैं इस शो में खुद को संभाल सकती हूं और यहां टिक सकती हूं। मैंने जितना समय फिल्मी दुनिया में बिताया है, उसे देखते हुए मुझे हमेशा लगता था कि मैं 'बिग बॉस' जैसे शो के लिए सही नहीं हूं लेकिन धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि अगर इंसान के भीतर आत्मविश्वास है तो जगह मायने नहीं रखती। मैं कहीं भी जाऊं, अपनी पहचान बना सकती हूं।''

ईशा ने आगे कहा, ''यह शो मेरे लिए खुद को लोगों के सामने अपने तरीके से रखने का मौका है। ऑफर मिलने के बाद मेरे मन में यह भी था कि शो के जरिए दर्शकों को पता चल सकेगा कि मैं असल जिंदगी में कैसी हूं और मेरा स्वभाव कैसा है। एक कलाकार के लिए अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना आसान नहीं होता। लोगों की राय, चर्चाएं और तरह-तरह की बातें कई बार काम पर भी असर डालती हैं। मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी है और कभी

किसी दौड़ का हिस्सा बनने की कोशिश नहीं की।'' निजी जिंदगी से जुड़े सवालों पर भी ईशा ने कहा, ''आगे जो भी स्थिति आएगी, मैं उसे उसी समय संभालूंगी। मैं अब ऐसी बातों पर अपनी ज्यादा एनर्जी नहीं लगाना चाहतीं, जिनके बारे में मैं खुद बात नहीं करना चाहतीं। मैं हर किसी को सफाई नहीं दूंगी। जो बातें मैं साझा नहीं करना चाहती, उन्हें अपने तक ही रखूंगी।'' शो के अंदर होने वाले झगड़ों को लेकर भी ईशा ने कहा, ''घर में लड़ाई-झगड़े होना कोई नई बात नहीं है। असल जिंदगी में भी परिवार और दोस्तों के बीच मतभेद होते हैं, लेकिन 'बिग बॉस' के घर में यह सब किस स्तर तक जाएगा, इसका अंदाजा मुझे अभी नहीं है।'' 'बिग बॉस 20' में ईशा की एंट्री ऐसे समय हुई है, जब उनकी निजी जिंदगी पहले से ही चर्चा में है। बादशाह और ईशा ने हाल ही में आपसी सहमति से अलग होने की जानकारी साझा की थी।

आम्रपाली दुबे ने बताया अपना स्टारडम का राज

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इन दिनों 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। शो में आने के बाद उनके करियर और अब तक के सफर को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। आम्रपाली उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि, आम्रपाली का कहना है कि उनका स्टारडम सिर्फ उनकी लोकप्रियता की वजह से नहीं आया, बल्कि उनकी एक्टिंग ने उन्हें वह सम्मान दिलाया, जो एक अभिनेत्री के तौर पर उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि भोजपुरी और क्षेत्रीय सिनेमा में फीमेल एक्टर्स को अक्सर ऐसे किरदारों तक सीमित कर दिया जाता है, जिनमें उनके पास परफॉर्म करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता। आईएएनएस ने जब आम्रपाली से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि भोजपुरी इंडस्ट्री ने उन्हें एक एक्ट्रेस के तौर पर पर्याप्त सम्मान दिया या फिर उनकी स्टार पावर को ज्यादा महत्व मिला। इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे अपनी एक्टिंग स्किल्स की वजह से बहुत ज्यादा सम्मान मिला। महिला कलाकारों को उनकी एक्टिंग के लिए इतना सम्मान मिलना क्षेत्रीय सिनेमा में आम बात नहीं है, क्योंकि अक्सर फीमेल एक्टर्स को सीमित और सिर्फ सजावटी तरह के किरदारों में देखा जाता है।''

आम्रपाली ने कहा, ''एक महिला कलाकार के लिए रीजनल सिनेमा में कई बार ऐसे रोल की सीमा तय कर दी जाती है, जिनमें वह सिर्फ फिल्म की खूबसूरती बढ़ाने तक रह जाती है। लेकिन मैं खुद को इस मामले में काफी लकी मानती हूं। मुझे लगातार ऐसे फिल्मों और प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का मौका मिला, जिनकी कहानियां और कॉन्सेप्ट अलग थे। इन फिल्मों में मेरे किरदार भी एक जैसे नहीं थे और हर बार मुझे कुछ नया करने का मौका मिला।''

अपने करियर में निभाए गए किरदारों का जिक्र करते हुए आम्रपाली ने कहा, ''मैंने एक पाकिस्तानी लड़की का रोल भी किया है। मैं पर्दे पर एक हैदराबादी लड़की का किरदार भी निभा चुकी हूं। भोजपुरी इंडस्ट्री में मुझे कई अलग-अलग तरह के रोल करने का मौका मिला और दर्शकों ने भी मेरे हर अंदाज को पसंद किया। पहले लोगों ने मेरे किरदारों और एक्टिंग को पसंद किया और उसके बाद ही मुझे स्टार का खिताब मिला।'' 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

दानिश पंडोर के हाथ लगी बड़ी फिल्म

आमिर के साथ निभाएंगे अहम किरदार

अभिनेता दानिश पंडोर को फिल्म 'धुरंधर' में उनके किरदार उजैर बलोच के लिए काफी पसंद किया गया था। अब एक्टर जल्द आमिर खान की फिल्म 'ललकारा' में अभिनय करते दिखेंगे। जानें एक्टर की अगली फिल्म के बारे में... दानिश पंडोर ने रणवीर सिंह अभिनीत स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' से अपनी असल पहचान बनाई थी।

बातचीत में उन्होंने बताया कि वह जल्द आमिर खान के साथ उनकी फिल्म 'ललकारा' में दिखाई देंगे। हालांकि पंडोर को कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिले। मगर उन्होंने आमिर की फिल्म साइन कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वह आमिर खान के दोस्त का किरदार निभाएंगे।

फिल्म के लिए चल रही ट्रेनिंग

फिल्म 'ललकारा' के लिए आमिर खान, सिद्धांत गुप्ता, दानिश पंडोर तीनों ही क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रहे हैं। अपने-अपने किरदारों के लिए एक्टर्स अपनी फिजीक में काफी बदलाव कर रहे हैं। फिल्म में आमिर खान स्वतंत्र भारत के पहले क्रिकेट कप्तान, क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी अब तक नहीं मिली है।

फिल्म 'ललकारा' भारत के पहले क्रिकेट कप्तान लाला अमरनाथ के जीवन पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। फिल्म को पियूष गुप्ता और नीरज सिंह ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्माण फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की एक्सेल एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म के बैनर तले हो रहा है। फिल्म की शूटिंग नवंबर 2026 से शुरू हो सकती है।

कौन हैं दानिश पंडोर

दानिश पंडोर ने साल 2025 में फिल्म 'धुरंधर' और 2026 में 'धुरंधर 2' में अभिनय किया था। इस फिल्म में उन्होंने उजैर बलोच का किरदार निभाया, इस किरदार में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। पिछले दिनों वह इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में भी नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने अफजल का किरदार निभाया था। फिल्मों में आने से पहले दानिश ने कई हिंदी टीवी सीरियल किए थे, जिनके जरिए उन्हें अच्छी-खासी पहचान मिली।

संक्षिप्त समाचार

तपती धरती, उबलते समंदर: अगस्त बना इतिहास का सबसे गर्म महीना, पूर्वी यूरोप में गंभीर सूखे की स्थिति; आगे क्या

जेनेवा, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर जलवायु संकट ने एक बार फिर खतरे की घंटी बजा दी है। यूरोपीय संघ की प्रमुख निगरानी संस्था कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सीथ्रएस) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 जुलाई 2023 के साथ संयुक्त रूप से इतिहास का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया है। इस दौरान दुनिया का औसत वायु तापमान 16.96 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991–2020 के औसत से 0.85 डिग्री सेल्सियस और पूर्व-औद्योगिक काल (1850–1900) की तुलना में 1.65 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह अप्रत्याशित गर्मी जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) के जलने से वायुमंडल में लगातार बढ़ रही ग्रीनहाउस गैसों और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सक्रिय हो रही मजबूत अल नीनो परिस्थितियों का मिला-जुला नतीजा है। महासागरों का तापमान भी रिकॉर्ड स्तर पर है। 60 डिग्री दक्षिण से 60 डिग्री उत्तर के बीच गैर-ध्रुवीय महासागरों का औसत सतही तापमान 21.07 डिग्री दर्ज किया। इसने अगस्त 2023 में बने 20.98 डिग्री के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पश्चिमी यूरोप ने अपने इतिहास की सबसे भीषण गर्मी का सामना किया, जिसने 2003 के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। मई महीने से शुरू हुआ भीषण लू का सिलसिला अगस्त तक जारी रहा। गर्मी के साथ पश्चिमी, मध्य और पूर्वी यूरोप के बड़े हिस्से में गंभीर सूखे की स्थिति बन गई।

अमेरिकी थिंकटैंक एफएएस की रिपोर्ट 160+ हथियार तैयार किए जा चुके; 730 किलो प्लूटोनियम मौजूद; और क्या खास

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के परमाणु शस्त्रागार में अनुमानित रूप से 190 एटमी हथियार हैं, जिनमें नई मिसाइलों के लिए तैयार किए जा रहे 30 अतिरिक्त हथियार भी शामिल हैं। यही नहीं, उसके पास करीब 35 परमाणु हथियार तैयार करने लायक प्लूटोनियम भी रिजर्व भंडार में है। यह बात अमेरिका के एक गैर-सरकारी थिंकटैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कही है। एफएएस ने यह अनुमान ओपन सोर्स पर उपलब्ध जानकारी, सरकारी डाटा और कमर्शियल सैटेलाइट से मिली तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर लगाया है। एफएएस के न्यूक्लियर इंफॉर्मेशन प्रोजेक्ट के निदेशक हंस क्रिस्टेनसेन के बुधवार को प्रकाशित लेख में कहा गया है कि भारत अपने परमाणु शस्त्रागार को लगातार आधुनिक बना रहा है। एफएएस के मुताबिक, 2026 की शुरुआत तक इंटरनेशनल पैनल ऑन फिसाइल मटेरियल्स का अनुमान था कि भारत ने लगभग 730 किलोग्राम हथियार-ग्रेड प्लूटोनियम का उत्पादन किया है। यह सैद्धांतिक रूप से 140 से 225 के बीच परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त होगा। लेख में कहा गया, भारत करीब 190 हथियार असेंबल कर चुका है। लेकिन यह सिर्फ अनुमानित संख्या है, क्योंकि हथियार में कितना प्लूटोनियम इस्तेमाल होगा, यह काफी हद तक उसके डिजाइन पर निर्भर करता है। एफएएस के मुताबिक, भारत जमीन, हवा और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की क्षमता विकसित कर रहा है।

नेपाल में बाढ़ के बाद 70 अमेरिकी नागरिक अभी भी लापता, 18 बचाए गए; त्रासदी पर क्या बोला विदेश विभाग

वाशिंगटन, एजेंसी। नेपाल–चीन सीमा क्षेत्र में आई भीषण आपदा के बाद करीब 70 अमेरिकी नागरिक अब भी लापता हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि आपदा में सड़कें और पुल तबाह हो गए हैं, जबकि कई पूरे गांव भी मलबे में दब गए हैं। विदेश विभाग के मुताबिक, गुरुवार दोपहर तक 18 अमेरिकी नागरिक सुरक्षित स्थानों पर पहुंच चुके हैं। विभाग ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि काठमांडू में मौजूद अमेरिकी टीम नेपाल पहुंचे सभी प्रभावित परिवारों से मिल चुकी है। वहीं, वॉशिंगटन में तैनात अधिकारी अमेरिका में मौजूद परिवारों के साथ लगातार संपर्क में हैं।प्रवक्ता ने बताया कि राहत और बचाव दलों के लिए हालात बेहद मुश्किल हैं। आपदा में सड़कें, पुल और पूरे गांव नष्ट हो गए हैं। कई इलाकों का नक्शा ही बदल गया है। कुछ जगहों पर पहले जहां लोग रहते थे, वहां अब कई फीट तक मिट्टी और चट्टानों का मलबा जमा है। आपदा के कारण हेलीकॉप्टर से चलाए जा रहे राहत और बचाव अभियान में भी मुश्किलें आ रही हैं। पायलटों को संकरी घाटियों से उड़ान भरनी पड़ रही है।

9/11 के 25 साल: वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले के बाद कैसे बदली दुनिया अमेरिका में नहीं हुआ फिर बड़ा आतंकी हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। एक ऐसा हमला, जिसने कुछ घंटों में अमेरिका की तस्वीर बदल दी। दिन था 11 सितंबर 2001। आतंकवादियों ने चार विमानों को हाईजैक कर कई ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें से दो विमानों को न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की ट्विन टावर से टकराया। वहीं एक विमान पेंटागन से जा टकराया। चौथा विमान पेंसिल्वेनिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हमले में हजारों लोगों की जान चली गई।

घटना के 25 साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन उस दिन की दर्द आज भी लोगों के जेहन में ताजा हैं। इस हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति में बड़े बदलाव किए। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया। आइए जानतें हैं कि अमेरिका ने पिछले 25 वर्षों में ऐसा क्या किया, जिसके बाद वहां कभी भी कोई आतंकी हमला नहीं हुआ। अमेरिका ने क्या बड़े बदलाव किए हैं इसके साथ ही भारत को इससे क्या सीखना चाहिए

आतंकवाद और चरमपंथ से लड़ने के लिए क्या किया : आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने दुनिया भर में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू करने का एलान किया। इसे 'ग्लोबल वॉर ऑन टेरर' (तङ्घ्हङ्ग) कहा गया। इसमें सैन्य कार्रवाई के साथ आतंकियों की आर्थिक मदद रोकना शामिल था।

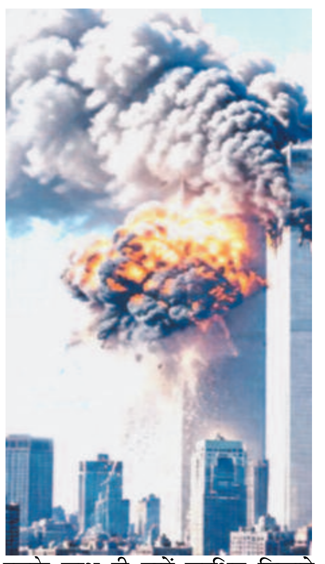

इसके साथ ही उन्हें सुरक्षित ठिकाने मिलने से रोकना भी शामिल था। कई देशों ने इस अभियान में अमेरिका का साथ दिया। 20 सितंबर 2001 को बुश ने तालिबान से अल-कायदा के सदस्यों को पनाह देना बंद करने को कहा। इसके बाद 24 सितंबर को आतंकवादी संगठनों और उन्हें आर्थिक मदद देने वालों की संपत्तियां फ्रीज करने का आदेश दिया गया। 7 अक्तूबर 2001 को अमेरिका ने अफगानिस्तान में सैन्य कार्रवाई शुरू की। शुरुआती हमलों में अल-कायदा के प्रशिक्षण शिविरों और तालिबान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके साथ अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय मदद भी देने की बात कही गई। इसके बाद अमेरिका ने इराक पर भी दबाव बढ़ाया। अमेरिका ने सद्दाम हुसैन की सरकार पर आतंकवाद से संबंध और बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियार रखने जैसे आरोप लगाए। 19 मार्च 2003 को अमेरिका ने इराक में सैन्य अभियान शुरू किया, जिसका मकसद सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाना था।

डीएचएस का मुख्य मकसद क्या है : डीएचएस का मुख्य मकसद देश को आतंकवाद और दूसरे सुरक्षा खतरों से बचाना था। इसके तहत अलग-अलग सरकारी एजेंसियों को एक साथ लाया गया, ताकि उनके बीच बेहतर तालमेल हो सके। कुल 22 एजेंसियों और कार्यालयों को मिलाकर एक कैबिनेट स्तर का विभाग बनाया गया। टॉम रिज इसके पहले सचिव बने।

डीएचएस को क्यों आलोचना का सामना करना पड़ा : हालांकि, शुरुआत में डीएचएस को कामकाज में तालमेल की कमी और नौकरशाही जैसी समस्याओं को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा। 2005 में आए तूफान कैटरीना के दौरान भी इसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। इसके अलावा निगरानी और नागरिक अधिकारों को लेकर भी चिंताएं सामने आईं। डीएचएस ने लोगों को आतंकवादी खतरों के बारे में जानकारी देने के लिए सुरक्षा चेतावनी प्रणाली शुरू की, जिसे बाद में 2011 में नेशनल टेररिज्म एडवाइजरी सिस्टम से बदल दिया गया। इसका उद्देश्य आतंकवाद से निपटने के साथ देश की आपदा और आपातकालीन तैयारियों को मजबूत करना था।

यूएसए पेट्रियट एक्ट 26 अक्टूबर 2001 को 9/11 आतंकी हमलों के बाद लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य अमेरिका की घरेलू सुरक्षा को मजबूत करना और आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच को आसान बनाना था। इस कानून के तहत सुरक्षा और जांच एजेंसियों को आतंकवाद की रोकथाम और जांच के लिए कई अधिकार दिए गए। कानून के तहत आतंकवाद से जुड़े मामलों में निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने की प्रक्रिया को मजबूत किया गया। अलग-अलग पुलिस, खुफिया और जांच एजेंसियों के बीच जानकारी साझा करने के रास्ते भी आसान किए गए। इसका मकसद यह था कि किसी संभावित आतंकी साजिश की जानकारी समय रहते मिल सके और उस पर कार्रवाई की जा सके। पेट्रियट एक्ट में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के लिए होने वाली आर्थिक मदद पर रोक लगाने के लिए भी कई प्रावधान किए गए। 10 हजार डॉलर से ज्यादा की नकदी को अवैध तरीके से अमेरिका के अंदर या बाहर ले जाने पर नए नियम और सजा का प्रावधान किया गया।साइबर अपराध और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर संभावित आतंकी हमलों से निपटने के लिए भी एजेंसियों को अतिरिक्त अधिकार दिए गए।

मिस्टर सिंह' वाले विज्ञापन पर मचा बवाल, सरकार ने हटाया पोस्ट; क्यों हुआ इतना विरोध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने गुरुवार को एक विवादित विज्ञापन हटा दिया। इसमें 'मिस्टर सिंह' से अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया था। भारतीय मूल अमेरिकियों के संगठनों और डेमोक्रेटिक नेताओं ने इसका विरोध किया था। उन्होंने इसे नस्लवादी प्रचार बताया था।

गृह सुरक्षा विभाग ने बिना लाइसेंस वाहन चलाने वाले लोगों के खिलाफ यह अभियान शुरू किया था। इसी अभियान के तहत यह विज्ञापन जारी किया गया था। इसके लिए एक्स पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाई गई तस्वीर का इस्तेमाल किया गया। तस्वीर में दाढ़ी वाला एक सांवले रंग का व्यक्ति दिखाया गया था। उसके साथ लिखा था- हमारी सड़कों से हट जाओ, मिस्टर सिंह, तुम्हें गाड़ी चलाना नहीं आता।

विरोध क्यों हुआ : इस विज्ञापन का भारतीय-अमेरिकी और सिख संगठनों ने जोरदार विरोध किया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और सांसद राजा कृष्णमूर्ति जैसे डेमोक्रेट नेताओं ने भी इसका विरोध किया। न्यूसम के प्रेस कार्यालय ने एक्स पर कहा, यह घिनौना है। ट्रंप सरकार सिख समुदाय को निशाना बनाकर नस्लवादी प्रचार कर रही है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, सिख कोएलिशन, हिंदू एक्शन और कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका जैसे संगठनों ने भी विज्ञापन को अमेरिकी मूल्यों के खिलाफ और नस्लवादी बताया। गृह

सुरक्षा विभाग ने विवादित विज्ञापन तो हटा दिया। लेकिन उसने न्यूसम पर पलटवार किया। विभाग ने उन पर अवैध प्रवासियों को व्यावसायिक वाहन चलाने के लाइसेंस देने का आरोप लगाया। न्यूसम को 2028 के राष्ट्रपति चुनाव का संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है।

भारतीय समुदाय के संगठनों ने क्या कहा : भारतीय समुदाय के संगठनों ने विज्ञापन हटाने का स्वागत किया। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि गृह सुरक्षा विभाग ने वह पोस्ट हटा दी है, जिस पर संगठन ने एक दिन पहले आपत्ति जताई थी। हालांकि, संगठन ने कहा कि किसी संघीय एजेंसी का भारतीय या सिख व्यक्ति का नस्लीय रूप दिखाकर राजनीतिक संदेश देना गंभीर बात है। पोस्ट हटाना केवल पहला कदम है। संगठन ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी, सिख, हिंदू और दक्षिण एशियाई लोगों को अपनी सरकार से इससे बेहतर व्यवहार की उम्मीद है। विभाग ने ट्रक चालक हरजिंदर सिंह का एक वीडियो भी पोस्ट किया। हरजिंदर सिंह को पिछले साल एक गैरकानूनी यू-टर्न के कारण हुए हादसे के बाद गिरफ्तार किया गया था।

अवैध प्रवासी को अदालत से बाहर जाने देने के आरोप में जज पर कार्रवाई; आठ साल पुराने मामले में क्या हुआ

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स की सबसे बड़ी अदालत ने गुरुवार को जिला अदालत की जज शेली जोसेफ को सार्वजनिक रूप से कड़ी फटकार लगाई। उन पर आरोप था कि उन्होंने एक प्रवासी को अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत से भागने में मदद की थी। यह मामला 2018 का है। उस समय जज शेली जोसेफ पर आरोप लगा था कि उन्होंने अप्रवासी के वकील और अदालत के एक अधिकारी के साथ मिलकर उसे भागने दिया। आरोप था कि सुनवाई के बाद उसे अदालत की इमारत के पिछले दरवाजे से बाहर निकलने दिया गया। उस पर नशीली दवाएं रखने समेत कई आरोप थे। सर्वोच्च न्यायिक अदालत ने यह फैसला न्यायिक आचरण आयोग के सुनवाई अधिकारी की सिफारिश के बाद दिया। आयोग ने माना था कि जोसेफ के काम से गलत आचरण का आभास हुआ। उन्होंने कानून का भी पालन नहीं किया। अदालत के फैसले के मुताबिक, जोसेफ ने प्रवासी को रातभर राज्य की हिरासत में रखने का सुझाव दिया था। उन्होंने अदालत के लिपिक को सुनवाई की आवाज रिकॉर्ड करने वाली व्यवस्था बंद करने का निर्देश भी दिया था। अदालत ने कहा कि इन कामों से गलत आचरण का आभास हुआ और यह उनके न्यायिक कर्तव्यों के खिलाफ था। जोसेफ की वकील एलिजाबेथ मुलवे ने पिछले साल आयोग की सुनवाई में कहा था कि समय के साथ इस मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। लोगों को लगने लगा कि उनकी मुवक्किल ने 'एक अवैध अप्रवासी को दरवाजे से बाहर जाने दिया'। उनके मुताबिक, कुछ लोग जोसेफ को जेल भेजने की बात कर रहे थे। वहीं कुछ लोग उन्हें 'जनता की नायिका' बता रहे थे। मुलवे ने कहा कि जोसेफ को मीडिया में बदनाम किया गया। लोग ऐसा दिखा रहे थे, जैसे दर्जनों लोगों ने जोसेफ को जज की कुर्सी से उठकर जाते हुए देखा हो। इसके बाद वह आरोपी को दरवाजे तक ले गईं हो। उसे गले लगाया और सुरक्षित यात्रा की शुभकामना दी।

चार्ली किर्क की पहली बरसी: यूएस में राष्ट्रपति के करीबी को श्रद्धांजलि, ट्रंप क्या बोले 2025 में हुई थी हत्या

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रिपब्लिकन मिडटर्म सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को रिपब्लिकन नेताओं और समर्थकों ने 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' के संस्थापक चार्ली किर्क को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा हॉल 'चार्ली, चार्ली' के नारों से गूंज उठा। बता दें कि एक साल पहले किर्क की हत्या कर दी गई थी। डलास के बास्केटबॉल स्टेडियम में जुटी भीड़ उस समय एकदम खामोश हो गई, जब किर्क के सम्मान में पांच मिनट का एक स्मृति वीडियो दिखाया गया। इस वीडियो ने सम्मेलन के सियासी माहौल को कुछ देर के लिए पूरी तरह गमगीन कर दिया। ट्रंप वॉर रूम नाम के ट्रुथ सोशल हैंडल पर किर्क को महान बताया गया। ट्रंप ने इस संदेश और वीडियो को रिपोस्ट किया।

क्या बोले टर्निंग पॉइंट के उपाध्यक्ष : इस दौरान टर्निंग पॉइंट के उपाध्यक्ष और पादरी लुकास माइल्स ने कहा कि एक साल बीत जाने के बाद भी चार्ली किर्क की आवाज कमजोर नहीं पड़ी है। उन्होंने बताया कि इस एक साल में संगठन के सदस्यों और सोशल मीडिया पर उनके समर्थकों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। माइल्स ने सम्मेलन में कहा- टर्निंग पॉइंट खत्म नहीं हुआ है। चार्ली ने जिस संस्था की नींव रखी थी, वह लगातार बढ़ रही है और अब एक नई पीढ़ी आगे आ रही है। चार्ली किर्क अमेरिकी दक्षिणपंथ में एक बेहद असरदार चेहरा थे। उन्होंने कॉलेज परिसरों में युवाओं का एक बड़ा नेटवर्क तैयार किया, एक चर्चित पॉडकास्ट चलाया और युवा रूढ़िवादी ईसाइयों के बीच गहरी पकड़ बनाई। वह डोनाल्ड ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान के अलग-अलग गुटों को एकजुट रखने वाले एक अहम सूत्रधार भी थे।

किर्क की हत्या 10 सितंबर 2025 को यूटा वैली यूनिवर्सिटी कैंपस में उस समय कर दी गई थी, जब वह छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मामले में 23 साल के टायलर रॉबिन्सन पर हत्या का गंभीर आरोप है और दोष साबित होने पर उसे मौत तक की सजा मिल सकती है। उसने घटना के अगले दिन खुद सरेंडर कर दिया था, हालांकि अदालत में उसने खुद को बेकसूर बताया है। किर्क की मौत के बाद संगठन में आंतरिक खींचतान भी देखने को मिली है। जानी-मानी पॉडकास्टर कैंडिस ओवेन्स समेत कई लोगों ने सरकारी वकीलों की इस थ्योरी पर सवाल उठाए हैं कि हत्या में सिर्फ रॉबिन्सन ही शामिल था। इसे लेकर इंटरनेट पर भी कई तरह के दावे किए जा रहे हैं।

अब किर्क की पत्नी एरिका किर्क को टर्निंग पॉइंट की नई सीईओ बनाया गया है, जो अब सार्वजनिक भाषणों का जिम्मा संभाल रही हैं। साथ ही डिबेट कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए अन्य विश्लेषकों को भी मंच दिया जा रहा है। संगठन ने यूटा के ओरेम स्थित उस यूनिवर्सिटी कैंपस में भी एक शोक सभा रखी, जहां किर्क की हत्या हुई थी। संगठन ने अपने बयान में कहा कि किर्क की कमी आज भी महसूस की जा रही है।

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट में गहराया संकट: लगातार दूसरी बैठक रद्द, जजों पर भ्रष्टाचार के मामले में बढ़ा विवाद

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन की सुनवाई रद्द कर दी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब देश में राजनीतिक और संस्थागत संकट गहराता जा रहा है। कोर्ट के कई सदस्यों पर भ्रष्टाचार, राजनीतिक पक्षपात और पुलिस के काम में दखल देने के आरोपों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस विवाद का असर अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों पर भी पड़ रहा है।

चीफ जस्टिस लुइज एडसन फाचिन ने गुरुवार की बैठक टालते हुए मंगलवार को अगली बैठक तय की है, जबकि आमतौर पर मंगलवार को कोर्ट की ऐसी बैठक नहीं होती।

मंगलवार को सभी 10 जजों की बेंच इस बात पर फैसला करेगी कि क्या उनके ही एक साथी जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस के खिलाफ जांच होनी चाहिए। मोरेस पर धोखाधड़ी के आरोपों के बाद बंद हो चुके 'बैंको मास्टर' के मालिक के साथ कथित संबंधों का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट में यह विवाद 1 सितंबर को तब बढ़ा, जब पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के कार्यकाल में नियुक्त हुए जज आंद्रे मेंडोंका ने फेडरल पुलिस के गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक किए। इन दस्तावेजों के मुताबिक, बैंक मालिक डेनियल वोर्कारो ने कानूनी सलाह के लिए कई बार जज मोरेस से संपर्क किया था। इसके बाद से ही मोरेस और मेंडोंका के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। मोरेस को उस समय मौजूदा राष्ट्रपति लुला डा सिल्वा के समर्थकों ने बहुत सराहा था, जब उन्होंने पिछले साल तख्तापलट की साजिश रचने के जुर्म में पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को 27 साल की जेल की सजा सुनाई थी। दूसरी तरफ, मेंडोंका सुप्रीम कोर्ट का जज बनने से पहले बोल्सोनारो की सरकार में सॉलिसिटर-जनरल रह चुके हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में डी मोरेस ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने मेंडोंका के खिलाफ कथित तौर पर अधिकारों के दुरुपयोग की जांच की मांग की। मामला बैंकर से हुई एक बातचीत से जुड़ा है, जिसमें पुलिस या अभियोजकों की मौजूदगी नहीं थी।

इस कानूनी जंग ने ब्राजील की राजनीति में भी भूचाल ला दिया है। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला डा सिल्वा और आगामी चुनाव में उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी यानी पूर्व राष्ट्रपति के बेटे सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो, दोनों अपने-अपने राजनीतिक नफे-नुकसान को देखते हुए जजों के खिलाफ जांच की मांग कर रहे हैं।

जेल में बिगड़ी मादुरो की पत्नी की सेहत: 11 किलो वजन घटा; दिल की बीमारी के बीच घर में नजरबंदी की मांग क्यों

अल्बानी, एजेंसी। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की पत्नी और देश की पूर्व प्रथम महिला सीलिया फ्लोरेस ने अमेरिका की अदालत से जेल से बाहर आने की मांग की है। 69 वर्षीय फ्लोरेस इस समय ब्रुकलिन की संघीय जेल में बंद हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि जेल में रहने के दौरान उनकी दिल की बीमारी और बिगड़ गई है। इसलिए उन्हें मुकदमे की सुनवाई तक जेल के बजाय घर में नजरबंद रखने की अनुमति दी जानी चाहिए। फ्लोरेस के वकीलों ने बुधवार को अदालत में आवेदन दिया है। उन्होंने मैनहट्टन संघीय अदालत के क्षेत्र में घर में रखने की मांग की। अगले साल जून में फ्लोरेस और मादुरो का मुकदमा होना है। घर में रहने के दौरान 24 घंटे सशस्त्र निगरानी की बात कही गई है।

घर में नजरबंदी की स्थिति में फ्लोरेस पर कैसी पाबंदियां रहेंगी : वकीलों मार्क डोनेली और एंड्रेस सांचेज ने अदालत को बताया कि घर में रहने की अनुमति मिलने पर फ्लोरेस की कड़ी निगरानी की जाएगी। उनके मुताबिक, उन्हें 24 घंटे सशस्त्र सुरक्षा में रखा जाएगा। उनसे मिलने वाले लोगों को अदालत और संघीय अभियोजकों से मंजूरी लेनी होगी। घर में वीडियो के जरिये निगरानी होगी और उनके फोन कॉल रिकॉर्ड किए जाएंगे। यानी वकील जेल से बाहर आने की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूरी तरह खुली आजादी नहीं।

फ्लोरेस कई वर्षों से माइट्रल वाल्व प्रोलैप्स नाम की दिल की बीमारी से जूझ रही हैं। वकीलों का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद से उन्हें इस बीमारी को संभालने के लिए जरूरी मासिक इंजेक्शन नहीं मिला है। इसके बजाय उन्हें बेबी एस्पिरिन, स्टैटिन और डिल्टियाजेम

दी जा रही हैं, जबकि सीने में दर्द होने पर नाइट्रोग्लिसरीन लेने को कहा गया है। फ्लोरेस लगातार रिफ्लक्स और गैस्ट्राइटिस से भी परेशान हैं। जेल में रहते हुए उनके दो दांत निकल चुके हैं। उनका वजन 11.3 किलोग्राम से ज्यादा कम हो गया है। डॉक्टरों ने उन्हें कार्डियक कैथेटराइजेशन कराने की सलाह दी है। फ्लोरेस और उनके पति निकोलस मादुरो को जनवरी की शुरुआत में काराकास स्थित उनके घर से अमेरिकी बलों ने आधी रात की कार्रवाई में हिरासत में लिया था। इसके बाद दोनों को न्यूयॉर्क लाया गया। अमेरिका ने दोनों पर कोकीन को अमेरिका पहुंचाने की साजिश में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। दोनों ने इन आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। अलग अदालत में दाखिल एक याचिका में दोनों ने अपने खिलाफ आरोपपत्र खारिज करने की मांग भी की है। उनका कहना है कि किसी विदेशी देश के नेता और प्रथम महिला होने के कारण उन्हें कानूनी छूट यानी इम्युनिटी हासिल है। अभी अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने फ्लोरेस की घर में नजरबंदी की मांग पर जवाब दाखिल नहीं किया है। मैनहट्टन स्थित अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के प्रवक्ता ने भी टिप्पणी करने से इनकार किया है।

पुतिन का प्लेन नहीं, कमांड सेंटर: किसमें हैं रूसी राष्ट्रपति पहचानना मुश्किल; क्यों साथ उड़ते हैं दो विमान

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे हैं। लेकिन उनकी यात्रा में सिर्फ कूटनीतिक मुलाकातें ही चर्चा में नहीं हैं। उनके भारत आने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। पुतिन जिस खास विमान से यात्रा करते हैं, उसकी सुरक्षा व्यवस्था इतनी गोपनीय रखी जाती है कि बाहर से यह पता लगाना मुश्किल होता है कि राष्ट्रपति आखिर किस विमान में सवार हैं। हाल की रिपोर्टों में उनके विमान को 'फ्लाइंग क्रेमलिन' भी कहा गया है।

इस यात्रा के दौरान खास बात यह रही कि पुतिन के साथ एक जैसा दूसरा विमान भी उड़ता दिखाई दिया। दोनों का मॉडल, रंग और बाहरी डिजाइन एक जैसा था। यानी आसमान से देखने वाले के लिए दोनों में अंतर करना आसान नहीं था। यही पूरी सुरक्षा रणनीति का सबसे अहम हिस्सा है।

दो एक जैसे विमान क्यों उड़ते हैं पुतिन के साथ : रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को से आईएल-96-300पीयू मॉडल के दो एक जैसे विमानों के साथ भारत के लिए उड़ान भरी। इनमें से एक विमान में राष्ट्रपति होते हैं, जबकि दूसरा डिकॉय विमान के तौर पर साथ उड़ता है। इसका मकसद यह भ्रम बनाए रखना है कि पुतिन वास्तव में किस विमान में मौजूद हैं।

डिकॉय फ्लाइट की रणनीति ऐसे समझें: दोनों विमान एक ही मॉडल के होते हैं और उनका रंग-रूप भी एक जैसा रखा जाता है, ताकि बाहर से पहचान करना मुश्किल रहे। दोनों विमान एक साथ उड़ान भरते हैं और पुतिन इनमें से किसी एक में होते हैं, लेकिन कौन से विमान में हैं, यह सार्वजनिक तौर पर पता नहीं चलता। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यही है कि किसी संभावित हमलावर के लिए पहले यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि राष्ट्रपति किस विमान में यात्रा कर रहे हैं। राष्ट्रपति के विमान की वास्तविक पहचान की जानकारी उनकी सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों तक ही सीमित रहती है।

क्या रडार पर भी दोनों विमानों को लेकर भ्रम पैदा किया जाता है :

दी गई जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ दो एक जैसे विमान उड़ाने तक सीमित नहीं है। दोनों विमानों के रडार सिग्नल में भी समय-समय पर बदलाव होता है। कभी एक विमान का सिग्नल बंद दिखाई देता है तो कभी दूसरे का। कुछ समय के लिए दोनों विमान ट्रैकिंग सिस्टम पर दिखाई नहीं देते। यही वजह है कि केवल सार्वजनिक फ्लाइट ट्रैकिंग के आधार पर यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि पुतिन किस विमान में हैं। इस तरह की डिकॉय ड्रिल पहले भी उनकी यात्राओं में दिखाई दे चुकी है।

कजाकिस्तान यात्रा में भी दिखी थी ऐसी ही रणनीति : कजाकिस्तान की यात्रा के दौरान दोनों विमानों को फ्लाइट ट्रैकर पर एक-दूसरे के बेहद करीब उड़ते देखा गया था। दोनों विमान लगभग एक ही गति से उड़ रहे थे, जिससे यह पहचानना और मुश्किल हो गया कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं।

उस समय दोनों विमानों की पहचान आरएसडी221 और आरएसडी369 के तौर पर हुई थी। इसके बावजूद सार्वजनिक ट्रैकिंग से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि पुतिन इनमें से किस विमान में सवार थे।

पुतिन का आईएल-96-300पीयू विमान आम विमान से कितना अलग : पुतिन का विमान आईएल-96-300पीयू सामान्य यात्री विमान का साधारण रूप नहीं है। यह आईएल-96-300 का विशेष रूप से तैयार किया गया संस्करण है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, पीयू का इस्तेमाल रूसी राष्ट्रपति के विशेष विमान के तौर पर होता है। इस विमान की सबसे महत्वपूर्ण खासियत उसकी सुरक्षित संचार व्यवस्था बताई जाती है।

इसमें सैटेलाइट फोन और ऐसी विशेष संचार सुविधाओं का जिक्र है, जिनकी मदद से राष्ट्रपति यात्रा के दौरान भी रूस से संपर्क में रह सकते हैं। विमान को मिसाइल हमले से बचाने के लिए विशेष सुरक्षा उपकरणों से लैस बताया गया है। इसी वजह से इसे आम राष्ट्रपति विमान से कहीं ज्यादा सुरक्षित और विशेष विमान माना जाता है। विमान में सैटेलाइट फोन और विशेष संचार व्यवस्था मौजूद होने की जानकारी दी गई है, ताकि यात्रा के दौरान भी संपर्क बना रहे। इसमें मिसाइल हमले से बचाने वाली विशेष सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र है, जो विमान की सुरक्षा को मजबूत बनाती है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)